Daily
# THE PHOTON NEWS
सच के हक में...
बुद्ध पूर्णिमा आज
द फोटोन न्यूज
Published from Ranchi
Ranchi ● Monday, 12 May 2025 ● Year : 03 ● Issue : 116 ● Ranchi Edition ● Page : 12 ● Price : ₹3 ● www.thephotonnews.com
E-Paper : epaper.thephotonnews.com

**SHARE**

| | | |
|---|---|---|
| सेंसेक्स | : | 79,454.47 |
| निफ्टी | : | 24,008.00 |

**SARAFA**

| | | |
|---|---|---|
| सोना | : | 9,225 |
| चांदी | : | 110.00 |

(नोट : सोना 22 कैरेट प्रति ग्राम)

**BRIEF NEWS**

### 16-17 को फिर से शुरू हो सकता है आईपीएल मैच

**NEW DELHI :** भारत और पाकिस्तान के बीच सैन्य संघर्ष के कारण स्थगित इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) मैच 16 या 17 मई को फिर से शुरू हो सकता है। इसके फाइनल का आयोजन कोलकाता से बाहर किए जाने की संभावना है। आईपीएल संचालन परिषद के सदस्यों और भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) के अधिकारियों ने लीग को फिर से शुरू करने की योजना पर रविवार को चर्चा की। बीसीसीआई के उपाध्यक्ष राजीव शुक्ला ने कहा कि बोर्ड अब भी उपयुक्त कार्यक्रम बनाने पर काम कर रहा है।

### संसद का विशेष सत्र बुलाने के लिए पीएम को लेटर

**NEW DELHI :** राज्यसभा विपक्ष के नेता एवं कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने एक पत्र लिखकर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी से तुरंत संसद का विशेष सत्र बुलाने की मांग की है। इससे पहले लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने भी इस मुद्दे पर अपना आग्रह व्यक्त किया था। कांग्रेस के दोनों नेताओं ने यह मांग हाल ही में पहलगाम में हुए आतंकवादी हमले और भारत-पाकिस्तान के बीच संघर्ष विराम की घोषणा के संदर्भ में उठाई है। राज्यसभा विपक्ष के नेता एवं कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने अपने पत्र में कहा, सभी विपक्षी पार्टियों ने विशेष सत्र की मांग की है, ताकि हम इन महत्वपूर्ण मुद्दों पर चर्चा कर सकें।

### चंडीगढ़ से पकड़े गए दो पाकिस्तानी जासूस

**CHANDIGARH :** पंजाब पुलिस ने राज्य के मलेरकोटला से दो पाकिस्तानी जासूसों को गिरफ्तार किया है। इन पर पाकिस्तानी उच्च आयोग के कार्यालय के एक अधिकारी को सेना से जुड़ी गोपनीय जानकारियां मुहैया करवाने का आरोप है। इसके बदले में उन्हें ऑनलाइन पेमेंट मिलती थी। पंजाब पुलिस महानिदेशक गौरव यादव ने रविवार को बताया कि एक सूचना के आधार पर मलेरकोटला से एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया गया, जिसने पूछताछ में अपने दूसरे सहयोगी के बारे में बताया।

### उग्रवादियों के खिलाफ अभियान में 13 गिरफ्तार

**IMPHAL :** मणिपुर के विभिन्न संवेदनशील इलाकों में सुरक्षा बलों द्वारा सघन अभियान चलाया जा रहा है। राज्य के विभिन्न स्थानों से अभियान के दौरान 13 उग्रवादियों को गिरफ्तार किया गया। जबकि भारी मात्रा में हथियार और विस्फोटक भी बरामद किए गए। मणिपुर पुलिस के प्रवक्ता ने रविवार को बताया कि इस दौरान पटसोई थाना क्षेत्र के सजीरोक तुरेल मपल (इम्फाल वेस्ट) से 7.62 एसएलआर राइफल, एक मैगजीन, एक संशोधित .303 राइफल, एक एसबीबीएल गन, दो .22 राइफल, एक फ्लेयर गन, दो 9 मिमी पिस्तौल व दो मैगजीन सहित कई अन्य हथियार बरामद किए गए हैं।

**सीजफायर :** 'ऑपरेशन सिंदूर' पर आर्मी ऑपरेशन के महानिदेशकों ने की प्रेस कॉन्फ्रेंस, कहा-

# कंधार हाईजैक व पुलवामा अटैक में शामिल तीन बड़े आतंकियों सहित 100 को हमने मारा

**NEW DELHI @ PTI :** रविवार को 'ऑपरेशन सिंदूर' पर आर्मी ऑपरेशन के महानिदेशकों (डीजीएमओ) ने प्रेस कॉन्फ्रेंस की। लेफ्टिनेंट जनरल राजीव घई, वाइस एडमिरल एएन प्रमोद और एयर मार्शल अवधेश कुमार भारती ने 'ऑपरेशन सिंदूर' से जुड़ी जानकारियां दी। डीजीएमओ ने कहा- आप सबको पता है कि पहलगाम अटैक में किस क्रूरता से 26 लोगों को मारा गया था। लेफ्टिनेंट जनरल राजीव घई ने बताया कि 'ऑपरेशन सिंदूर' साफ तौर पर आतंकवाद के साजिशकर्ताओं और उनके ठिकानों को तबाह करने के लिए किया गया था। हमने सीमा पार टेरर कैंप और इमारतों को पहचाना। इनमें से कई को पहले ही खाली कर दिया था, क्योंकि उन्हें हमारे एक्शन का डर था। हमने इस ऑपरेशन में सिर्फ आतंकवादियों को टारगेट किया। हमने 9 ठिकानों को एजेंसियों के जरिए पहचाना। कुछ पीओके में थे और कुछ पाकिस्तान में थे। मुरीदके लश्कर का हेडक्वार्टर था। अजमल कसाब, डेविड हेडली ने यहीं ट्रेनिंग ली थी। लेफ्टिनेंट जनरल राजीव घई ने कहा कि हमने इन ठिकानों की सटीक पहचान की और इनके सबूत वापस लाने के प्रॉसेस भी सुनिश्चित किए। सीमा पार 9 ठिकानों पर हमने 100 आतंकवादी मारे। हमने कंधार हाईजैक और पुलवामा अटैक में शामिल तीन बड़े आतंकी चेहरे मार गिराए। इसमें मुदस्सर खास, हाफिज जमील, यूसुफ अजहर भी शामिल हैं। डायरेक्टर जनरल ऑफ एयर ऑपरेशन एयरमार्शल भारती ने बताया कि हमने एयर टू सरफेस तरीके से इन्हें टारगेट किया ताकि कोलैटरल डैमेज को कम किया जा सके। मुरीदके के टेररिस्ट कैंप में हवा से सतह पर मार करने वाली 4 टारगेटेड मिसाइल से हमला किया और उसे न्यूट्रलाइज्ड किया। पहलगाम हमले के बाद हमारे पास कोई और रास्ता नहीं था। हमने ध्यान से टारगेट का चयन किया। 9 में से 6 टारगेट एयरकैंप को दिए गए। इनमें बहावलपुर और मुरीदके के टेररिस्ट कैंप भी शामिल थे। हमने वहां हमला किया, जहां उन्हें सबसे ज्यादा दर्द हो।

**मुरीदके के टेररिस्ट कैंप पर 4 टारगेटेड मिसाइलों से किया गया था हमला, एयरकैंप को दिए गए 9 में से 6 टारगेट**

- पाक ने सीजफायर तोड़ा तो दिया जाएगा तगड़ा जवाब ऑपरेशन में दुश्मन के 40 सैनिक-अफसर ढेर
- बारीकी से की गई सीमा पार के टेरर कैंपों और इमारतों की पहचान
- एक्शन के डर से कई कैंपों को पहले ही कर दिया गया था खाली
- पीओके और पाकिस्तान में थे टारगेटेड लॉकेशंस, अजमल कसाब, डेविड हेडली ने यहीं ली थी ट्रेनिंग
- कोलैटरल डैमेज को कम करने के लिए एयर टू सरफेस तरीके से किया गया अटैक

### अगर वहां से गोली चलेगी, तो यहां से चलेगा गोला : प्रधानमंत्री

भारत और पाकिस्तान में सैन्य टकराव को रोकने को लेकर बनी सहमति के बीच प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सशस्त्र बलों को निर्देश दिया है कि पाकिस्तान की हर कार्रवाई का अधिक सख्ती से जवाब दिया जाना चाहिए और अगर वहां से गोली चलेगी, तो यहां से गोला चलेगा। सरकारी सूत्रों ने रविवार को यह जानकारी दी। सूत्रों ने कहा कि भारत कश्मीर मुद्दे पर कभी भी मध्यस्थता स्वीकार नहीं करेगा और चर्चा का

एकमात्र मुद्दा यह है कि पाकिस्तान अपने अवैध कब्जे वाले क्षेत्र को वापस करे। सूत्रों के मुताबिक, भारत के खिलाफ पाकिस्तान प्रायोजित आतंकवाद जारी रहने तक सिंधु जल संधि स्थगित रहेगी।

### राजस्थान, पंजाब, जम्मू कश्मीर में हालात सामान्य

दूसरी ओर बॉर्डर से लगे राजस्थान, पंजाब, जम्मू-कश्मीर में रविवार सुबह हालात सामान्य दिखाई दिए। बाजार खुल रहे हैं, गतिविधियां सामान्य हो रही हैं। श्रीनगर में भी हालात सामान्य हो गए हैं। बाजार खुले हुए हैं। लाल चौक पर लोग सामान्य दिनों की तरह घूमते-फिरते नजर आए। पहलगाम हमले के दिन 22 अप्रैल से 10 मई तक पाकिस्तान की गोलीबारी में 6 जवान शहीद हो चुके हैं, जबकि 60 घायल हैं। इसके अलावा 25 लोगों की मौत हो चुकी है और 50 से ज्यादा घायल हैं। जम्मू-कश्मीर की राजधानी श्रीनगर में हालात सामान्य हैं। एक साप्ताहिक बाजार में लोगों की भीड़ देखने को मिली। हालांकि, मौजूदा हालात के चलते श्रीनगर समेत पूरे केंद्र शासित प्रदेश में सुरक्षा के कड़े इंतजाम हैं।

*संघर्ष विराम लागू होने के अगले दिन इंडियन एयर फोर्स ने कहा-*

## लक्ष्य हासिल, मगर जारी रहेगा 'ऑपरेशन सिंदूर'

- राष्ट्रीय उद्देश्यों के अनुरूप सौंपे गए कार्यों को सटीकता के साथ दिया गया अंजाम
- वायुसेना ने अटकलों और अपुष्ट सूचनाओं को फैलाने से बचने का किया आग्रह

राष्ट्रीय उद्देश्यों के अनुरूप सौंपे गए कार्यों को सटीकता के साथ दिया गया अंजाम

भारत और पाकिस्तान के बीच संघर्ष विराम की घोषणा के अगले दिन रविवार को भारतीय वायुसेना ने कहा कि उसने ऑपरेशन सिंदूर के दौरान उसे सौंपे गए सभी कार्यों को सटीकता के साथ और राष्ट्रीय उद्देश्यों के अनुरूप सफलतापूर्वक अंजाम दिया। पहलगाम में हुए आतंकवादी हमले के जवाब में पाकिस्तान और पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर में नौ आतंकवादी ढांचों को नष्ट करने के लिए सात मई को यह अभियान शुरू किया गया था। पाकिस्तानी हमलों के बाद सभी जवाबी कार्रवाइयां 'ऑपरेशन सिंदूर' के तहत की गईं। भारतीय वायुसेना (आईएएफ) ने एक बयान में कहा कि ऑपरेशन अभी जारी है। उसने कहा, चूंकि ऑपरेशन अभी जारी है, इसलिए विस्तृत जानकारी समय आने पर दी जाएगी। बता दें कि वायुसेना ने सभी से अटकलों और अपुष्ट सूचनाओं को फैलाने से बचने का आग्रह किया है।

### आम नागरिकों को नहीं बनाया निशाना : राजनाथ

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने लखनऊ में ब्रह्मोस मिसाइल यूनिट का वर्चुअली उद्घाटन किया। इस दौरान उन्होंने पाकिस्तान को चेतावनी दी, कहा- भारतीय सेना ने पराक्रम दिखा दिया है। आतंकवाद के लिए सरहद पार की जमीन भी सुरक्षित नहीं रहेगी। हमने केवल सीमा से सटे सैन्य ठिकानों पर ही कार्रवाई नहीं की, बल्कि भारत की सेनाओं की धमक उस रावलपिंडी तक सुनी गई, जहां पाकिस्तानी फौज का हेडक्वार्टर मौजूद है। रक्षा मंत्री ने कहा कि हमने कभी उनके आम नागरिकों को निशाना नहीं बनाया, लेकिन जब पाकिस्तान ने भारत के नागरिक इलाकों, मंदिरों, गुरुद्वारों और चर्चों पर हमले का प्रयास किया। तब भारतीय सेना ने शौर्य और संयम के साथ उत्तर दिया।

**केंद्रीय गृह मंत्रालय ने जारी की लिस्ट, इसमें तेज-तर्रार ऑफिसर शामिल**

## झारखंड कैडर के 4 आईपीएस आईजी रैंक में इंपैनल

**PHOTON NEWS RANCHI :** झारखंड के तेज तर्रार आईपीएस अधिकारी आईजी अभियान अमोल वेणुकांत होमकर सहित झारखंड कैडर के चार आईपीएस अफसरों को केंद्र में आईजी रैंक में इंपैनल किया गया है। इस संबंध में केंद्रीय गृह मंत्रालय के द्वारा इंपैनल सूची भी जारी कर दी गई है। सूची में जो चार आईपीएस अधिकारी आईजी रैंक में केंद्र में इंपैनल हुए हैं, उनमें सबसे प्रमुख नाम 2004 बैच के आईपीएस अधिकारी अमोल वेणुकांत होमकर का है। दूसरा नाम आईपीएस प्रभात कुमार का है, प्रभात कुमार 2005 बैच के आईपीएस हैं। तीसरा नाम कुलदीप द्विवेदी का है, द्विवेदी 2007 बैच के आईपीएस अधिकारी हैं। वहीं चौथा नाम आईपीएस अनूप बिरथरे का है। अनूप बिरथरे भी 2007 बैच के आईपीएस हैं।

**सूची में एवी होमकर, प्रभात कुमार, कुलदीप द्विवेदी व अनूप बिरथरे के नाम**

| अमोल वेणुकांत होमकर | प्रभात कुमार | कुलदीप द्विवेदी | अनूप बिरथरे |
|---|---|---|---|
| 2004 बैच के आईपीएस अधिकारी | 2005 बैच के आईपीएस अधिकारी | 2007 बैच के आईपीएस अधिकारी | 2007 बैच के आईपीएस अधिकारी |

रांची के सीनियर एसपी भी रह चुके हैं प्रभात कुमार और कुलदीप द्विवेदी

### झारखंड के कई जिलों में 16 तक लू चलने को लेकर अलर्ट जारी

**RANCHI :** झारखंड के अधिकांश जिलों में 16 मई तक लू चलने को लेकर अलर्ट जारी किया गया है। मौसम विभाग के अनुसार 12 मई को देवघर, दुमका, जामताड़ा, पाकुड़,गोड्डा और साहिबगंज में और 14 मई से गिरिडीह, धनबाद, देवघर, जामताड़ा, दुमका, पाकुड़, गोड्डा और साहिबगंज में कहीं- कहीं लू चलने को लेकर येलो अलर्ट जारी किया गया है। वहीं 14, 15 और 16 मई को दक्षिणी और मध्यवर्ती जिलों में गर्जन के हल्की बारिश होने की सम्भावना है। रविवार को रांची और आसपास के इलाकों में मौसम साफ रहा। इससे भीषण गर्मी का एहसास हुआ। शनिवार को बारिश होने के बावजूद गर्मी एयर उमस महससू की गई। रविवार को रांची में तापमान 36.7, जमशेदपुर में 40.3, डालटेनगंज में 40.1, बोकारो में 39.5, वाईबासा में अधिकतम तापमान 39.9 डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड किया गया। इधर, झारखंड के दक्षिणी एवं मध्य भागों में 12 मई को कहीं-कहीं पर गरज के साथ बारिश हो सकती है। आंधी-तूफान भी चलने का अनुमान है। वज्रपात की भी आशंका है। हीट वेव के कहर के बाद मौसम का मिजाज फिर बदलेगा। 17 मई से गरज के साथ झमाझम बारिश हो सकती है। रांची और उसके आस-पास के इलाकों में 16 मई और 17 मई को आसमान में आंशिक बादल छाए रहेंगे और गरज के साथ बारिश हो सकती है।

## ईडी की जांच में फर्जी पाए गए 133 एकड़ जमीन पर दावे से जुड़े दस्तावेज

**PHOTON NEWS RANCHI :** एनफोर्समेंट डायरेक्टरेट यानी प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) की जांच में बोकारो की 133.64 एकड़ जमीन पर दावेदारी से संबंधित दस्तावेज फर्जी पाए गए हैं। इस जमीन पर इजहार हुसैन व अख्तर हुसैन ने अपने पूर्वजों द्वारा ब्रिटिश राज के दौरान नीलामी में खरीदे जाने का दावा किया गया था। इसमें से अब तक 74 एकड़ से अधिक जमीन बिक चुकी है। जिला प्रशासन द्वारा जारी जांच के दौरान भी पुरुलिया स्थित रजिस्ट्री कार्यालय में नीलामी से जुड़े दस्तावेज के नहीं होने की लिखित सूचना दी थी। इजहार हुसैन ने बोकारो जिले के चास अंचल की जमीन पर अपना दावा पेश करने के लिए दो दस्तावेज का सहारा लिया था। इसमें पहला दस्तावेज पुरुलिया स्थित रजिस्ट्री कार्यालय से जारी डीड संख्या 191और दूसरा दस्तावेज समीर महतो का वसीयतनामा है। पुरुलिया रजिस्ट्री कार्यालय से जारी सेल डीड संख्या 191 में इस बात का उल्लेख किया गया है कि समीर महतो ने यह तेतुलिया की 133.64 एकड़ जमीन वर्ष 1933 में नीलामी में खरीदी। वर्ष 2010 में समीर महतो के वसीयतनामे में इस बात का उल्लेख किया गया है समीर महतो ने अपने बेरोजगार पोता इजहार हुसैन और अख्तर हुसैन को नीलामी में खरीदी गयी 133.64 एकड़ जमीन देने का फैसला किया।

- इजहार हुसैन व अख्तर हुसैन ने किया था दावा, ब्रिटिश राज के समय पूर्वजों ने खरीदी थी जमीन
- जिला प्रशासन ने भी पुरुलिया स्थित रजिस्ट्री कार्यालय में दस्तावेज नहीं होने की दी थी सूचना
- चास के तत्कालीन अंचल अधिकारी निर्मल टोप्पो को गड़बड़ी के आरोप में किया जा चुका है बर्खास्त

**बड़ी कामयाबी** भविष्य में सस्ते व सुपर कैपेसिटर बनाने का रास्ता साफ

## स्वच्छ और टिकाऊ ऊर्जा उत्पादन की दिशा में भारत ने किया कमाल

**PHOTON NEWS @ RESEARCH DESK :** विगत चंद वर्षों में भारत के विभिन्न क्षेत्रों में विकास की दृष्टि से नई तकनीक ने एक से बढ़कर एक कमाल किया है। शिक्षा, स्वास्थ्य और विज्ञान के क्षेत्र में हमने विश्व स्तरीय उपलब्धि हासिल की है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में ये उपलब्धियां नए भारत की नई सोच को बढ़ाने की दिशा में तेजी से कदम बढ़ा रही हैं। यदि हम ऊर्जा क्षेत्र की बात करें, तो अब पारंपरिक ऊर्जा स्रोतों से हटकर भारत ने प्रदूषण रहित ऊर्जा उत्पादन की नई तकनीक डेवलप करने में बड़ी कामयाबी हासिल की है। वास्तव में देश ने स्वच्छ और टिकाऊ ऊर्जा की दिशा में एक बड़ी छलांग लगाई है। नागालैंड विश्वविद्यालय के वैज्ञानिकों के नेतृत्व में शोधकताओं की एक टीम ने एक ऐसी नई तकनीक विकसित की है, जिससे सुपर कैपेसिटर के लिए बेहद किफायती और प्रभावी सामग्री का निर्माण संभव हुआ है। नई तकनीक पारंपरिक बैटरियों की क्षमता को बहुत पीछे छोड़ सकती है। सुपर कैपेसिटर ऊर्जा भंडारण की अगली पीढ़ी के उपकरण माने जाते हैं।

**न्यू टेक्नोलॉजी के उपयोग के अनुरूप प्रभावी सामग्री का निर्माण हुआ संभव**

**अब पारंपरिक बैटरियों की क्षमता को बहुत पीछे छोड़ सकती है यह उपलब्धि**

- नागालैंड विश्वविद्यालय के वैज्ञानिकों के नेतृत्व में शोधकर्ताओं ने खोजी नई तकनीक
- ट्रेडिशनल लिथियम-आयन बैटरियों की तुलना में अगली पीढ़ी के लिए हैं ये उपकरण

एमिनेटेड ग्रेफीन नामक विशेष सामग्री को किया जा सकता है तैयार

- अधिक ऊर्जा स्टोर करने की क्षमता के साथ कम समय में चार्ज होंगे कैपेसिटर
- इलेक्ट्रिक वाहनों और पोर्टेबल इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों में तेजी से बढ़ रही उपयोगिता

### आत्मनिर्भरता की दमदार पहचान

इस शोध से संबंधित रिपोर्ट प्रतिष्ठित जर्नल आई साइंस में प्रकाशित की गई है। शोध का नेतृत्व डीएसटी-इंस्पायर फेलो सूरज कुमार ने किया है। उनका मार्गदर्शन नागालैंड विश्वविद्यालय के प्रो. दीपक सिन्हा और विश्वेश्वरैया टेक्नोलॉजिकल यूनिवर्सिटी के प्रो. दिनेश रंगप्पा ने किया। शोध दल में प्रियाक्षी बोरा, कुनाल रॉय व डॉ. नव्या रानी भी शामिल थीं। यह खोज भारत के उस संकल्प को मजबूती देती है, जिसमें देश को स्वच्छ, आत्मनिर्भर व पर्यावरण-अनुकूल ऊर्जा समाधानों की ओर ले जाने की बात कही गई है।

## BRIEF NEWS

### अरविंदो सोसाइटी ने लगाया समर कैंप

**JAMSHEDPUR :** श्री अरविंदो सोसाइटी, जमशेदपुर केंद्र द्वारा रविवार को बिष्टुपुर स्थित तुलसी भवन में एक दिवसीय समर कैंप लगाया गया। इस कैंप का उद्देश्य बच्चों में भावनात्मक संतुलन, रचनात्मकता और मूल्यों का विकास करना था। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि डॉ. एसएन त्रिवेदी (अध्यक्ष, झारखंड राज्य समिति) के अलावा विशिष्ट अतिथि श्री के. प्रभाकर राव (उपाध्यक्ष, जमशेदपुर केंद्र एवं अध्यक्ष, नेशनल बैडमिंटन एसोसिएशन), समाजसेवी पूरबी घोष, युवा समन्वयक अदिति रॉय मुखर्जी, रचना टंडन, डॉ. मीनाक्षी मधुरिया व योगाचार्य प्रणब नाहा ने भी बच्चों का मार्गदर्शन किया।

### रोटरी फेमिना ने जीराडुंगरी गांव में मनाया मातृ दिवस

**JAMSHEDPUR :** रोटरी क्लब ऑफ जमशेदपुर फेमिना ने रविवार को पारडीह स्थित जीराडुंगरी गांव में महिलाओं के साथ मातृ दिवस मनाया। क्लब की अध्यक्ष सीमा कुमार ने कहा कि शहरों में लोग बड़े उत्साह के साथ मातृ दिवस मनाते हैं, लेकिन ग्रामीण क्षेत्रों में इसकी जानकारी का अभाव है। कार्यक्रम के दौरान पृथा दत्ता ने मातृ दिवस मनाने के कारण और इसके महत्व की जानकारी दी। महिलाओं ने विभिन्न प्रकार के खेलों में भाग लिया और रैंपवॉक भी किया। ज्ञात हो कि रोटरी फेमिना द्वारा इस गांव में वंचित बच्चों के लिए निःशुल्क पाठशाला चलाई जा रही है। इस अवसर पर क्लब की ओर से मोनीदीपा दंडपात व डॉ. रेणुका चौधरी भी उपस्थित थीं।

### पेंटिंग में बच्चों ने उकेरी माता की भूमिका

**JAMSHEDPUR :** कबीर मेमोरियल उर्दू उच्च विद्यालय, जाकिरनगर, मानगो में रविवार को मातृ दिवस मनाया गया। इस अवसर पर विद्यालय के छात्र-छात्राओं ने पेंटिंग प्रतियोगिता में भाग लेकर माताओं की भूमिका, त्याग और उनके मूल्यों को कलात्मक रूप में प्रस्तुत किया। कार्यक्रम के दूसरे चरण में विद्यार्थियों ने माताओं के महत्व पर अपने विचार व्यक्त किए। कार्यक्रम का संचालन शिक्षक पसारूल इस्लाम व शाइस्ता यासमीन ने संयुक्त रूप से किया।

### हरिनाम संकीर्तन सुनने दूर-दूर से आए श्रद्धालु

**GHATSILA :** धरमबहाल के श्री कृष्णापल्ली स्थित हरि मंदिर प्रांगण में सार्वजनिक अष्टम प्रहर अखंड युगलनाम संकीर्तन चल रहा है। शनिवार को शुरू हुए संकीर्तन का समापन मंगलवार को होगा। इस मौके पर महाप्रसाद का वितरण किया जाएगा। अष्टम प्रहर हरि संकीर्तन में विभिन्न जगहों से छह कीर्तन मंडली शामिल हैं। संकीर्तन सुनने के लिए दूर-दूर से श्रद्धालु आए हैं। हरि कीर्तन कमेटी की ओर से भक्तों के लिए बेहतर व्यवस्था की गई है। समिति के सदस्यों ने बताया कि रविवार को सुबह से नामजप का आयोजन किया गया, जो सोमवार तक चलेगा।

# सेवानिवृत्त अधिकारी कालिका राय का संदिग्ध हालत में मिला शव

## हत्या की आशंका, दोपहर तक घर से नहीं निकले तो पीछे के दरवाजे से घुसा परिचित, मचाया शोर

**PHOTON NEWS BOKARO :** बोकारो स्टील प्लांट के सेवानिवृत्त अधिकारी कालिका राय (85) का शव रविवार को उनके घर में संदिग्ध परिस्थिति में मिला। यह घटना को-ऑपरेटिव कॉलोनी स्थित मकान संख्या 192 ए की है, जहां वे अकेले रहते थे। स्थानीय लोगों के अनुसार, दोपहर करीब दो बजे तक जब कालिका राय घर से बाहर नहीं निकले, तो एक परिचित उन्हें देखने पहुंचा। दरवाजा बंद पाकर वह पीछे से घर में दाखिल हुआ, जहां उसने कालिका राय को बेड पर मृत अवस्था में पाया। इसके बाद उन्होंने शोर मचाया, तो आसपास के लोगों को घटना की जानकारी मिली। बेडरूम में पड़े मृतक के चेहरे पर खून के निशान थे, जिससे हत्या की आशंका जताई जा रही है। सूचना मिलते ही पड़ोसियों ने तत्काल बोकारो स्टील थाना को घटना की जानकारी दी। समाचार लिखे जाने तक पुलिस मौके पर नहीं पहुंची थी। शव मिलने की स्थिति और चेहरे पर लगे गहरे जख्म इस मामले को और भी रहस्यमय बना रहे हैं। कालिका राय के परिवार में तीन बेटे हैं। एक बोकारो स्टील में अधिकारी, दूसरा उद्यमी तथा तीसरा निजी कंपनी में कार्यरत है। घटना के समय घर पर कोई अन्य सदस्य मौजूद नहीं था। पुलिस सूत्रों का कहना है कि मामले की जांच के बाद ही स्पष्ट हो पाएगा कि यह हत्या है या कुछ और। फिलहाल मामले को लेकर इलाके में सनसनी फैल गई है और लोग प्रशासन की कार्रवाई का इंतजार कर रहे हैं। जानकारी मिलने पर पुलिस अधिकारी व परिवार के सदस्य भी पहुंचे। घर के पीछे का दरवाजा खुला हुआ था। आगे के दरवाजे को बंद कर दिया गया था। बालकनी में सुबह का अखबार ऐसे पड़ा हुआ है। इससे अंदाजा लगाया जा रहा है कि घटना अहले सुबह या रात की है।

घटनास्थल पहुंचे पुलिस पदाधिकारी व इनसेट में मृतक की फाइल फोटो

### एनएच-98 पर सड़क हादसे में एक व्यक्ति की हुई मौत

**PALAMU :** एनएच 98 फोरलेन पर शनिवार रात सड़क हादसे में एक व्यक्ति की मौत हो गई। जानकारी के अनुसार छतरपुर-मेदिनीनगर मार्ग पर सड़मा स्थित महेंद्रा एग्रो पेट्रोल पंप के सामने एक पिकअप ने सड़क पार कर रहे व्यक्ति को टक्कर मार दी। इससे मौके पर ही उसकी मौत हो गई। मृतक की पहचान चौखड़ा गांव के टोला तेनुडीह निवासी रामकेश यादव के रूप में हुई। पिकअप के टक्कर मारने के बाद स्थानीय लोग घायल रामकेश को अनुमंडलीय अस्पताल छतरपुर ले गए। चिकित्सकों ने जांच के बाद उन्हें मृत घोषित कर दिया। घटना से आक्रोशित परिजनों और ग्रामीणों ने फोरलेन सड़क पर जाम लगा दिया। करीब एक घंटे तक जाम की स्थिति रही। सब इंस्पेक्टर मिथिलेश यादव और सुरेंद्र राम ने मौके पर पहुंचकर लोगों को समझाया। उन्होंने हर संभव मदद और सरकारी मुआवजा दिलाने का आश्वासन दिया। इसके बाद जाम समाप्त हुआ।

### एग्रिको के ट्रांसपोर्ट मैदान में शुरू हुआ समर कैंप, 25 तक चलेगा

**JAMSHEDPUR :** जमशेदपुर हेल्थ अवेयरनेस एसोसिएशन, एग्रिको के 22वें समर कैंप का उद्घाटन रविवार को एग्रिको मैदान में जमशेदपुर पूर्वी की विधायक पूर्णिमा साहू ने किया। इस दौरान उनके साथ मंच पर वाई आनंद राव, संजीव दास, अभिषेक अग्रवाल समेत अन्य गणमान्य मौजूद रहे। यह समर कैंप 11 मई से 25 मई तक चलेगा, जिसमें बच्चों को क्रिकेट, फुटबॉल, बैडमिंटन, योगा, वॉलीबॉल, खो खो, तथा अन्य कई प्रकार के खेलों का प्रशिक्षण दिया जाएगा। इसके साथ ही माता-पिता को भी अलग-अलग खेलकूदों में शामिल किया जाएगा, ताकि इन 15 दिनों के समर कैंप में माता-पिता भी भाग ले सकें और मनोरंजन कर सकें। इस अवसर एग्रिको हेल्थ अवेयरनेस एसोसिएशन के अध्यक्ष जगन्नाथ बेहरा, महासचिव रमेश कुमार पांडेय, संरक्षक भूपेंद्र सिंह, रामबाबू तिवारी, जेपी सिंह, सुनील आहूजा, अरुण कुमार, अनिल पांडेय, निरंजन मांझी, रमेश अग्रवाल, संजय सिंह, प्रेमनाथ, चन्दर प्रसाद, बाला दुबे, चंद्रशेखर सिंह, सुशील श्रीवास्तव, प्रसेनजीत बनर्जी आदि भी उपस्थित थे।

# डॉक्टर व अस्पताल स्टाफ को फाउंडेशन ने किया सम्मानित

सम्मानित डॉक्टर व स्टाफ के साथ संस्था के सदस्य • फोटोन न्यूज

**CHAIBASA :** पश्चिमी सिंहभूम (चाईबासा) में रविवार को अंतरराष्ट्रीय मातृ दिवस के अवसर पर चेंजिंग इंडिया फाउंडेशन की ओर से मातृत्व सेवा को समर्पित एक कार्यक्रम का आयोजन सदर अस्पताल में किया गया। इस दौरान फाउंडेशन के सदस्यों ने डॉक्टरों, नर्सों और स्वास्थ्यकर्मियों को पुष्पगुच्छ और मिठाई भेंटकर उनके योगदान के प्रति आभार प्रकट किया। फाउंडेशन ने कहा कि मातृत्व केवल एक जैविक प्रक्रिया नहीं, बल्कि सेवा, स्नेह और समर्पण का प्रतीक है। अस्पतालों में कार्यरत डॉक्टर और नर्स न केवल चिकित्सा सेवा देती हैं, बल्कि मां जैसी ममता और संवेदना के साथ गर्भवती महिलाओं और नवजात शिशुओं की देखभाल करती हैं। उनका यह मानवीय पहलू उन्हें समाज में मातृशक्ति का प्रतिनिधि बनाता है। इस कार्यक्रम में दिलीप साव, प्रशांत दोदराजका, चंद्र मोहन तियू, राजेश खंडेलवाल, अंकित साव सहित अन्य सदस्य उपस्थित रहे। सभी ने मातृत्व की गरिमा को नमन करते हुए अस्पताल स्टाफ के कार्यों की सराहना की।

### संस्था, रक्तदाता, पत्रकार व वॉलंटियर भी किए गए सम्मानित

**JAMSHEDPUR :** बिष्टुपुर स्थित माइकल जॉन ऑडिटोरियम में रविवार को सामाजिक संस्था प्रतीक संघर्ष फाउंडेशन ने समारोह का आयोजन किया, जिसमें 300 से ज्यादा संस्था, रक्तदाता, पत्रकार व वॉलंटियर सम्मानित किए गए। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के तौर पर विधायक पूर्णिमा साहू, एसएसपी कौशल किशोर, रुचि नरेंदन, नलिनी राममूर्ति, दोलन डे, आस्तिक महतो, आरके मिशन से रंजीत महाराज, पीएसएफ के चेयरमैन पुलक कुमार सेनगुप्ता आदि ने पुरस्कार प्रदान किए। इसमें लाइफटाइम अचीवमेंट अवॉर्ड देवव्रत रॉय (मरणोपरांत) जमशेदपुर ब्लड सेंटर के वरीय चिकित्सक डॉ. लव बहादुर सिंह व समाजसेवी अमरप्रीत सिंह काले सिंह (सेवाव्रत सम्मान) प्रमुख थे।

# तेज रफ्तार कार पलटी, एक की मौत, तीन व्यक्ति हुए घायल

सदर अस्पताल में जुटी भीड़ व इनसेट में मृतक की फाइल फोटो

**PHOTON NEWS CHAIBASA :** चाईबासा-जमशेदपुर मुख्य मार्ग पर कुजू के पास रविवार को तेज रफ्तार कार पलट गई, जिससे उसमें सवार एक व्यक्ति की मौत हो गई, जबकि तीन घायल हैं। दुर्घटना आयता गांव के पास दोपहर करीब 4 बजे हुई। बताया जाता है कि रफ्तार अधिक होने के कारण अनियंत्रण होकर स्कॉर्पियो कार पलट गई। पहले चारों घायलों को चाईबासा सदर अस्पताल में भर्ती कराया गया। जहां प्राथमिक उपचार के बाद चाईबासा के गांधी टोला निवासी आशुतोष राय की मौत हो गई। जबकि, गंभीर रूप से घायल पंकज कुमार साव को चाईबासा में प्राथमिक उपचार करने के बाद बेहतर इलाज के लिए जमशेदपुर रेफर कर दिया गया है। प्रिंस कुमार का सदर अस्पताल में इलाज चल रहा है। इस दुर्घटना में शंकर कुमार को हल्की चोट लगी। उसे प्राथमिक उपचार के बाद घर भेज दिया गया।

जानकारी के अनुसार, चाईबासा के गांधी टोला निवासी पंकज कुमार साव, प्रिंस कुमार और शंकर कुमार किसी काम से चाईबासा से जमशेदपुर जा रहे थे। जब गाड़ी कुजू नदी के पास पहुंची तो अचानक गाड़ी चालक से अनियंत्रित हो गई। इसके बाद गाड़ी पलट गई। बताया जाता है कि आशुतोष अपने परिवार का इकलौता कमाने वाला सदस्य था। उनकी मृत्यु से न केवल परिवार, बल्कि पूरे मोहल्ले में शोक की लहर फैल गई है।

# सेवा भारती ने लगाया चिकित्सा शिविर, कई लोगों ने कराई जांच

शिविर में जांच कराने पहुंचे लोग • फोटोन न्यूज

**LOHARDAGA :** सेवा भारती ने रविवार को चुन्नीलाल उच्च विद्यालय मे स्वास्थ्य जांच और चिकित्सा शिविर का आयोजन किया। इस निशुल्क स्वास्थ्य शिविर में बडी संख्या में लोगों ने अपने स्वास्थ्य की जांच करवा कर लाभान्वित हुए। हीमोग्लोबिन,यूरिक एसिड,ब्लड ग्रुप, शुगर, बीपी,वजन,हार्ट बीट,ऑक्सीजन लेवल का निशुल्क जांच किया गया। जिला अध्यक्ष दीपक सर्राफ ने स्वस्थ संबंधित जानकारी देते हुए कहा कि हमारे भारत देश की सेना हमारी सुरक्षा के लिए रात-दिन डटे हुए हैं और पड़ोसी देश की सेना और वहां रह रहे आतंकवादियों को मुंहतोड़ जवाब दे रहे हैं, और कहा की जीव सेवा ही सबसे बड़ा हमारा धर्म है। उन्होंने कहा कि हमारी भारतीय सेना पर हमें गर्व है जोकि ऑपरेशन सिंदूर को अंजाम तक पहुंचने में हर वक्त लगे हुए हैं, उपाध्यक्ष अवधेश मित्तल, अनामिका भारती और सुबोध प्रसाद महतो ने कहा की प्रत्येक सप्ताह इस स्वास्थ्य शिविर में लोग अपना स्वास्थ चेकअप करवा कर अपने उक्त बीमारियों का यहां डॉक्टर से इलाज करवाते हुए उनकी सलाह से स्वस्थ हो रहे है । शिविर में बडी संख्या में लोग मौजूद थे।

### देवघर के बाबा बैद्यनाथ मंदिर में सेना के जवानों के लिए विशेष हवन

**DEOGHAR :** देवघर के विश्वप्रसिद्ध बैद्यनाथ धाम मंदिर में तीर्थ पुरोहित चंद्रशेखर खवाड़े के नेतृत्व में रविवार को भारतीय सेना के लिए हवन का आयोजन किया गया। हवन के दौरान वीर सपूतों की शहादत को नमन करते हुए उनकी आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना की गई। साथ ही सीमा पर तैनात जवानों के बेहतर स्वास्थ्य और सुरक्षा की कामना की गई। पंडा धर्म रक्षिणी सभा के वरिष्ठ सदस्य एवं उपाध्यक्ष चंद्रशेखर खवाड़े ने कहा कि बाबा धाम के सभी पुरोहित प्रतिदिन विश्व कल्याण और समाज में रह रहे लोगों की प्रगति की कामना करते हैं, लेकिन जिस तरह से बॉर्डर पर तनाव देखने को मिल रहा है और हमारी सेना लगातार दुश्मनों को जवाब दे रही है, ऐसे में उन वीर जवानों की सुरक्षा एवं बेहतर स्वास्थ्य की कामना भगवान भोलेनाथ से करना आवश्यक है। इसके लिए पंडा धर्म रक्षिणी सभा और पुरोहितों के के जरिये बैद्यनाथ मंदिर में विशेष हवन का आयोजन किया गया। इसमें बाबा बैद्यनाथ के मनोकामना लिंग पर जलार्पण किया गया। साथ ही माता पार्वती मंदिर में भी सेना की सुरक्षा के लिए विशेष प्रार्थना भी की गई।

# भोजपुरी-मगही व मैथिली में भी पढ़ी गईं कविताएं

**PHOTON NEWS JSR :** साहित्य समिति, तुलसी भवन द्वारा रविवार को संस्थान के प्रयाग कक्ष में मासिक 'लोकमंच' (बहुभाषी काव्य गोष्ठी) का आयोजन किया गया। इसमें शहर के कुल 28 कलमकारों ने अपनी-अपनी मातृभाषा भोजपुरी, मगही, मैथिली, पंजाबी, राजस्थानी, अंगिका, बज्जिका, उर्दू, हिंदी वगैरह में रचित काव्य रचनाएं प्रस्तुत की। काव्य पाठ करने वालों में शकुंतला शर्मा, मंजू कुमारी, नीलांबर चौधरी, बलविंदर सिंह, वसंत जमशेदपुरी, वीणा कुमारी नंदिनी, प्रतिभा प्रसाद कुमकुम, डॉ. उदय प्रताप हयात, डॉ. वीणा पाण्डेय 'भारती', डॉ. संजय पाठक 'सनेही', शीतल प्रसाद दुबे, विमल किशोर विमल, ब्रजेंद्रनाथ मिश्र, भंजदेव देवेंद्र कुमार व्यथित, सुनील सैलानी, हरभजन सिंह रहबर, वीणा कुमारी , डॉ. यमुना तिवारी 'व्यथित' व नीलिमा पांडेय प्रमुख रहीं। संस्थान के न्यासी अरुण कुमार तिवारी की अध्यक्षता में हुए कार्यक्रम का संचालन नीलिमा पांडेय, स्वागत वक्तव्य संस्थान के मानद महासचिव डॉ. प्रसेनजित तिवारी व धन्यवाद ज्ञापन संस्थान के उपाध्यक्ष रामनंदनदन प्रसाद ने किया। कार्यक्रम के अतिथि तुलसी भवन के न्यासी मुरलीधर केडिया व अध्यक्ष सुभाष चंद्र मुनका थे। इस अवसर पर तुलसी भवन के साहित्य समिति के सचिव डॉ. अजय कुमार ओझा, डॉ. अरुण कुमार शर्मा, विद्या शंकर विद्यार्थी, महेंद्र तिवारी व राकेश पांडेय भी उपस्थित थे ।

कार्यक्रम के अंत में तुलसी भवन द्वारा पिछले वर्ष 'गोस्वामी तुलसीदास सारस्वत सम्मान' से सम्मानित राष्ट्रीय स्तर के कवि डॉ. योगेंद्र शर्मा 'अरुण' (रुड़की) व हिंदी- भोजपुरी के सुप्रसिद्ध साहित्यकार डॉ. तैयब हुसैन पीड़ित (पटना) के असामयिक निधन पर शोक व्यक्त करते हुए दो मिनट की मौन प्रार्थना की गई।

बिष्टुपुर स्थित तुलसी भवन में उपस्थित साहित्यकार • फोटोन न्यूज

### सिंहभूम भोजपुरी परिषद कराएगा व्यंग्य सम्मेलन

**JAMSHEDPUR :** गोलमुरी स्थित भोजपुरी भवन में रविवार को सिंहभूम जिला भोजपुरी साहित्य परिषद की कार्यकारिणी समिति की बैठक हुई। अरविंद विद्रोही की अध्यक्षता में हुई बैठक में जिला सम्मेलन, कौशल किशोर सिंह स्मृति पुरस्कार, सदस्यता अभियान, 'व्यंग्य यात्रा 'पत्रिका सम्मेलन आदि के आयोजन पर विस्तार से चर्चा हुई। संस्था के अधिकारी मसूद खान ने कहा कि भोजपुरी भवन का विस्तारीकरण प्रगति पर है। डेढ़ महीने बाद हम सभी कार्यक्रम को बेहतर ढ़ग से कर पाएंगे। व्यंग्य सम्मेलन में देश के बड़े व्यंग्यकारों के भाग लेने की उम्मीद है। इसके अलावा एक सौ साहित्यकार शामिल होंगे। हरेंद्र प्रताप सिंह ने कार्यक्रम के खर्च व प्रबंधन से जुड़ी बातें साझा कीं। व्यंग्यकार अरविंद विद्रोही ने प्रेम जनमेजय के नेतृत्व में व्यंग्य सम्मेलन कराने को अपनी प्राथमिकता बताई। सर्वसम्मति से निर्णय लिया गया कि भोजपुरी भाषियों के बीच जाकर सदस्यता अभियान को गति दी जाए। इस अवसर पर समाजसेवी कवलेश्वर पांडे, सागर तिवारी, डॉ. उदय हयात आदि भी उपस्थित थे। धन्यवाद ज्ञापन संस्था के सचिव वरुण प्रभात ने किया।

गोलमुरी में बैठक करते भोजपुरी साहित्य परिषद के सदस्य • फोटोन न्यूज

### स्वास्थ्य विभाग और विश्व स्वास्थ्य संगठन ने दिया निर्देश, संपर्क में आने से बचें, विभिन्न जगहों पर लिए जा रहे हैं सैंपल

# धनबाद में बढ़ रहे चिकन पॉक्स के मामले, 200 से ज्यादा संक्रमित

- प्रतिवर्ष गर्मी के मौसम में बढ़ जाता है चेचक का प्रकोप

**PHOTON NEWS DHANBAD :** झारखंड की कोयला नगरी धनबाद में चिकन पॉक्स के मामले तेजी से बढ़ रहे हैं। बच्चों से लेकर बुजुर्ग तक लगातार इसकी चपेट में आ रहे हैं। इस वजह से पूरे शरीर पर दानेदार फोफले हो जा रहे हैं। सिर से लेकर पैर तक फोफले उभर रहे हैं।

सबसे ज्यादा परेशानी छोटे बच्चों को हो रही है। एक से लेकर 8 दिनों तक लगातार चिकन पॉक्स से लोग परेशान हो रहे हैं। बुखार के साथ बदन दर्द हो रहा है। शहीद निर्मल महतो मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल और सदर अस्पताल में काफी संख्या में हर दिन मरीज पहुंच रहे हैं। मेडिसिन विभाग, शिशु रोग विभाग और चर्म रोग विभाग में हर दिन मरीजों की संख्या बढ़ रही है। दूसरी और स्वास्थ्य महकमा के जिला महामारी रोग नियंत्रण विभाग की ओर से अब तक 50 मरीजों को चिह्नित किया गया है। विभागीय आंकड़ों की मानें तो यह संख्या 200 के ऊपर हो गई है। इस मामले पर विश्व स्वास्थ्य संगठन भी निगरानी रख रहा है।

### हर प्रखंड में मिल रहे हैं इस बीमारी के मरीज

जिले के हर प्रखंड में इन दोनों चिकन पॉक्स के मरीज मिल रहे हैं। पिछले दिनों स्वास्थ्य विभाग की टीम ने झरिया, टुंडी प्रखंड, बलियापुर प्रखंड, शहर के हीरापुर, धनसार, पुराना बाजार, मटकुरिया, भूली आदि इलाकों का दौरा किया, जहां तेजी से मामले बढ़ रहे हैं। लगभग 20 से ज्यादा सैंपलिंग करके स्वास्थ्य विभाग की टीम ने जांच के लिए इसे रिम्स रांची भेजा है।

### मौसम बदलने से तेजी से बीमार हो रहे लोग

कोयलांचल में लगातार मौसम बदल रहा है, कभी तीखी धूप तो कभी बारिश हो रही है। विश्व स्वास्थ्य संगठन के प्रतिनिधि डॉक्टर अमित कुमार तिवारी की मानें तो धनबाद में इस मौसम में सबसे ज्यादा चिकन पॉक्स के मामले मिलते हैं। पिछले वर्ष भी अप्रैल से जून तक चिकन पॉक्स के सबसे ज्यादा मामले मिले थे। उन्होंने बताया कि बुखार होने पर पेरासिटामोल दिया जा सकता है। लगभग 7 दिनों के बाद यह धीरे-धीरे ठीक हो जाता है। सरकारी स्तर पर इसके लिए अभी तक कोई वैक्सीन नहीं है। हालांकि निजी स्तर पर बाजार में वैक्सीन उपलब्ध है।

### इन बातों का रखें ध्यान

- साफ सफाई का पूरा ध्यान रखें
- धूप में ज्यादा देर तक न रहें, धूप से आकर तुरंत ठंडा पानी न पीएं
- संक्रमित होने पर व्यक्ति को आइसोलेट कर दें
- रोगी के पहने हुए कपड़े खाने अथवा किसी चीज से संपर्क ना करें
- यह काफी उच्च संक्रमित रोग है, इसलिए रोगी से सीधे संपर्क में आने से बचे

# सरना धर्म-संस्कृति के संरक्षण के लिए सरना धर्म कोड लागू हो : बंधन तिग्गा

**AGENCY KHUNTI :** मुरहू प्रखंड के डौगड़ा में 15वें स्थापना दिवस पर दो दिवसीय सरना धर्म प्रार्थना सभा रविवार को संपन्न हो गई। इस अवसर पर धर्मगुरु सोमा कंडीर, धर्मगुरु बगरय मुंडा और धर्मगुरु भैयाराम ओड़ेया की अगुवाई में अनुयायियों के साथ सरना स्थल में भगवान सिंडबोंगा का पूजा-पाठ कर सुख, शांति और खुशहाली की कामना की गई। समारोह में मुख्य अथिति धर्मगुरु बंधन तिग्गा और विशिष्ट अथिति ओडिशा के धर्मगुरु परमेश्वर सिंह मुंडारी शामिल हुए।

इस अवसर पर धर्मगुरु बंधन तिग्गा ने कहा कि सरना प्रकृति पर आधारित मानव सभ्यता का प्रचीनतम धर्म है। यह सभी धर्मों का आधार और संरक्षक है। सरना धर्म की अपने धार्मिक विधि-विधान, बहुमूल्य जीवन शैली, दर्शन तथा आदर्श है जिसमें लाखों लोगों की धार्मिक आस्था है, परंतु राजनीतिक महत्वकांक्षा के कारण सरकारें सरना धर्म कोड और आदिवासी अधिकारों के प्रति उदासीन है।

सरना धर्म कोड के अभाव में केवल सरना धार्मिक एवं सामाजिक एकता टूटी है बल्कि हम धर्मांतरण जैसी पीड़ा वर्षों से झेलने को मजबूर हैं। अतः हम सरकार से मांग करते हैं कि सरना समाज और संस्कृति के संरक्षण एवं संवर्धन के लिए सरना धर्म कोड यथाशीघ्र लागू करें। विशिष्ट अतिथि परमेश्वर सिंह मुंडारी ने कहा कि सिंगबोंगा की स्तुति से मानव जीवन में भक्ति और श्रद्धा बढ़ती है। हमें जीवन को खुशहाली लाने के लिए हमेशा धर्म के रास्ते पर चलना चाहिए। इस अवसर पर बुधराम सिंह मुंडा, कमले उरांव, सुभासिनी पूर्ति, गोपाल बोदरा सहित अन्य ने विचार व्यक्त् किये। समारोह में खूंटी, रांची, मुरहू, बंदगांव, चक्रधरपुर, ओड़िशा, अड़की, कोचांग, बिरबांकी तथा आस-पास के गांवों के सरना धर्मावलंबी शामिल हुए।

कार्यक्रम में उपस्थित प्रतिभागी • फोटोन न्यूज

# धनबाद में बढ़ रहे चिकन पॉक्स के मामले, 200 से ज्यादा संक्रमित

- प्रतिवर्ष गर्मी के मौसम में बढ़ जाता है चेचक का प्रकोप

**PHOTON NEWS DHANBAD :** झारखंड की कोयला नगरी धनबाद में चिकन पॉक्स के मामले तेजी से बढ़ रहे हैं। बच्चों से लेकर बुजुर्ग तक लगातार इसकी चपेट में आ रहे हैं। इस वजह से पूरे शरीर पर दानेदार फोफले हो जा रहे हैं। सिर से लेकर पैर तक फोफले उभर रहे हैं।

सबसे ज्यादा परेशानी छोटे बच्चों को हो रही है। एक से लेकर 8 दिनों तक लगातार चिकन पॉक्स से लोग परेशान हो रहे हैं। बुखार के साथ बदन दर्द हो रहा है। शहीद निर्मल महतो मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल और सदर अस्पताल में काफी संख्या में हर दिन मरीज पहुंच रहे हैं। मेडिसिन विभाग, शिशु रोग विभाग और चर्म रोग विभाग में हर दिन मरीजों की संख्या बढ़ रही है। दूसरी और स्वास्थ्य महकमा के जिला महामारी रोग नियंत्रण विभाग की ओर से अब तक 50 मरीजों को चिह्नित किया गया है। विभागीय आंकड़ों की मानें तो यह संख्या 200 के ऊपर हो गई है। इस मामले पर विश्व स्वास्थ्य संगठन भी निगरानी रख रहा है।



### हर प्रखंड में मिल रहे हैं इस बीमारी के मरीज

जिले के हर प्रखंड में इन दोनों चिकन पॉक्स के मरीज मिल रहे हैं। पिछले दिनों स्वास्थ्य विभाग की टीम ने झरिया, टुंडी प्रखंड, बलियापुर प्रखंड, शहर के हीरापुर, धनसार, पुराना बाजार, मटकुरिया, भूली आदि इलाकों का दौरा किया, जहां तेजी से मामले बढ़ रहे हैं। लगभग 20 से ज्यादा सैंपलिंग करके स्वास्थ्य विभाग की टीम ने जांच के लिए इसे रिम्स रांची भेजा है।

### मौसम बदलने से तेजी से बीमार हो रहे लोग

कोयलांचल में लगातार मौसम बदल रहा है, कभी तीखी धूप तो कभी बारिश हो रही है। विश्व स्वास्थ्य संगठन के प्रतिनिधि डॉक्टर अमित कुमार तिवारी की मानें तो धनबाद में इस मौसम में सबसे ज्यादा चिकन पॉक्स के मामले मिलते हैं। पिछले वर्ष भी अप्रैल से जून तक चिकन पॉक्स के सबसे ज्यादा मामले मिले थे। उन्होंने बताया कि बुखार होने पर पेरासिटामोल दिया जा सकता है। लगभग 7 दिनों के बाद यह धीरे-धीरे ठीक हो जाता है। सरकारी स्तर पर इसके लिए अभी तक कोई वैक्सीन नहीं है। हालांकि निजी स्तर पर बाजार में वैक्सीन उपलब्ध है।

### इन बातों का रखें ध्यान

- साफ सफाई का पूरा ध्यान रखें
- धूप में ज्यादा देर तक न रहें, धूप से आकर तुरंत ठंडा पानी न पीएं
- संक्रमित होने पर व्यक्ति को आइसोलेट कर दें
- रोगी के पहने हुए कपड़े खाने अथवा किसी चीज से संपर्क ना करें
- यह काफी उच्च संक्रमित रोग है, इसलिए रोगी से सीधे संपर्क में आने से बचे

BRIEF NEWS

## झारखंड में जल्द लागू हो पेसा कानून : संदीप उरांव

**RANCHI :** झारखंड में पेसा कानून लागू करने के लिए की मांग वनवासी कल्याण केंद्र लगातार कर रही है। वनवासी कल्याण केंद्र देश भर में 1952 से जनजाति समाज का विकास के लिए पूरे देश में काम कर रही है। पेसा कानून को लागू करने को लेकर रांची में प्रेस वार्ता की गई। जिसमें पांचवी अनुसूची के क्षेत्र जनजाति समाज की परंपरागत रूढ़ी व्यवस्था एवं संसाधनों पर अधिकार के लिए बने पेसा कानून को झारखंड में लागू करने के लिए चर्चा की गई। वनवासी कल्याण केंद्र के राज्य संयोजक संदीप उरांव ने कहा कि जनजातीय समाज को ध्यान में रख कर झारखंड अलग राज्य बना है। उन्होंने कहा कि 1996 में एक कानून बना है। जिसके तहत जनजाति सामाज के जल, जंगल और जमीन की रक्षा करने का अधिकार दिया है।

## दिवंगत अफजल अंसारी के परिजनों से मिले कांके विधायक

**RANCHI :** रविवार को कांके विधायक सुरेश बैठा ने बुढ़मू के दिवंगत अफजल अंसारी के परिजनों से मुलाकात की। परिजनों और क्षेत्र के लोगो को आश्वासत किया है की पूरे घटना की जानकारी ली गई है। निष्पक्ष जांच की जा रही है। विधायक ने कहा है कि यदि कोई दोषी है तो उसे सजा जरूर मिलेगी। उन्होंने क्षेत्रवासियो से शांति बनाए रखने की अपील की। विधायक ने परिजनों को हरसंभव मदत करने का आश्वासन दिया है। बता दें कि बुढ़मू निवासी 65 वर्षीय वृद्ध की मौत 8 मई को हो गई थी, जिसके बाद परिजनों ने संजय साहू नामक व्यक्ति पर हत्या का आरोप लगाते हुए बुढ़मू थाना मे आवेदन दिया है। इस दौरान ग्रामीणों ने बुढ़मू थाना का घेराव भी किया था।

## तिलता में एक ही नंबर की दो स्कूटी बरामद

**RANCHI :** रातू थाना क्षेत्र के तिलता गायत्री नगर में चोरी और फजीर्वाड़े से जुड़ा मामला शामिल है। पुलिस ने एक ही नंबर का दो स्कूटी बरामद किया है। इस मामले में पुलिस लगातार छापेमारी कर रही है, ताकि फर्जी नंबर प्लेट के खेल में शामिल अपराधियों को गिरफ्तार किया जा सके। जानकारी के मुताबिक पुलिस को मिली सूचना के आधार पर पुलिस की टीम ने शनिवार की रात देवनारायण गिरी के आवास पर छापेमारी की। जांच के दौरान उसके पुत्र बादल गिरी द्वारा छिपाकर रखी गई एक ही नंबर की दो होंडा स्कूटी (JH 01CA 4741) पुलिस ने बरामद किया है। पुलिस के पहुंचते की जानकारी मिलते ही बादल गिरी अंधेरे का फायदा उठाकर फरार हो गया। उसकी गिरफ्तारी के लिए पुलिस की टीम लगातार छापेमारी कर रही है।

### अस्पतालों में मरीजों के लिए चकाचक इंतजाम, व्यवस्था दुरुस्त करने का निर्देश

# संचालन व रख-रखाव के लिए झारखंड के चिकित्सा संस्थानों को मिले 140 करोड़

**PHOTON NEWS RANCHI :** झारखंड सरकार ने वित्तीय वर्ष 2025-26 के लिए राज्य के सभी स्वास्थ्य संस्थानों के भवनों के रख-रखाव, संचालन, प्रबंधन और मरम्मति के लिए मुख्यमंत्री अस्पताल संचालन एवं रख-रखाव योजना के अंतर्गत 1,40,00,00,000 रुपये की प्रशासनिक स्वीकृति दी है। इसके तहत स्वास्थ्य विभाग झारखंड के अधीन संचालित स्वास्थ्य उपकेंद्रों, आयुष्मान आरोग्य मंदिरों, प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों, सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रों, अनुमंडलीय अस्पतालों और जिला अस्पतालों के भवनों के वार्षिक और आवधिक रख-रखाव का कार्य किया जाएगा।

योजना के तहत फंड की व्यवस्था विभिन्न स्तर के चिकित्सा संस्थानों के लिए निर्धारित की गई है। सदर अस्पताल को प्रति वर्ष 75 लाख, अनुमंडलीय अस्पताल को 50 लाख, सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र,रेफरल अस्पताल को 10 लाख, प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र को 5 लाख तथा स्वास्थ्य उपकेंद्र, आयुष्मान आरोग्य केंद्र को 2 लाख की राशि दी जाएगी।

### 5 कैटेगरी में बांटे गए हैं राज्य के सभी सरकारी अस्पताल

सदर अस्पताल रांची

### राशि का होगा इस्तेमाल

इस फंड का उपयोग भवन की मरम्मत, रंग-रोगन, चाहरदीवारी की मरम्मत, विद्युत, पेयजल व्यवस्था, साफ-सफाई, बैठने की व्यवस्था, दवाओं, उपकरणों, सोलर लाइट, रेफ्रिजरेटर, शौचालय, अग्निशमन, पौधारोपण, बागवानी सहित अन्य आकस्मिक आवश्यकताओं के लिए किया जा सकेगा।

### अस्पतालों के रंग निर्धारित

चिकित्सा केंद्र भवनों के रंग-रोगन के लिए भी विशिष्ट रंग निर्धारित किए गए हैं। सदर अस्पताल सफेद, अनुमंडलीय अस्पताल हल्का पीला, सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र हल्का गुलाबी, प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र हल्का नीला और स्वास्थ्य उपकेंद्र व आयुष्मान आरोग्य मंदिर येलो मेटालिक रंग में रंगे जाएंगे।

### बुनियादी सुविधाओं की न हो कमी

साथ ही, भवनों में बिजली-पानी की निरंतर उपलब्धता, साफ-सफाई, अग्निशमन उपकरण, बागवानी और अनुपयोगी वस्तुओं के निष्पादन को लेकर भी निर्देश जारी किए गए हैं। संबंधित प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी को जल-विद्युत बिलों का समय पर भुगतान सुनिश्चित करना होगा। इसके अतिरिक्त, पर्यावरण संरक्षण की दिशा में सौर ऊर्जा और अन्य वैकल्पिक ऊर्जा स्रोतों के उपयोग को भी प्रोत्साहित किया जाएगा। राज्य सरकार का उद्देश्य है कि चिकित्सा केंद्रों की बुनियादी सुविधाएं सुदृढ़ हों और मरीजों को एक स्वच्छ, सुरक्षित और बेहतर स्वास्थ्य सेवा का वातावरण प्राप्त हो। यह निर्णय स्वास्थ्य सेवाओं की गुणवत्ता में सुधार लाएगा।

### 35 लाख छात्रों को अब तक नहीं मिलीं किताबें, शिक्षा विभाग पर उठे सवाल

# एक अप्रैल से ही शुरू हो चुका है नया सत्र पुस्तक वितरण की नहीं है कोई ठोस योजना

**PHOTON NEWS RANCHI :** झारखंड में नए शैक्षणिक सत्र की शुरूआत हुए 40 दिन से अधिक हो चुके हैं, लेकिन, प्रदेश के प्राथमिक और मध्य विद्यालयों में पढ़ने वाले करीब 35 लाख छात्रों को अब तक पाठ्य पुस्तकें नहीं मिल पाई हैं। एक अप्रैल से सत्र की शुरूआत हो चुकी है, बावजूद इसके न तो जिलों को किताबें भेजी गई हैं और न ही वितरण की कोई ठोस योजना सामने आई है। इस स्थिति को लेकर 'अखिल झारखंड प्राथमिक शिक्षक संघ' ने गहरी नाराजगी जताई है।

### पढ़ाई पर ही मिलना है शिक्षकों को वेतन

शिक्षा विभाग ने हाल ही में शिक्षकों के वेतन को पाठ्यक्रम से जोड़ दिया है। लेकिन जब छात्रों के पास किताबें ही नहीं हैं, तो समय पर पाठ्यक्रम कैसे पूरा होगा? यह स्थिति शिक्षा विभाग की कार्यप्रणाली पर गंभीर सवाल खड़े करती है। वहीं छात्रों के भविष्य को लेकर चिंता बढ़ा रही है।

**शिक्षा विभाग की चूक :** संघ के पदाधिकारी नसीम अहमद ने सवाल उठाया है कि हर साल पुस्तक वितरण की आवश्यकता पहले से तय होती है, फिर भी शिक्षा विभाग समय रहते तैयारियों में क्यों चूक जाता है? उन्होंने कहा कि यह लापरवाही विशेष रूप से गरीब छात्रों के साथ अन्याय है, जिनके पास पुराने पाठ्यसामग्री के सिवाय कोई विकल्प नहीं है। शिक्षा परियोजना परिषद के अनुसार, कक्षा 1 से 8 तक के छात्रों के लिए करीब 35 लाख किताबों की जरूरत है, लेकिन अब तक उनकी छपाई और आपूर्ति की प्रक्रिया पूरी नहीं हो पाई है। संघ का मानना है कि ग्रीष्मावकाश से पहले किताबें मिलना मुश्किल है, और अगर पूरा प्रयास भी किया जाए, तो भी 15 जून से पहले वितरण संभव नहीं होगा।

## मुक्ति संस्था ने 41 शवों का किया अंतिम संस्कार

**RANCHI :** मुक्ति संस्था ने रविवार को जुमार नदी के तट पर 41 अज्ञात शवों का पूरे विधि-विधान से अंतिम संस्कार किया। संस्था के सदस्यों ने रिम्स के शव गृह से अज्ञात शवों को निकाला, शवों को अच्छे से पैक कर जुमार नदी के तट लाया और संपूर्ण विधि-विधान के साथ उनका अंतिम संस्कार किया। संस्था के अध्यक्ष प्रवीण लोहिया ने अज्ञात शवों को मुखाग्नि दी, जबकि अंतिम अरदास परमजीत सिंह टिंकू ने किया। प्रवीण लोहिया ने इस अवसर पर बताया कि मुक्ति संस्था के जरिये अब तक कुल 1987 अज्ञात शवों का अंतिम संस्कार किया गया है।

## सिर्फ भ्रष्टाचार के दम पर चल रहा प्रशासन : बाबूलाल मरांडी

**PHOTON NEWS RANCHI :** भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष और नेता प्रतिपक्ष बाबूलाल मरांडी ने रविवार को राज्य की हेमंत सोरेन सरकार पर निशाना साधा है। सोशल माडिया एक्स के माध्यम से उन्होंने कहा निर्लज्जता की भी एक हद होती है, पर हेमंत सोरेन सरकार ने तो उसे भी पार कर दिया है। झारखंड देश का पहला ऐसा राज्य बन गया है जहां बीते दस दिनों से डीजीपी का पद खाली है और जो डीजीपी जैसे काम कर भी रहा है, वो बिना वेतन के सेवा दे रहा है। वाह मुख्यमंत्री जी, ये तो नया भारत निर्माण है बिना वेतन, बिना संवैधानिक वैधता, सिर्फ भ्रष्टाचार के दम पर प्रशासन। उन्होंने कहा अब क्यों न एक नई नीति ही बना दी जाए? धनबाद, हजारीबाग, रामगढ़, बोकारो जैसे कोयला वाले कमाऊ इलाके समेत और बाकी के खनिज इलाकों में भी बिना वेतन, केवल कमीशन आधारित सेवा के लिए रिटायर्ड और अनुभवी लोगों से आवेदन मंगवाइए। जो काम डीजीपी साहब कर रहे हैं, वही मॉडल लागू कीजिए, जहां वेतन की जगह वसूली हो और संविधान की जगह किचन कैबिनेट के आदेश मान्य हों। दरअसल, ऐसा प्रतीत होता है कि राज्य सरकार ने न केवल संविधान के अनुच्छेद 312 को नकारा है, जो यूपीएससी को अधिकार देता है, बल्कि सुप्रीम कोर्ट के प्रकाश सिंह केस के निदेर्शों को भी रद्दी की टोकरी में डाल दिया है।

हेमंत सोरेन जी अब शायद खुद को सर्वोच्च न्यायालय से भी ऊपर मान बैठे हैं और प्रशासन को नीचे, बहुत नीचे गिरा दिया है। आज झारखंड वहां पहुंच चुका है जहां जेपीएससी की हर कुर्सी बोली पर बिक रही है और यूपीएससी से चयनित अधिकारियों को भी रेट लिस्ट से होकर गुजरना पड़ता है। हेमंत जी, आपने तो एक क्रांतिकारी प्रयोग कर डाला योग्यता नहीं, सुविधा शुल्क आधारित प्रशासन जो परंपरा आपने शुरू की है, वो न सिर्फ सरकारी व्यवस्था की विश्वसनीयता का अंतिम संस्कार कर रही है, बल्कि आने वाले वर्षों में झारखंड के प्रशासनिक ढांचे के ताबूत में आखिरी कील साबित होगी।

## झूठ फैलाना बंद करें भाजपा प्रदेश अध्यक्ष बाबूलाल मरांडी : विनोद पांडेय

**RANCHI :** झारखंड मुक्ति मोर्चा के महासचिव-सह-प्रवक्ता विनोद पांडेय ने भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष बाबूलाल मरांडी पर तीखा पलटवार करते हुए कहा है कि वे अब अपनी राजनीतिक प्रासंगिकता बनाए रखने के लिए बेबुनियाद आरोपों का सहारा ले रहे हैं। डीजीपी नियुक्ति प्रक्रिया पर हेमंत सोरेन सरकार पर सवाल उठाने को लेकर झामुमो प्रवक्ता ने मरांडी पर निशाना साधते हुए कहा कि वे पहले अपनी पार्टी में झांककर देखें। उन्होंने आरोप लगाया कि मरांडी के शासनकाल में फैले भ्रष्टाचार और नौकरशाही की गड़बड़ियों ने ही झारखंड की प्रशासनिक व्यवस्था को चरमराया था। विनोद पांडेय ने कहा कि मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन के नेतृत्व में राज्य में हर वर्ग का समावेशी विकास हुआ है और जनता के चेहरे पर मुस्कान आई है। उन्होंने बाबूलाल के बयानों को हास्यास्पद बताते हुए कहा कि अगर उनके पास कोई ठोस प्रमाण है तो सार्वजनिक करें, वरना झूठ फैलाना बंद करें।

## अंजुमन जाफरिया रांची के अध्यक्ष बने नेहाल हुसैन और सचिव अशरफ

**PHOTON NEWS RANCHI :** रविवार को अंजुमन जाफरिया रांची का चुनाव शांतिपूर्ण माहौल में भाईचारा के साथ समन्न हुआ। अध्यक्ष पद के दो उम्मीदवार थे नेहाल हुसैन और हसनैन जैदी। 20 वोट से हराकर सैयद नेहाल हुसैन अध्यक्ष बने। उपाध्यक्ष जावेद हैदर, सचिव अशरफ हुसैन रिजवी, उप सचिव के दो उम्मीदवार थे। हबीब अहमद और सैयद फराज अब्बास। उप सचिव हबीब अहमद बने। कोषाध्यक्ष अली अहमद फातमी बने। इधर, मतगणना को लेकर सुबह से ही लोगों में खासा उत्साह था। लोग अपनी-अपनी टीम को जिताने में लगे हुए थे। जैसे-जैसे चुनाव परिणाम घोषित होने लगे, जीत रहे

लोगों और उनके समर्थकों की खुशी देखते ही बन रही थी। चुनाव में जीत हासिल करनेवाले प्रत्याशियों को बधाई देनेवालों का तांता लग गया। विजयी प्रत्याशियों को फूल-मालाओं से सम्मानित किया। अध्यक्ष चुने गए नेहाल हुसैन सरियावी ने सभी मतदाताओं और अपने चाहनेवालों के प्रति आभार प्रकट किया।

नेहाल ने कहा कि हमलोगों सभी के प्रेम से इस चुनाव में जीत हासिल की है।

## अमरनाथ यात्रा के लिए रजिस्ट्रेशन कराने वालों की संख्या हुई नगण्य

**RANCHI :** 22 अप्रैल की पहलगाम आतंकी घटना के बाद से ही झारखंड से अमरनाथ यात्रा जाने के लिए श्रद्धालुओं की संख्या में कमी आनी शुरू हो गई थी। वहीं, भारत-पाक के बीच 06 मई से जारी तनाव और युद्ध जैसी स्थिति के चलते यह संख्या ना के बराबर हो गयी है। दरअसल, अमरनाथ यात्रा के आवेदन के लिए मेडिकल फिटनेस सर्टिफिकेट की जरूरत पड़ती है। इसके लिए रिम्स में फिटनेस सर्टिफिकेट बनाने का काम चल रहा है। लेकिन 07 मई से एक भी व्यक्ति मेडिकल फिटनेस सर्टिफिकेट बनाने के लिए नहीं पहुंचा है। 06 मई को भी सिर्फ दो श्रद्धालु अमरनाथ यात्रा के लिए जरूरी मेडिकल जांच कराने रिम्स पहुंचे थे।

# आतंकी संगठनों के समर्थन में सोशल मीडिया पर पोस्ट करने वाला धराया

**PHOTON NEWS RANCHI :** आंतकी संगठन आईएसआईएस, अलकायदा और तालिबान के समर्थन में सोशल मीडिया 'इंस्टाग्राम' पर पोस्ट करने वाले एक नाबालिग को रांची की पुदांग ओपी पुलिस ने रविवार को गिरफ़्तार किया है। युवक को पुलिस ने पूछताछ के बाद बाल सुधार गृह भेज दिया है।

डीआईजी सह एसएसपी चंदन कुमार सिन्हा को मामले की जानकारी मिलते ही पुदांग ओपी क्षेत्र में छापेमारी कर स्क्रीन शॉट, वीडियो और मोबाईल फोन बरामद किया गया है। साथ ही नाबालिग को निरुद्ध किया गया। इस संबंध

में ओपी प्रभारी के बयान पर मामला दर्ज किया गया है। इस तरह के पोस्ट से क्षेत्र का सांप्रदायिक सौहार्द बिगाड़ने सहित अन्य आरोप में उसे निरुद्ध किया गया है।

**विधायक ने कार्रवाई करने पर रांची पुलिस को दिया धन्यवाद**

रांची के भारतीय जनता पार्टी विधायक सीपी सिंह ने इस कार्रवाई के लिए पुलिस को धन्यवाद किया है। उन्होंने कहा कि रांची पुलिस ने इस मामले में त्वरित और ठोस कानूनी कार्रवाई कर एक मजबूत संदेश दिया है। दरअसल, सीपी सिंह ने ही अपने एक्स हैंडल पर लिखा था कि रांची निवासी एक युवक ने सोशल मीडिया पर जो तस्वीरें साझा की हैं, वे बेहद भड़काऊ एवं राष्ट्रीय सुरक्षा व भारत की संप्रभुता से जुड़ा है। यह न केवल खुला राष्ट्रद्रोह है, बल्कि एक आतंकवादी मानसिकता का स्पष्ट संकेत भी है। यह मामला केवल एक युवक का नहीं, बल्कि उस जहरीली विचारधारा को दर्शाता है जो कुछ युवाओं के मन में भरी जा रही है।

## प्रतियोगिताओं में बच्चों ने दिखाई प्रतिभा

**RANCHI :** पिक्सेल लर्न एजुकेशन फाउंडेशन पिक्सेल अंतर-विद्यालय प्रतियोगिता 2024-25 का ग्रैंड फिनाले सह पुरस्कार समारोह शहर के प्रमुख विद्यालयों के सहयोग से पलाश मीटिंग हॉल डोरंडा में हुआ। इसमें बच्चों ने अपनी प्रतिभा दिखाई। यह कार्यक्रम हस्तलेखन, वर्तनी और सामान्य ज्ञान जैसी श्रेणियों में अकादमिक उत्कृष्टता और रचनात्मक प्रतिभा का जश्न मनाता है, और कक्षा 1 से 10 तक के सबसे प्रतिभाशाली युवा दिमागों को एक साथ लाना मकसद है।

### लाभुकों तक समयबद्ध व सुचारू रूप से खाद्यान्न वितरण सुनिश्चित करने पर दिया गया जोर

# समय पर खाद्यान्न वितरण को लेकर आपूर्ति अधिकारियों की हुई मीटिंग

**PHOTON NEWS RANCHI :** रविवार को राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा अधिनियम के अंतर्गत लाभुकों तक समयबद्ध एवं सुचारू रूप से खाद्यान्न वितरण सुनिश्चित करने के लिए समाहरणालय में एक उच्चस्तरीय समीक्षा बैठक हुई। इस बैठक की अध्यक्षता विशिष्ट अनुभाजन पदाधिकारी मोनी कुमारी और जिला आपूर्ति पदाधिकारी प्रदीप भगत ने की। रांची जिला के सभी प्रखंड आपूर्ति पदाधिकारी, पणन पदाधिकारी, सहायक गोदाम प्रबंधक, जिला परिवहन-सह-हथालन अभिकर्ता जेएसएफजी, परिवहन एजेंसियों के प्रतिनिधि एवं लेबर सरदार शामिल हुए। बैठक का उद्देश्य मई, जून और जुलाई 2025 के लिए आवंटित खाद्यान्न

समीक्षा बैठक में विशिष्ट अनुभाजन पदाधिकारी मोनी कुमारी, रांची डीएसओ प्रदीप भगत व अन्य • फोटोन न्यूज

का भंडारण, परिवहन और वितरण को लेकर रणनीति तैयार करना और उसे कारगर रूप से क्रियान्वित करना था।

**शत-प्रतिशत वितरण करने का निर्देश :** बैठक में निर्देश दिया गया कि मई माह का खाद्यान्न लाभुकों को शत-प्रतिशत वितरित किया जाए। इसके अतिरिक्त, विशेष परिस्थितियों के दृष्टिगत जून और जुलाई माह का खाद्यान्न भी अग्रिम रूप से एक साथ भंडारण कर वितरण हेतु भेजा जाएगा। इसके लिए भारतीय खाद्य निगम के डीपो से युद्धस्तर पर खाद्यान्न उठाव कर अधिकतम संख्या में वाहनों के माध्यम से जन वितरण प्रणाली की दुकानों तक शीघ्र पहुंचाने के निर्देश दिए गए।

**वितरण में पारदर्शिता जरूरी**

बैठक में यह भी स्पष्ट किया गया कि जिन दुकानदारों को खाद्यान्न प्राप्त हो चुका है, वे इसे पूरी पारदर्शिता के साथ लाभुकों तक पहुंचाना सुनिश्चित करें। किसी भी स्तर पर अनियमितता पाई जाने पर संबंधित व्यक्ति या संस्था के विरुद्ध नियमानुसार कठोर कार्रवाई की जाएगी। अधिकारियों ने यह भी कहा कि सरकार की प्राथमिकता है कि कोई भी पात्र लाभुक खाद्यान्न से वंचित न हो और वितरण प्रणाली में पारदर्शिता एवं उत्तरदायित्व बना रहे।

## रांची में समर्पण चैरिटेबल ट्रस्ट ने चलाया पक्षी बचाओ अभियान

**RANCHI :** समर्पण चैरिटेबल ट्रस्ट की ओर से भीषण गर्मी को देखते हुए मोराबादी कुसुम विहार रोड नम्बर चार में पक्षियों की सुरक्षा के लिए 'पक्षी बचाओ अभियान' कार्यक्रम का आयोजन किया गया। रविवार को हुए कार्यक्रम में छोटे-छोटे बच्चे और उनके अभिभावकों से भीषण गर्मी में पक्षियों सहित अन्य बेजुबान प्राणियों को दाना-पानी देने की अपील की गई। मौके पर बच्चों एवं उनके अभिभावकों के बीच पक्षियों को गर्मी से राहत दिलाने के लिए सिकोरे बांटे गए। साथ ही साथ यह संकल्प दिलाया गया कि सभी अपने अपने घरों में सिकोरे रख कर पक्षियों को दाना-पानी देकर उनकी रक्षा करने में अपना योगदान देंगे।

## थैलेसीमिया पीड़ित बच्चों ने रेगुलर ब्लड डोनेशन करने वालों को कहा 'थैंक यू अंकल'

**PHOTON NEWS RANCHI :** मदर्स डे एवं थैलेसीमिया दिवस के अवसर पर लहू बोलेगा संस्था की ओर से रविवार को सत्य भारती सभागार डॉ. कामिल बुल्के पथ में थैंक यू अंकल कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस आयोजन में थैलेसीमिया व सिकल सेल एनीमिया से ग्रसित बच्चों ने 15 बार से अधिक रक्तदान कर चुके रक्तदाताओं का सम्मान किया। सम्मानित किए जाने वालों में कई पत्रकार व सामाजिक कार्यकर्ता साजिद उमर और हर्षवर्धन शामिल थे। कार्यक्रम में रामगढ़, राहे, रांची समेत कई जिलों से बच्चे और उनके परिजन शामिल हुए। बच्चों और परिजनों ने रक्त की अनुपलब्धता, सरकारी ब्लड बैंकों में असुविधा के साथ अमानवीय व्यवहार जैसे गंभीर

मुद्दों को साझा किया। लहू बोलेगा के नदीम खान ने झारखंड सरकार से पीड़ितों की संख्या को देखते हुए प्रत्येक जिले में समुचित चिकित्सा सुविधा और डे-केयर सेंटर खोलने की मांग की। उन्होंने बताया कि राज्य में 1240 से अधिक पंजीकृत थैलेसीमिया पीड़ित बच्चे हैं, लेकिन केवल एक ही डॉक्टर उपलब्ध है। मुख्य अतिथि झारखंड राज्य अल्पसंख्यक आयोग के उपाध्यक्ष शमशेर आलम ने संगठन की सराहना की और सहयोग का आश्वासन दिया।

## शहरनामा

वीरेंद्र ओझा

### लौट के बुद्धू घर को आए

यह मुहावरा आमतौर पर उन्हीं महानुभावों के लिए कहा जाता है, जो नासमझी या अतिउत्साह में गलत जगह पर छिटक कर चले जाते हैं। वास्तव में वह जगह उनके लिए बनी ही नहीं होती है, ऐसे में कुछ दिनों बाद जब पानी सिर से ऊपर बहने लगता है, घर-वापसी कर लेते हैं। ऐसे ही यह मुहावरा या लोकोक्ति एक माननीय रह चुके स्मार्ट नेताजी के साथ भी चरितार्थ हुआ है। उन्हें लगा था कि हर्रे-बहेड़ा में क्या रखा है, सीधे च्यवनप्राश ही क्यों न खाया जाए। उनके ख्वाब को धुरंधरों ने थोड़ी हवा दे दी और बेचारे छलांग लगाने आ गए। काफी दिनों तक पैंतरेबाजी सीखी, उठक-बैठक भी लगाई, लेकिन जब महापर्व का मौका आया तो उन्हें पता ही नहीं चला और जिस चादर पर बैठे थे, उसे पुराने वाले ने खींच ली। कुछ दिन तो सदमे में बिताए, फिर घर वापसी कर ली।

### उम्र का तकाजा है

यह बात अमूमन सेहत को लेकर कही जाती है, लेकिन यहां मामला थोड़ा अलग है। हाल ही में एक सरकारी भ्रष्टाचार या फजीर्वाड़ा का मामला सामने आया। जैसा कि कहा जाता है-

माल है तो ताल है, सो यहां भी इसी फामूर्ले में गोटी बिठाकर कुछ लोगों ने अपने बेटे-बेटियों की जन्मतिथि में हेरफेर करा लिया था। मजे की बात है कि जहां इन बच्चों का जन्मस्थान दिखाया गया, वहां उनके माता-पिता शायद ही हनीमून के लिए भी गए हों। जा भी नहीं सकते। खैर, इससे उन्हें क्या फर्क पड़ता है, बच्चों का जन्म तो बांस के जंगलों में हो गया। मनचाही तिथि पर डिलीवरी भी करा दी गई, लेकिन जब ये एडमिशन के लिए आए, तो हर कोई हैरान रह गया। बच्चे का जन्मस्थान देखकर हर कोई चौंक गया। मामला हाईकमान की नजर में गया, तो उन्होंने कच्चा चिट्ठा निकलवाया, आधा दर्जन लोग लालकोठी भेजे गए।

### अस्पताल या रैनबसेरा

हाल ही में भ्रष्टाचार की एक इमारत भरभरा कर गिर गई थी। जिसने भी सुना, वह गिरते-पड़ते पहुंचा। अपने माननीयों ने भी देरी नहीं की, हर कोई भ्रष्टाचार के दोषी को कठोर से कठोर दंड देने की मांग करने लगा। सीएम तक के कान खड़े हो गए। शुरू में सबको लगा कि चार-चार मरीज बिना डॉक्टर के हाथ लगाए कैसे काल-कवलित हो गए। जब परत दर परत खुलने लगी तो पता चला कि जो स्वर्गवासी हुए हैं, वे यहां बरसों से रैनबसेरा समझ कर रह रहे थे। खैर, इसमें उनका कोई दोष नहीं है। यह तो अस्पताल प्रबंधन का काम था कि उन्हें उपयुक्त रैनबसेरा में शिफ्ट करा दिया जाता। उसके बाद इमारत गिर भी जाती, तो कोई उनकी गर्दन नहीं पकड़ता। बेचारे खामख्वाह प्रबंधन में बैठे लोगों को जनता का कोपभाजन बनना पड़ा। हादसा से ही उन्हें पता चला कि यह अस्पताल नहीं रैनबसेरा भी है।

### महामानवों की करें अनुभूति

अपनी लौहनगरी में महामानवों की जयंती व पुण्यतिथि मनाने का चलन अन्य शहरों से कुछ ज्यादा ही है। कई संस्था के लोग तो कैलेंडर बनाकर रखते हैं और दो-तीन दिन पहले से छपवाते रहते हैं कि अमुक दिन को अमुक महामानव याद किए जाएंगे। फिर बारी आती है कि हमने मना लिया। उस दिन की जो तस्वीर आती है, उसमें आप महामानव को ढूंढते रह जाएंगे। महामानव की प्रतिमा या मूर्ति बड़ी हुई, तो उसे इस तरह फूलों से ढंक दिया जाता है कि वे दिखेंगे ही नहीं। यदि कहीं फोटो रखी गई होगी, तो उस फोटो को भी फूलों से इस तरह आच्छादित कर दिया जाएगा या इतनी दूर रख दिया जाएगा कि वे दिखेंगे ही नहीं। दिखेंगे वही, जिन्हें अखबार या टीवी पर दिखने का शौक है। ऐसे में पाठक या दर्शक जयंती-पुण्यतिथि मनाने वालों को देखकर ही महामानव की अनुभूति कर लेता है।

# डंपर ने बाइक को मारी टक्कर सोनारी के दो लोगों की मौत

## हाथी-घोड़ा मंदिर के पास हुआ हादसा, मित्रों से मिलकर लौट रहे थे दोनों दोस्त

एमजीएम अस्पताल पहुंचे पुलिस के पदाधिकारी व जवान ● फोटोन न्यूज

**PHOTON NEWS JSR :** साकची थाना क्षेत्र के हाथी-घोड़ा मंदिर के पास रविवार को शाम 5 बजे एक तेज रफ्तार डंपर ने बाइक सवार दो लोगों को टक्कर मार दी। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि दोनों व्यक्तियों की मौके पर ही मौत हो गई। घटना के बाद स्थानीय लोगों ने दोनों को गंभीर हालत में एमजीएम अस्पताल पहुंचाया, जहां डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। मृतकों की पहचान सोनारी के ग्वाला बस्ती निवासी दो दोस्त सूबेदार प्रसाद (50) और रोहित (40) के रूप में हुई है। बताया जा रहा है कि दोनों साकची में अपने अन्य मित्रों से मिलने आए थे और घर लौट रहे थे, तभी यह हादसा हुआ। घटना की जानकारी मिलने के बाद पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस मामले की जांच में जुट गई है। पुलिस ने शवों को एमजीएम अस्पताल के शीत गृह में रख दिया है और मामले की जांच शुरू कर दी है।

स्थानीय लोगों का कहना है कि इस क्षेत्र में भारी वाहनों की तेज गति और ट्रैफिक नियमों की अनदेखी के कारण आए दिन दुर्घटनाएं होती रहती हैं। लोगों ने प्रशासन से मांग की है कि हाथी-घोड़ा मंदिर के आसपास स्पीडब्रेकर लगाया जाए और ट्रैफिक निगरानी को सख्त किया जाए, ताकि ऐसी घटनाओं की पुनरावृत्ति न हो।

## समाचार सार

### शिक्षा मंत्री ने छात्रों में बांटे प्रमाणपत्र

**GHATSILA :** जेएन पैलेस सभागार में रविवार को आयोजित प्रमाणपत्र वितरण समारोह में शिक्षा मंत्री रामदास सोरेन ने कंप्यूटर शिक्षा में प्रशिक्षित

छात्रों में प्रमाणपत्र बांटे। इस मौके पर झामुमो के प्रदेश प्रवक्ता कुणाल षाड़ंगी भी उपस्थित थे। मंत्री ने कहा कि वर्तमान समय में कंप्यूटर की हर क्षेत्र में जरूरत है। यह जीवनशैली में शामिल हो गया है। इस अवसर पर विधायक प्रतिनिधि जगदीश भकत, समाजसेवी आनंद अग्रवाल, काजल डॉन, दुर्गाचरण मुर्मू. पंचायत प्रतिनिधि, अभिभावक, समाजसेवी एवं छात्र भी उपस्थित थे।

### सुपर डिविजन में पहुंचा संत जेवियर्स स्कूल

**CHAIBASA :** पश्चिमी सिंहभूम जिला क्रिकेट संघ के तत्वावधान में चल

रही 14वीं ज्ञानचंद जैन अंतर स्कूल क्रिकेट प्रतियोगिता में रविवार को खेले गए ग्रुप-ए के अंतिम लीग मैच में संत जेवियर्स इंगलिश स्कूल, चाईबासा ने पद्मावती जैन सरस्वती शिशु विद्या मंदिर, चाईबासा को तीन विकेट से पराजित कर सुपर डिविजन में अपना स्थान भी पक्का कर लिया। संत जेवियर्स स्कूल की ये लगातार तीसरी जीत है। चाईबासा के बिरसा मुंडा क्रिकेट स्टेडियम में खेले गए मैच में टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करते हुए सरस्वती शिशु विद्या मंदिर की पूरी टीम 17.4 ओवर में 70 रन बनाकर आउट हो गई। वहीं, जीत के लिए निर्धारित लक्ष्य का पीछा करने उतरी संत जेवियर्स इंगलिश स्कूल ने 11.4 ओवर में 74 रन बनाकर मैच अपने नाम कर लिया।

### पत्रकार मुकेश कुमार मुकुल को मातृशोक

**CHAKRADHARPUR :** पश्चिमी सिंहभूम जिला अंतर्गत चक्रधरपुर के

वरिष्ठ पत्रकार मुकेश कुमार मुकुल की माता 75 वर्षीय इंदिरा देवी का रविवार को निधन हो गया। वह कुछ माह से बीमार थीं। बिहार के मुजफ्फरपुर जिले के खरौनाडीह गांव स्थित पैतृक गांव में इंदिरा देवी ने अंतिम सांसें लीं। रविवार को ही पैतृक गांव में अंतिम संस्कार किया गया। वह अपने पीछे भरा-पूरा परिवार छोड़ गई हैं।

### पत्रकार पंकज सिंह की माता का निधन

**GHATSILA :** घाटशिला के पत्रकार पंकज सिंह की 84 वर्षीय माता रुक्मिणी सिंह का रविवार की सुबह टीएमएच में इलाज के दौरान निधन हो गया। वे कई माह से बीमार थीं। वह अपने पीछे तीन पुत्र, तीन पुत्री, पुत्रवधू, दामाद व नाती-पोतों से भरा परिवार छोड़ गई हैं।

### शीतला मंडप की वार्षिक पूजा में उमड़े श्रद्धालु

**CHAIBASA :** पश्चिमी सिंहभूम जिले के पासुबेड़ा गांव में रविवार को

निषाद समाज ने 136वां वार्षिक देवी पूजा की। इस अवसर पर मां शीतला एवं ग्राम देव बाबा की पूजा की गई। यहां का मां शीतला का मंडप काफी चर्चित और प्राचीन है, जो जागृत होने के साथ यहां के लोगों को आस्था से जोड़ती है। दूरदराज से भी लोग यहां पूजा करने आते हैं। यह पूजा तीन दिन तक होती है, जिसमें भीख मंगाई व माता का जागरण भी होता है। मान्यता है कि इस पूजा से कई तरह की बीमारियों से निजात मिलती है। गर्मी की तपिश थोड़ी कम होती है। इस अवसर पर श्रद्धालुओं में शरबत, चॉकलेट, ठंडा पानी, प्रसाद आदि का वितरण किया गया। चंदू निषाद द्वारा खिचड़ी भोग व शरबत बांटे गए। पूजा को सफल बनाने में श्याम लाल निषाद, बांकु निषाद, विश्वनाथ निषाद, महेंद्र निषाद, वासुदेव निषाद, पुजारी अनिल निषाद, राहुल निषाद सहित कई श्रद्धालु सक्रिय रहे।

### सिविल डिफेंस ने साकची में किया मॉकड्रिल

**JAMSHEDPUR :** उपायुक्त सह नियंत्रक सिविल डिफेंस अनन्य मित्तल

के निर्देशानुसार सिविल डिफेंस, जमशेदपुर की टीम ने रविवार को झंडा चौक, साकची मार्केट में मॉक ड्रिल किया। इस अभ्यास का उद्देश्य आम जनमानस, विशेष रूप से दुकानदारों, फुटपाथ विक्रेताओं और खरीदारों को वायु आक्रमण, अग्निशमन तथा सीपीआर (कार्डियो पल्मोनरी रेसिस्टेशन) से संबंधित प्राथमिक प्रशिक्षण देना था। इस मॉक ड्रिल के दौरान सिविल डिफेंस की टीम ने आपातकालीन परिस्थितियों में आवश्यक सतर्कता, त्वरित प्रतिक्रिया और राहत उपायों को कैसे अपनाया जाए, इसकी विस्तृत जानकारी दी। प्रशिक्षण में भाग लेने वालों को जीवन रक्षक तकनीकों, विशेष रूप से सीपीआर की व्यवहारिक जानकारी भी दी गई।

# जर्जर क्वार्टर का छज्जा गिरने से मजदूर की मौत

## टाटा स्टील के पुराने क्वार्टर से ईंट निकालने के दौरान हुआ हादसा

घटना के बाद बिलखते परिजन ● फोटोन न्यूज

**PHOTON NEWS JSR :** बर्मामाइंस थाना क्षेत्र के सिदो-कान्हू बस्ती के समीप रविवार को टाटा स्टील के एक पुराने और जर्जर क्वार्टर से ईंट निकालने के दौरान छज्जा गिर गया, जिससे एक मजदूर की मौत हो गई, जबकि उसकी पत्नी गंभीर रूप से घायल हो गई।

मृतक की पहचान मोहम्मद मुन्ना के रूप में हुई है, जबकि उसकी पत्नी शाजिया परवीन है। जानकारी के अनुसार, यह दंपती आफताब, बबन और लड्डन नामक अन्य मजदूरों के साथ क्वार्टर से ईंट निकाल रहा था। ये सभी मजदूर पोपट नामक एक ठेकेदार के अधीन काम कर रहे थे, जिन्हें प्रतिदिन 500 रुपये की मजदूरी मिलती थी।

शनिवार को काम के दौरान अचानक ऊपर से जर्जर छज्जा गिर पड़ा, जिससे वहां मौजूद सभी मजदूर दब गए। स्थानीय लोगों और अन्य मजदूरों की मदद से घायलों को एमजीएम अस्पताल ले जाया गया, जहां मोहम्मद मुन्ना को मृत घोषित कर दिया गया।

शाजिया परवीन का इलाज फिलहाल जारी है। हादसे की सूचना मिलने पर बर्मामाइंस थाना की पुलिस मौके पर पहुंची और छानबीन शुरू की। मृतक का शव पोस्टमॉर्टम के लिए भेजा गया है।

प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि मजदूरों से खस्ताहाल भवन में बिना किसी सुरक्षा उपाय के काम करवाया जा रहा था। घटना के बाद से ठेकेदार पोपट की भूमिका पर सवाल उठने लगे हैं। स्थानीय लोगों का आरोप है कि ठेकेदार अक्सर मजदूरों से जोखिम भरे हालात में काम कराता है और यह स्पष्ट नहीं है कि इस कार्य के लिए किसी प्रकार की आधिकारिक अनुमति ली गई थी या नहीं। घटना के बाद क्षेत्र में तनाव का माहौल है। स्थानीय निवासियों ने प्रशासन से दोषी ठेकेदार पर कार्रवाई करने, मृतक के परिवार को उचित मुआवजा देने और घायल महिला का निःशुल्क इलाज सुनिश्चित कराने की मांग की है। इसके साथ ही, उन्होंने जर्जर भवनों की पहचान कर उन्हें गिराने या सुरक्षित करने की भी अपील की है, ताकि भविष्य में इस तरह की दुर्घटनाओं से बचा जा सके।

# ई-कॉम के डिलीवरीमैन ने एक लाख रुपये ठगे

**JAMSHEDPUR :** सीतारामडेरा थाना क्षेत्र में ईकॉम लॉजिस्टिक कंपनी के एक डिलीवरीमैन द्वारा बड़ी रकम की धोखाधड़ी का मामला सामने आया है। जानकारी के अनुसार, भुइयांडीह में लकड़ी टाल के पास एक ग्राहक से डिलिवरी के दौरान डिलीवरीमैन ने एक लाख पांच हजार रुपये की ठगी की।

यह मामला 22 अप्रैल को हुआ था और उसी दिन कंपनी के सुपरवाइजर को इसकी जानकारी मिल गई थी। आरोपी डिलीवरीमैन का नाम अभिषेक यादव है, जो कदमा के तिस्ता रोड बाजार के पास का रहने वाला है।

धोखाधड़ी की जानकारी मिलने के बाद कंपनी ने आरोपी से संपर्क कर पैसे लौटाने को कहा, लेकिन वह लगातार बहाने बनाता रहा।

अंततः कंपनी के सुपरवाइजर सुजय गोस्वामी, जो मानगो के देशबंधु लाइन, डिमना रोड के निवासी हैं, ने सीतारामडेरा थाने में आरोपी के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कराई।

थाना प्रभारी ने बताया कि प्राथमिकी दर्ज होते ही पुलिस ने आरोपी की तलाश शुरू कर दी है और मामले की जांच की जा रही है। उम्मीद है कि जल्द ही आरोपी गिरफ्तार कर लिया जाएगा।

# राखा कॉपर माइंस लीज नवीकरण को ग्रामसभा से मिली मंजूरी

ग्रामसभा में उपस्थित ग्रामीण ● फोटोन न्यूज

**GHATSILA :** राखा कॉपर माइंस लीज नवीकरण को लेकर माटीगोड़ा पंचायत भवन के समक्ष रविवार को ग्रामसभा हुई। इसमें ग्रामीणों ने स्वास्थ्य, पानी, शिक्षा, रोजगार समेत प्रत्यक्ष व अप्रत्यक्ष नियोजन का मुद्दा उठाया। कंपनी के सीनियर मैनेजर अर्जुन लोहरा ने ग्रामीणों के सारे सवाल का जवाब दिया, जिससे ग्रामीण संतुष्ट हुए। इसके बाद माइंस लीज नवीकरण की ग्रामसभा में समर्थन दे दिया। इधर प्लांट खुलने के बाद ग्रामीणों की सुविधा के बाबत ग्रामीणों के सवालों पर कंपनी के उपमहाप्रबंधक दीपक श्रीवास्तव ने भी पक्ष रखा। कहा कि कंपनी के आसपास के छह गांव के ग्राम प्रधान द्वारा अनुमोदित सूची के आधार पर ग्रामीणों को नियोजित किया जाएगा। नियुक्ति वर्कऑडर के आधार पर किया जाएगा। इसके अलावा 12वीं पास युवतियों की नर्सिंग की पूरी पढ़ाई का खर्च हिंदुस्तान कॉपर लिमिटेड उठाएगी। महिलाओं को स्वरोजगार से जोड़ने के लिए दोना पत्ता, जूट बैग, मूढ़ी बनाने, मसाला बनाने समेत अन्य का परीक्षण देकर आत्मनिर्भर बनाया जाएगा।

### टाटा-इतवारी एक्सप्रेस आज से शनिवार तक रद्द इस्पात 17 को रहेगी कैंसिल

**JAMSHEDPUR :** चक्रधरपुर रेल डिविजन में विकासात्मक कार्यों के कारण टाटानगर से होकर चलने वाली 2 ट्रेनों को रद्द कर दिया गया है। रेलवे के सर्कुलर के अनुसार, ट्रेन नंबर-18109/18110 टाटा-इतवारी-टाटा एक्सप्रेस रविवार से आगामी शनिवार तक के लिए रद्द कर दी गई है। वहीं, दूसरी ओर ट्रेन नंबर-12871 हावड़ा-टिटलागढ़ इस्पात एक्सप्रेस 17 मई को रद्द रहेगी। वहीं दूसरी ओर ट्रेन नंबर-18477 पुरी-योगनगरी ऋषिकेश उत्कल एक्सप्रेस 16 मई को बदले मार्ग से चलेगी। यह ट्रेन टाटानगर नहीं आएगी। ट्रेन कटक-संबलपुर-झारसुगड़ा- ईब होकर चलेगी। वहीं ट्रेन नंबर- 18478 योगनगरी ऋषिकेश-पुरी उत्कल एक्सप्रेस 11,13 और 16 मई को बिलासपुर-ईब-झारसुगड़ा-संबलपुर-कटक होकर चलेगी। इसके साथ ही ट्रेन नंबर- 22861 हावड़ा-कांटाबाजी इस्पात एक्सप्रेस 15 मई को राउरकेला में शॉर्ट टर्मिनेट रहेगी। ट्रेन नंबर-12872 टिटलागढ़-हावड़ा एक्सप्रेस झारसुगड़ा में शॉर्ट टर्मिनेट होगी।

# पोटका में पेड़ पर लटका मिला चालक का शव, हत्या की आशंका

घटनास्थल पर जुटे ग्रामीण ● फोटोन न्यूज

**PHOTON NEWS JSR :** पूर्वी सिंहभूम जिले के पोटका थाना क्षेत्र के सरमोंदा गांव में एक दर्दनाक घटना सामने आई है, जहां डंपर चालक माधव सरदार (51) का शव पेड़ पर लटका हुआ मिला। घटना रविवार तड़के लगभग 4 बजे की बताई जा रही है। माधव सरदार के परिजनों ने हत्या का आरोप लगाते हुए मामले की जांच कर उद्भेदन की मांग की है।

माधव सरदार सरमोंदा गांव का निवासी था और वह विगत कई दशकों से वाहन चालक का कार्य कर अपने परिवार का भरण-पोषण करता था। रविवार सुबह वह अपने कार्य से निकला था, लेकिन गांव से कुछ दूरी पर ही जुड़ीडुंगरी के समीप ग्रामीणों ने उसका शव गमछे के सहारे पेड़ पर लटकता देखा। ग्रामीणों ने तत्काल इसकी सूचना पोटका पुलिस को दी। ग्रामीणों का कहना है कि जिस प्रकार माधव का शव गमछे के सहारे पेड़ पर टांग दिया गया है, उससे प्रतीत हो रहा है कि उसकी हत्या कर शव को लटकाया गया है। परिजनों का कहना है कि माधव एक सरल इंसान था। उसकी किसी से कोई दुश्मनी नहीं थी।

सूचना मिलते ही पोटका थाना प्रभारी मनोज मुर्मू सदलबल घटनास्थल पर पहुंच मामले की जांच में जुट गए। पुलिस ने शव को पेड़ से उतार पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है और मामले की जांच कर रही है।

**जयंती पर विशेष** आज टाटा स्टील करेगी प्रमथनाथ बोस को नमन, देंगे श्रद्धांजलि

# देश के औद्योगिक जागरण में निभाई थी बड़ी भूमिका

**PHOTON NEWS JSR :** प्रमथ नाथ बोस एक अग्रणी भूविज्ञानी थे, जिनके शुरूआती साल पश्चिम बंगाल के गायपुर गांव में बीते, जिसने पृथ्वी विज्ञान के प्रति उनके आजीवन जुनून को गहराई से आकार दिया। इस दौरान प्रकृति के साथ उनके घनिष्ठ संबंध ने उन्हें भूविज्ञान में अपना कॅरियर बनाने के लिए प्रेरित किया। कृष्णानगर और सेंट जेवियर्स कॉलेज में शिक्षा प्राप्त करने के बाद, उन्होंने 1874 में गिलक्रिस्ट छात्रवृत्ति प्राप्त की और लंदन में रॉयल स्कूल ऑफ माइंस में अध्ययन किया। भारत लौटने पर, वे भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण में शामिल हो गए, जहां उनके काम में शिवालिक पहाड़ियों में जीवाश्म अध्ययन, असम में पेट्रोलियम अन्वेषण और मध्य भारत और

पीएन बोस

शिलांग पठार में खनिज सर्वेक्षण शामिल थे।

दिल से राष्ट्रवादी बोस स्वदेशी आंदोलन से बहुत प्रभावित थे और भारत की प्रगति को आगे बढ़ाने के लिए वैज्ञानिक ज्ञान का उपयोग करने में विश्वास करते थे। राष्ट्रीय विकास के प्रति उनकी गहरी प्रतिबद्धता दो प्रमुख क्षेत्रों में स्पष्ट थी : भारतीय नियंत्रण में शिक्षा को बढ़ावा देना और देश के औद्योगीकरण की वकालत करना। उन्होंने बंगाल तकनीकी संस्थान की स्थापना में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई - जिसे अब जादवपुर विश्वविद्यालय के रूप में जाना जाता है - और इसके पहले मानद प्राचार्य के रूप में कार्य किया। बोस विज्ञान में भारतीयों की हीनता की औपनिवेशिक धारणाओं को चुनौती देने वाले पहले लोगों में से एक थे।

उन्हें भारतीय वैज्ञानिकों की क्षमता पर विश्वास था और उन्होंने भारतीय विज्ञान संस्थान के लिए जेएन टाटा के दृष्टिकोण में बाधा डालने के लॉर्ड कर्जन के प्रयासों का खुलकर विरोध किया। सोमवार को उनकी जयंती पर टाटा स्टील के साथ शहरवासी भी बिष्टुपुर में नार्दर्न टाउन स्थित प्रतिमा पर श्रद्धासुमन अर्पित करेंगे।

### टाटा स्टील की स्थापना में किया था मार्गदर्शन

शायद उनका सबसे स्थायी योगदान भारत के इस्पात उद्योग की नींव रखना था। बोस ने मयूरभंज में लौह अयस्क के एक समृद्ध भंडार को जे एन टाटा के ध्यान में लाया, जिसने सीधे तौर पर जमशेदपुर में टाटा स्टील की स्थापना को प्रभावित किया, जो भारत का पहला एकीकृत इस्पात संयंत्र था। जैसा कि डॉ. राजेंद्र प्रसाद ने उल्लेख किया, बोस ने गरीबी को कम करने और राष्ट्रीय शक्ति को बढ़ाने में औद्योगिक विकास की परिवर्तनकारी शक्ति को पहचाना। ज्ञान, नेतृत्व और दूरदर्शिता के माध्यम से पीएन बोस औद्योगिक आत्मनिर्भरता की ओर भारत की यात्रा में आधारशिला बन गए।

# हाता में बनेगा 4.50 करोड़ की लागत से नया बस स्टैंड

शिलान्यास के दौरान उपस्थित विधायक व अन्य ● फोटोन न्यूज

**JAMSHEDPUR :** पंचायती राज विभाग की ओर से पोटका प्रखंड के हाता स्थित बिरसा चौक में 4.50 करोड़ की लागत से आधुनिक बस स्टैंड सह मार्केट कॉम्प्लेक्स का निर्माण कराया जाएगा। रविवार को विधायक संजीव सरदार ने इस परियोजना का भूमिपूजन किया। इस अवसर पर विधायक ने कहा कि हाता चौक पूरे पोटका विधानसभा क्षेत्र का व्यावसायिक हृदय स्थल है। यहां प्रतिदिन हजारों लोग झारखंड, ओड़िशा और बंगाल से आवागमन करते हैं। मैंने अपने पहले कार्यकाल में ही इस परियोजना को राज्य सरकार से स्वीकृत करा लिया था। उन्होंने बताया कि इस निर्माण कार्य के अंतर्गत बस स्टैंड, मार्केट कॉम्प्लेक्स, सार्वजनिक शौचालय और यात्रियों के लिए अन्य सुविधाएं भी विकसित की जाएंगी। इस अवसर पर जिला परिषद की अध्यक्ष बारी मुर्मू व उपाध्यक्ष पंकज सिन्हा भी उपस्थित थे। रविवार को ही विधायक संजीव सरदार ने तीन अन्य महत्वपूर्ण योजनाओं का भी शिलान्यास किया। इसमें हेंसड़ा पंचायत के जुड़ी पहाड़ी गांव में सरकारी तालाब का जीर्णोद्धार कार्य, पिछली से बाडेडीह तक सड़क सुदृढ़ीकरण तथा जमशेदपुर प्रखंड के हाता-कुदादा मुख्य पथ से निश्चिंतपुर तक सड़क निर्माण शामिल है।

BRIEF NEWS

## बूढ़ी गंडक नदी में नहाने के दौरान तीन बच्चे डूबे, दो की मौत

**EAST CHAMPARAN :** जिले में बूढ़ी गंडक नदी में नहाने गए तीन बच्चों के डूबने की घटना सामने आई है। इसमें दो बच्चो की मौत हो गई,जबकि स्थानीय लोगो ने एक को सकुशल बचा लिया। डूबे बच्चे में से एक शव बरामद कर लिया गया, जबकि तीसरे की तलाश रविवार के दोपहर तक जारी है। घटना मधुबन थाना क्षेत्र अंतर्गत रुपनी पंचायत के जोगौलिया कस्बा गांव के समीप की है। जोगौलिया वार्ड 12 निवासी आजाद आलम का 8 वर्षीय पुत्र अरमान, नौशाद आलम का 8 वर्षीय पुत्र नासिर तथा ललन मियां का 7 वर्षीय पुत्र आयान अपने दोस्तों के साथ बुढ़ी गंडक नदी में नहाने गए थे। नहाने के दौरान तीनों बच्चे गहरे पानी में चले गए और डूबने लगे।

## तेज रफ्तार ट्रक की ठोकर से छह साल के बच्चे की गई जान

**EAST CHAMPARAN :** जिले के तुरकौलिया थाना क्षेत्र शंकरसरैया पंचायत के कसवा टोला में तेज रफ्तार ट्रक की ठोकर से 6 वर्षीय मासूम की मौके पर ही मौत हो गई।मृतक कसवा गांव के प्रदीप शर्मा के पुत्र रौशन कुमार है। स्थानीय लोगो ने बताया कि ट्रक तुरकौलिया की ओर से जा रही थी, इसी दौरान रौशन सड़क पार करने का प्रयास किया तभी तेज रफ्तार ट्रक ने उसे कुचल दिया। हादसे की खबर फैलते ही ग्रामीणों की भारी भीड़ मौके पर जमा हो गई। गुस्साए लोगों ने ट्रक चालक को पकड़ लिया और ट्रक के शीशे तोड़ डाले। घटना की सूचना पर मौके पर पहुंची पुलिस ने ड्राइवर को ग्रामीणों से छुड़ाकर हिरासत मे लिया। तुरकौलिया थानाध्यक्ष सुनील कुमार ने बताया कि घटनास्थल से शव को पोस्टमार्टम के लिए मोतिहारी भेज दिया गया है।

## महर्षि मेंही परमहंस जी महाराज की 141वीं जयंती मनाई गई

**BHAGALPUR :** महर्षि मेंही परमहंस महाराज की 141वीं जयंती को लेकर जिले के विभिन्न जगहों पर रविवार को कार्यक्रम आयोजित किए गए। भागलपुर के कुप्पा घाट आश्रम में महर्षि मेंही परमहंस महाराज की जयंती धूमधाम से मनाया गया। इसको लेकर आज सुबह श्रद्धालुओं और अनुयायियों ने शोभा यात्रा निकाल नगर भ्रमण किया। जिसमें सैकडों संख्या में महिला, पुरुष, युवा, बुजुर्ग सभी लोग शामिल हुए। जयंती समारोह को लेकर भागलपुर सहित कोसी क्षेत्र और विभिन्न जिलों से श्रद्धालु पहुंचे थे। जयंती के अवसर पर संतसेवी भगीरथ दास महाराज ने जानकारी दी कि महर्षि मेंहीं परमहंस का अवतरण सन 1885 ई.में मंगलवार के दिन वैशाल शुक्ल चतुर्दशी पर मधेपुरा जिला के खोखसी श्याम गांव स्थित उनके ननिहाल में हुआ था। उधर सुल्तानगंज के अजगैबिनाथ धाम में महर्षि मेंहि परमहंस जी महराज के 141वीं जयंती समारोह को लेकर प्रभात फेरी निकाली गई।

# डीएम-एसपी ने ऑपरेशन सिंदूर के मद्देनजर साइबर कैफे पर सख्त की निगरानी

**AGENCY NALANDA :** नालंदा के जिलाधिकारी शशांक शुभंकर एवं पुलिस अधीक्षक भारत सोनी के संयुक्त निर्देशन में ऑपरेशन सिंदूर के तहत जिले में सुरक्षा और विधि-व्यवस्था से संबंधित मुद्दों को लेकर होटल-हॉस्टल साइबर कैफे में सख्त निगरनी को लेकर फ्लैगमार्च रविवार को किया गया। इस दौरान कई अहम निर्देश भी जारी किये गए और जिले में सतर्कता बढ़ाने की रणनीति साझा की गई।

डीएम ने आवाम जनता को संबोधित करते हुए कहा कि जिले के सभी प्रशासनिक और पुलिस पदाधिकारियों को मुख्यालय में मौजूद रहने का निर्देश दिया गया है। सभी अनुमंडल पदाधिकारी, प्रखंड विकास पदाधिकारी अंचलाधिकारी थाना प्रभारी तथा पुलिस अधिकारियों को होटल एवं लॉज में ठहरने वाले लोगों की वैध फोटो पहचान पत्र की जांच करने को कहा गया है। किसी भी संदिग्ध व्यक्ति की सूचना तत्काल संबंधित थाना में देने का निर्देश दिया गया है।उन्होंने कहा कि होटल/लॉज संचालकों के साथ बैठक कर उन्हें स्पष्ट रूप से बताया जाएगा कि बिना वैध आईडी के किसी को भी ठहराना गैरकानूनी होगा। इसी प्रकार सभी साइबर कैफे संचालकों को निर्देशित किया गया है कि सेवा लेने वाले प्रत्येक व्यक्ति से वैध आईडी कार्ड लें और उसकी पहचान से मिलान करें। इसके लिए अनुमंडल और थाना स्तर पर विशेष बैठक कर आवश्यक कार्रवाई संबंधित भी दिशा-निर्देश जारी किया गया है।

### खाद्यान्न वितरण और जमाखोरी पर कड़ाई

जिलाधिकारी ने बताया कि भारत सरकार के निदेर्शानुसार अगले दो महीनों का राशन एक बार में दिया जाएगा। इसके लिए विशेष परिवहन व्यवस्था की जा रही है। उन्होंने कहा कि बाजार में जमाखोरी की प्रवृत्ति पर रोक लगाने के लिए अनुमंडल स्तर पर विशेष टास्क फोर्स का गठन किया गया है। सभी बड़े थोक व्यापारियों के साथ बैठक कर यह स्पष्ट किया जाएगा कि किसी वस्तु की अनावश्यक अधिक मात्रा में खरीद पर नजर रखी जाएगी और संदेहास्पद स्थिति में सख्त कार्रवाई की जाएगी। जिले के विभिन्न हिस्सों में अग्निशमन दस्ते के वाहन तैनात किए गए हैं। उनके चालकों के संपर्क नंबर एसडीओ के पास उपलब्ध रहेंगे और सभी वाहनों को सक्रिय रखने के निर्देश दिए गए हैं। जिला सामान्य, खेलो इंडिया गेम्स सुचारू रूप से जारीडीएम ने स्पष्ट किया कि वर्तमान में जिले में किसी प्रकार की पैनिक की स्थिति नहीं है।

### सघन गश्ती के आदेश

खेलो इंडिया यूथ गेम्स 2025 जिले में शांतिपूर्ण और उत्साहपूर्ण तरीके से आयोजित हो रहा है। एसपी भारत सोनी ने बताया कि जिले के सभी थाना क्षेत्रों में सघन गश्ती के आदेश दिए गए हैं। होटलों, हॉस्टलों में ठहरने वालों की वैध पहचान की जांच की जाएगी। सोशल मीडिया के माध्यम से अफवाह फैलाने वालों को चिन्हित कर उनके खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की जाएगी। धार्मिक स्थलों, पर्यटक स्थलों, ऑर्डिनेंस फैक्ट्री, रेलवे स्टेशन, बस स्टैंड, चौक-चौराहों पर सुरक्षा को और कड़ा किया गया है।

हाथीखाना मोड़ से चांदमारी तक बन रहे रोड के काम का लिया जायजा

# मुख्यमंत्री ने विभिन्न पथों का किया निरीक्षण, दिए निर्देश

**AGENCY PATNA :** मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने रविवार को पटना जिलान्तर्गत विभिन्न पथों का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने हाथीखाना मोड़ से चांदमारी तक बन रहे पथ के चौड़ीकरण एवं मजबूतीकरण का जायजा लिया। यह पथ तुरहा टोली, कुही मोड़, खिरनीचक मोड़, रघुरामपुर पुल, डीपीएस स्कूल एवं लोदीपुरतथा, चांदमारी होते हुए उसरी-छितनावां पथ को जोड़ता है। उसरी-छितनावां पथ का उद्घाटन मुख्यमंत्री द्वारा पटना जिला की प्रगति यात्रा के दौरान किया गया था। हाथीखाना मोड़ से चांदमारी तक पथ का चौड़ीकरण एवं मजबूतीकरण कार्य होने से उसरी-छितनावां, शिवाला, नौबतपुर, बिकम, पाली, जहानाबाद और आरा की ओर जाने के लिए लोगों को अतिरिक्त वैकल्पिक मार्ग मिलेगा। मुख्यमंत्री ने शिवाला आरओबी का निरीक्षण भी किया। उन्होंने शिवाला मोड़ के पास निर्माण कराए जाने वाले आरओबी पथ के बारे में भी जानकारी ली। मुख्यमंत्री ने चांदमारी गांव के पास पथ का जायजा लिया। साथ ही सैनिक मोड़, दानापुर के पास रुक कर उन्होंने पटना मेट्रो रेल कार्य का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को निर्मित पथों का समय पर मेंटेनेंस करवाने और निमार्णाधीन पथों के निर्माण कार्य में तेजी लाने का निर्देश दिया। मुख्यमंत्री के साथ राज्य के जल संसाधन सह संसदीय कार्य मंत्री विजय कुमार चौधरी, मुख्यमंत्री के सचिव कुमार रवि, मुख्यमंत्री के विशेष कार्य पदाधिकारी गोपाल सिंह, पटना के जिलाधिकारी चंद्रशेखर सिंह, वरीय पुलिस अधीक्षक अवकाश कुमार सहित अन्य वरीय अधिकारी मौजूद थे।

### उसरी-छितनावां पथ का उद्घाटन सीएम ने प्रगति यात्रा के दौरान किया था

### शिवाला मोड़ के पास निर्माण कराए जाने वाले आरओबी पथ के बारे में भी ली जानकारी

विभिन्न पथों का निरीक्षण करते मुख्यमंत्री नीतीश कुमार व अन्य

## स्काउट-गाइड ने युद्ध के दौरान आपातकालीन सेवा के लिए किया प्रेरित

**ARARIA :** बिहार राज्य भारत स्काउट और गाइड के मुख्य आयुक्त रामकुमार सिंह के निर्देश पर रविवार को फारबिसगंज के प्लस टू ली एकेडमी खेल मैदान में मॉकड्रिल कर आपातकालीन सेवा को लेकर प्रेरित किया। आपातकालीन स्थिति में होने वाले कार्य को लेकर मॉकड्रिल जिला संगठन आयुक्त स्काउट अररिया सह संयुक्त राज्य सचिव बैजनाथ प्रसाद के नेतृत्व में किया गया। इस दौरान बैजनाथ प्रसाद ने स्काउट गाइड को बताया कि आपातकालीन की स्थिति में दो प्रकार के सायरन बजाए जाते हैं। जिसका अर्थ है कि आपात स्थिति उत्पन्न की घटना होने वाली है, जिससे बचाव के लिए सर्वप्रथम सभी को जमीन पर लेट जाना चाहिए या आसपास में रखें टेबल आदि के नीचे चले जाना चाहिए।

## नालंदा जिले की जनअदालत में की गई 23 मामलों की सुनवाई

**AGENCY NALANDA :** जिला मुख्यालय स्थित हरदेव भवन सभागार मे रविवार को आयोजित विशेष जनता की अदालत में नालंदा के जिलाधिकारी शशांक शुभंकर ने 23 आवेदकों की समस्याएं सुनीं और उनके त्वरित समाधान हेतु संबंधित विभागीय अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिए। जनता दरबार में आए विभिन्न आवेदकों ने अपनी समस्याएं जिलाधिकारी के समक्ष रखीं, जिनमें सड़क व नाले के निर्माण, भूमि विवाद, योजनाओं के लाभ से वंचित रहने जैसे मामले प्रमुख थे। एक आवेदक द्वारा नाला और सड़क निर्माण से जुड़ी समस्या प्रस्तुत की गई, जिस पर जिलाधिकारी ने अपर समाहर्ता और जिला लोक शिकायत निवारण पदाधिकारी को कार्रवाई करने का निर्देश दिया। एक अन्य मामले में आवेदक ने बताया कि खरीदी गई भूमि पर मकान निर्माण में रुकावट आ रही है। इस पर जिलाधिकारी ने अस्थावां अंचल अधिकारी एवं सारे थाना प्रभारी को संयुक्त रूप से जांच व निष्पादन का निर्देश दिया।गंगाजल उद्भव योजना के अंतर्गत भुगतान लंबित होने की शिकायत पर उन्होंने जिला भू-अर्जन पदाधिकारी को त्वरित समाधान सुनिश्चित करने को कहा है। वहीं प्रधानमंत्री आवास योजना से संबंधित शिकायत के संबंध में भी जिलाधिकारी ने उप विकास आयुक्त को निर्देश देते हुए लाभार्थी को योजना का लाभ उपलब्ध कराने की बात कही है।

## लूट की झूठी साजिश रचने वाला फाइनेंस कर्मचारी गिरफ्तार,गबन की रकम बरामद

**AGENCY ARARIA :** अररिया नगर थाना क्षेत्र में 8 मई की रात फाइनेंस कर्मचारी से हुए 1.15 लाख 325 रुपए एवं कम्पनी का टैब और फिंगर स्कैनर लूटकांड का अररिया पुलिस ने खुलासा कर लिया है। पीड़ित कर्मचारी शिवशंकर पासवान खुद लूट की साजिश रचने वाला निकला। कंपनी का पैसा हड़पने को लेकर लूट की झूठी साजिश रची थी। वैज्ञानिक एवं तकनीकी अनुसंधान का सहारा लेते हुए पुलिस ने मामले खुलासा कर लिया है। मामले में पुलिस ने केस दर्ज करने वाले कर्मचारी जोगबनी थाना क्षेत्र के रामगढ़ वार्ड संख्या 7 के रहने वाले शिवशंकर पासवान पिता श्याम पासवान को गिरफ्तार कर लिया है।पुलिस ने गिरफ्तार कर्मचारी के पास से कथित तौर पर लूटी गई राशि में से 58 हजार 420 रुपए और मोबाइल बरामद किया गया है। जानकारी रविवार को नगर थानाध्यक्ष मनीष कुमार रजक ने दी। थानाध्यक्ष ने बताया कि 8 मई को भारत फाईनेंस कंपनी के कर्मचारी शिवशंकर कुमार पासवान द्वारा नगर थाना अररिया में एक लिखित आवेदन दिया था। जिसमें उन्होंने 08 मई की रात्रि करीबन साढ़े आठ बजे कमलदाहा वार्ड नं0-12 के पास दो अज्ञात मोटर साईकिल सवार बदमाशों द्वारा चाकू का भय दिखाकर लूट की घटना को अंजाम देने की बात कही थी।

## नालंदा जिले की नल-जल योजना में अवरोध, थाना में की गई लिखित शिकायत

**AGENCY NALANDA :** नालंदा जिले के नगर परिषद क्षेत्र के वार्ड संख्या 7 स्थित सद्भावना नगर मोहल्ले में रविवार को नल-जल योजना के तहत जल कनेक्शन कार्य में अवरोध उत्पन्न करने और धमकी देने का मामला प्रकाश में आया है। इस संबंध में 136 बटालियन एसएसबी में पदस्थापित उप निरीक्षक ललन किशोर ने हरनौत थाना में लिखित शिकायत दर्ज कराई है। शिकायतकर्ता के अनुसार, उन्होंने पूर्व में जल कनेक्शन के लिए आवेदन दिया था, जिसके आधार पर शनिवार (10 मई 2025) को पीएचईडी के एसडीओ की मौजूदगी में नल-जल योजना का कार्य प्रारंभ किया गया। लेकिन इस दौरान मोहल्ले के ही निवासी विपीन कुमार एवं उनकी पत्नी ने कार्य में बाधा डाली और आपत्तिजनक व्यवहार करते हुए धमकी दी। घटना के समय पीएचईडी के एसडीओ सहित तकनीकी स्टाफ भी मौके पर मौजूद थे। ललन किशोर ने पूरे घटनाक्रम की जानकारी थाना को देते हुए आवश्यक कानूनी कार्रवाई की मांग की है। थानाध्यक्ष अमरदीप कुमार ने बताया कि मामला आपसी विवाद से जुड़ा था जिसे बातचीत के जरिए सुलझा लिया गया है। उन्होंने बताया कि फिर से पाइपलाइन बिछाने का कार्य पुनः आरंभ कर दिया जाएगा।

## ग्रामीण इलाकों को मिली पक्की सड़क की सौगात

**AGENCY NALANDA :** नालंदा जिले के अस्थावां प्रखंड मुख्यालय में वर्षों से लंबित एक महत्वपूर्ण मांग अब पूरी हो गई है। अस्थावां प्रखंड अंतर्गत पोस्ट ऑफिस रोड से लेकर देशना रोड तक पक्की सड़क निर्माण कार्य की शुरुआत कर दी गई है। मुख्यमंत्री ग्रामीण कार्य विभाग के अंतर्गत स्वीकृत इस परियोजना से ग्रामीणों में गहरी खुशी और उत्साह का माहौल है। सड़क निर्माण का कार्य एनएच- 82 से अस्थावां थाना मोड़, पोस्ट ऑफिस, काली मंदिर, जामा मस्जिद, मैरेज हॉल, प्राथमिक विद्यालय, मदरसा, इमामबाड़ा होते हुए देशना रोड तक किया जा रहा है। ग्रामीण कार्य विभाग की देखरेख में यह कार्य तेजी से आगे बढ़ रहा है और विभागीय अधिकारियों के अनुसार कुछ ही दिनों में यह सड़क पूरी तरह बनकर तैयार हो जाएगी। इस योजना को धरातल पर लाने में पूर्व मुखिया सलमान अख्तर उर्फ मिस्टर मुखिया और अस्थावां विधायक डॉ. जितेंद्र कुमार की अहम भूमिका रही, जहां विधायक ने इस प्रस्ताव को मुख्यमंत्री ग्रामीण योजना में शामिल कराने के लिए लगातार प्रयास किए। वहीं पूर्व मुखिया ने स्थानीय स्तर पर जनता की आवाज को मजबूत ढंग से प्रशासन और जनप्रतिनिधियों तक पहुंचाया। दोनों की सामूहिक कोशिशों का ही परिणाम है कि आज क्षेत्र के लोग पक्की सड़क के सपने को साकार होता देख रहे हैं। सड़क निर्माण कार्य की शुरूआत के साथ ही ग्रामीणों का विश्वास बढ़ा है। निर्माण स्थल पर जेसीबी मशीनों और निर्माण सामग्री को देखकर लोगों ने राहत की सांस ली है।

## चौकीदार पुत्र की हत्या में पहली पत्नी समेत पांच गिरफ्तार

**AGENCY DEHRI-ON-SONE :** रोहतास जिले के तिलौथू थाना के चोरकप गांव में चौकीदार पुत्र अभिनंदन की हत्या उसकी पहली पत्नी ने चार लोगों के सहयोग से कराया था।पुलिस ने उसकी पहली पत्नी समेत पांच आरोपितों को गिरफ्तार किया गया। हत्या में प्रयुक्त कट्टा,एक ऑल्टो कार,एक बाइक व दो मोबाइल बरामद किया गया।

एसपी रोशन कुमार के अनुसार गत 6 मई की रात चोरकप गांव में चौकीदार के बेटे की गोली मारकर हत्या कर दी गई। इस मामले में मृतक के पिता ने अज्ञात अपराधियों पर प्राथमिक की दर्ज किया गया था। इस कांड के उद्वेदन के लिए सीडीपीओ कोटा किरण कुमार के नेतृत्व में एक विशेष टीम का गठन किया गया था ।जिसमें आसूचना इकाई की टीम को भी शामिल किया गया था। गठित टीम द्वारा जांच के क्रम में उनके पड़ोसी निखिल कुमार की गतिविधि संदिग्ध पाई गई। निखिल कुमार को हिरासत में लेकर पूछताछ किया गया तो उसने इस हत्या का खुलासा किया। उसकी निशानदेही पर काराकाट थाना क्षेत्र के इटीम्हा गांव से अंकित कुमार शर्मा और विकास कुमार साह को गिरफ्तार किया गया।गिरफ्तार आरोपितों ने बताया कि मृतक अभिनंदन का भाई और पहली पत्नी रविता देवी के कहने पर हत्या को अंजाम दिया गया।

उन्होंने बताया कि गिरफ्तार निखिल ने पूछताछ में बताया कि मृतक के भाई अभिमन्यु का मृतक की पहली पत्नी रविता देवी से नाजायज संबंध था ।जिसकी जानकारी मृतक को हो गई थी। इस कारण मृतक अभिनंदन अपने छोटे भाई अभिमन्यु की शादी करवा रहा था। अभिमन्यु यह शादी नहीं करना चाहता था। जिस कारण अभिमन्यु व रविता देवी ने मिलकर अभिनंदन की हत्या करवाने की योजना बनाई थी। जिसके लिए अभिमन्यु और रविता देवी ने दो लाख की सुपारी दी थी। जिसमें बीस हजार रुपए का अग्रिम मिला था। शेष रकम काम हो जाने के बाद देने की बात तय हुई थी।

एसपी ने बताया कि निखिल के हत्याकांड के खुलासे के बाद काराकाट थाने के इटीम्हा गांव से अंकित, विकास व चारकोप गांव से मृतक की पहली पत्नी रविता देवी वह अभिमन्यु पासवान को गिरफ्तार किया गया। हत्या में प्रयुक्त देशी कट्टा बरामद किया गया।

एसपी ने बताया कि टीम में शामिल तिलौथू के थाना अध्यक्ष विद्याभूषण करकट थाने के थाना अध्यक्ष भागीरथ कुमार ड्यू शाखा के प्रभारी राहुल कुमार अजय कुमार समेत दोनों थानों के पुलिस कर्मियों को पुरस्कृत किया जाएगा।

### फसलों की गुणवत्तापूर्ण उपज के लिए मृदा जांच जरूरी, समय पर पहल करें किसान

# किसानों के लिए मई माह मिट्टी जांच का उपयुक्त समय : डॉ. आशीष

**AGENCY EAST CHAMPARAN :** मृदा (मिट्टी) का स्वास्थ्य भी मनुष्यों के स्वास्थ्य के साथ जुड़ा है, ऐसे में किसान मई माह में अपने खेतो की मिट्टी जांच अवश्य कराएं, क्योंकि मई माह मिट्टी जांच के लिए सबसे उपयुक्त समय है। उक्त बाते जिले के परसौनी स्थित कृषि विज्ञान केंद्र के मृदा विशेषज्ञ डा.आशीष राय ने कही। उन्होने कहा कि बेहतर और गुणवत्ता पूर्ण उपज के लिए मिट्टी की जांच जरूरी है। इसके लिए हर स्तर पर किसानो को जागरुक बनाने की आवश्यकता है। उन्होने कहा कि मिट्टी जांच से ही समेकित पोषक तत्वो का प्रबंधन किया जा सकता है। मिट्टी जांच से यह पता चलता है कि मिट्टी में फास्फोरस, कैल्शियम व नाइट्रोजन सहित फसलो के लिए आवश्यक तत्वो की कितनी मात्रा है। फसल के लिए जरूरत से ज्यादा अवयव की होने से उपज और गुणवत्ता दोनो प्रभावित होते है। मिट्टी में किसी भी अवयव की मात्रा ज्यादा होने पर फसल पर प्रतिकुल असर होता है। उन्होने किसानो को रसायनिक खाद में कटौती कर बायो फर्टिलाइजर का प्रयोग करने पर जोर देते कहा कि किसान अपने खेतो मे सूक्ष्म पोषक तत्वों का पर्णीय छिड़काव करें तो फसलो की गुणवत्ता बढ सकती है।

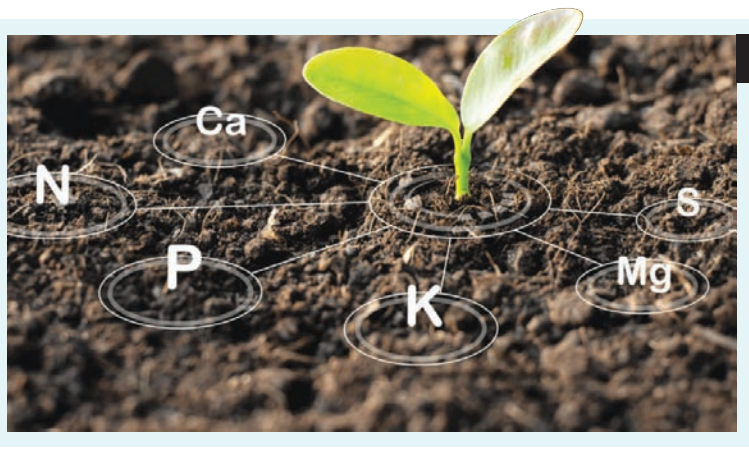


### जांच के हैं कई फायदे

मिट्टी जांच से मिट्टी में उत्पन्न दोष जैसे अम्लीयता तथा लवणीयता आदि का पता चलता है, जिससे उनका सही उपचार का सलाह मिलता है। इससे मिट्टी की उर्वरा शक्ति का पता चलता है, जिससे किसान मिट्टी में उपलब्ध पोषक तत्वों के अनुसार फसलों की बुवाई कर बेहतर उपज प्राप्त कर सकते है। वही जांच से खादों एवं उर्वरकों की आवश्यकता के अनुसार व संतुलित मात्रा में प्रयोग करने में मदद मिलती है। इससे फसलों की उपज का सटीक आकलन करने के साथ ही मिट्टी में होने वाले परिवर्तनों का समय-समय पर अध्ययन करने में भी मदद मिलती है। मिट्टी परीक्षण के आधार पर उर्वरक का प्रयोग करने से अधिक लाभ की संभावना बढ़ जाती है।

## भागलपुर में प्रेम-प्रसंग में युवती ने दे दी जान

**BHAGALPUR :** जिले के बरारी थाना अंतर्गत एसएम कॉलेज रोड स्थित एक गर्ल्स लॉज में रहने वाली छात्रा पल्लवी कुमारी (24) ने रविवार को गले में फंदा लगाकर आत्महत्या कर ली। पल्लवी पिता संजय चौधरी माता अनीता देवी उपरामा रजौन की रहने वाली थी। घटना के समय लॉज की सभी लड़कियां पढ़ाई करने के लिए बाहर गई हुई थी। वह उस समय लॉज के कमरे में अकेली थी। 24 वर्षीय पल्लवी पैरामेडिकल का कोर्स कंप्लीट करके प्रतियोगिता परीक्षा की तैयारी कर रही थी। पल्लवी के पिता संजय चौधरी रजौन बाजार में दर्जी का काम किया करते हैं। पल्लवी पांच बहन और एक भाई है। जिसमें पल्लवी चौथे नंबर पर थी।

# भारतीय समाज की नायिका हैं देवी सीता

'मैं पृथ्वी पुत्री सीता इन दोनों पुत्रों की जननी हूं। इक्ष्वाकु वंश की ये दोनों संतानें उनके प्रतापी वंश को अर्पित कर मैंने अपना दायित्व पूर्ण किया। असंख्य संतानों की मां, धरती का अंश अब मैं अपनी मां के सान्निध्य में जाना चाहती हूं। चलते-चलते बहुत थक चुकी हूं, मानो शक्ति क्षीण हो गई है। पुनः शक्ति प्राप्ति के लिए धरती ही उपयुक्त स्रोत है। मैं कुश एवं लव की जननी अपनी जननी का आलिंगन करना चाहती हूं, उसके सत में विलीन हो जाना चाहती हूं।' आत्मकथात्मक शैली में लिखे गए मृदुला सिन्हा का उपन्यास 'सीता पुनि बोली' देवी सीता की एक महान गाथा है खुद सीता की जुबानी। सवाल है कि मृदुला जी ने इस महान देवी स्वरूप चरित्र की आत्मकथा लिखने की क्यों सोची। जबकि जन-जन में देवी सीता की कथा रची-बसी है, ठीक रामकथा की तरह। इसका जवाब खुद मृदुला जी 'सीता पुनि बोली' किताब की लंबी-चौड़ी भूमिका में देती हैं- इस सवाल के बावजूद मुझे सीता की आत्मकथा लिखना आवश्यक लगता था। इसलिए पुराणों, लोक-साहित्य रामलीलाओं और सभागारों की हजारों गोष्ठियों में रामकथा के सोपानों पर सीता के मन को बहुत कम समझा गया है। सच तो यह है कि राम की सहधर्मिता सीता परोक्ष और अपरोक्ष रूप से उनसे अभिन्न होकर भी भिन्न थीं। राम के साथ इस भिन्न और अभिन्न व्यक्तित्व को रामचरित-चित्रण में समाया नहीं जा सकता था। उसकी भिन्नता और अभिन्नता का आकलन अवश्य शेष रहा है। ऐतिहासिक भारतीय नारी की आत्मिक शक्ति और तदनुकूल चारण का भी, जो आज साधारण नारियों का भी संबल और धरोहर है। स्पष्ट है कि देवी सीता के पक्ष और दृष्टिकोण को समझने के लिए मृदुला जी ने जो प्रयास किए वैसे कई प्रयास लेखकगण वर्षों से कर रहे हैं। फिर भी उनके चरित्र की गहराइयों को समझने में हम सफल नहीं हो पा रहे हैं। क्यों, क्या, परंतु, लेकिन जैसे शब्द जुबान पर आ-जा रहे हैं। प्रश्न है कि जैसे हम एक आदर्श चरित्र मयार्दा पुरुषोत्तम श्रीराम के बारे जानते हैं, क्या उसी तरह उनकी अर्धांगिनी माता सीता को भी जानते और समझते हैं। आदिकवि वाल्मीकि रचित रामायण, तुलसीदास कृत रामचरितमानस, तमिल कवि कंबन, बांग्ला कवि रचित रामकथा, साथ ही जनश्रुतियों में व्याप्त तमाम रामकथाएं, रामलीलाओं की रामकथा आदि में क्या हम सीता को राम के परिप्रेक्ष्य में ढूंढ़ पाते हैं। सीता महाशक्ति हैं, जगत जननी हैं, काली, लक्ष्मी स्वरूपा हैं, पर एक मनुष्य के रूप में सीता क्या हैं। एक राजमहल में पली-बढ़ी सीता ने जीवन के इतने कष्टों को कैसे और क्यों स्वीकार किया। क्या सोचकर वे पति के साथ चौदह वर्षों के लिए जंगलवास के लिए चल दीं। जंगल में उन्होंने इतने कष्टों का सामना कैसे किया। यहां तक छलपूर्वक जब रावण उन्हें लंका उठा ले गया, तो वे कैसे लंका में दृढ़तापूर्वक अपने पति का इंतजार करती रहीं। यह किस तरह का विश्वास था। रावण का वध और राम की विजय के बाद अग्निपरीक्षा का आदेश। उन्होंने अग्निपरीक्षा क्यों स्वीकार की। वे इनकार भी कर सकती थीं। फिर अयोध्या लौटने के बाद राजा राम ने महारानी सीता का त्याग कर दिया राजधर्म का पालन करने के लिए। सीता ने इसे कैसे स्वीकारा और सहा होगा। फिर जंगल में अपने दो पुत्रों का लालन-पालन और अंत में उन्हें उनके पिता श्रीराम को सौंपकर अपनी मां धरती की गोद में समा जाना। इस पूरी सीता कथा को देवी सीता के माध्यम से समझने के लिए जनमानस उद्वेलित हो रहा है। आज बड़े स्तर पर सीता नवमी या जानकी नवमी के माध्यम से माता सीता को मनन करने का प्रयास जनसाधारण कर रहा है। अयोध्या में श्रीराम मंदिर के बाद माता सीता का मंदिर होना चाहिए की जनाकांक्षाएं हिलोरे मार रही हैं। तो क्या यह सबसे अनुकूल समय है माता सीता पर पर बात करने का। राम नवमी के ठीक एक महीने बाद सीता नवमी मनाई जाती है। पूरे मिथिलांचल में जानकी-सीता नवमी मनाई जाती है। इधर, कई सालों से जानकी नवमी मिथिलांचल के बाहर भी मनाई जाने लगी है। इसके बारे में सीएसटीएस की फाउंडर डॉ. सविता झा बताती हैं कि हमारे यहां के कवि स्नेहलता सीता के अनन्य भक्त थे। उन्होंने सीता को लेकर काफी लिखा और वे सीता का जन्मदिन बड़ी धूमधाम से मनाया करते थे। इसी तरह वैदेही फाउंडेशन के सर्वेसर्वा अमरनाथ झा कहते हैं कि राम को मयार्दा पुरुषोत्तम सीता ने ही बनाया है। मयार्दा पुरुषोत्तम राम का जन्म देश-विदेश तक मनाया जाता है, पर जिन सीता माता का जन्मदिन और उनकी जन्मस्थली तक के बारे लोग ठीक से नहीं जानते हैं। जनकपुर के विदेह राजा जनक की दुलारी, राम की धर्मपत्नी, राजा दशरथ-कौशल्या की प्रिय पुत्रवधू, लक्ष्मण, भरत और शत्रुघ्न की मां समान भाभी, राजमहल से लेकर वन और आश्रम जीवन में अनेक सामाजिक संबंधों में बंधी सीता की कहानी आज भी जन-जन के हृदय में रची-बसी है। तो इसका कोई तो खास कारण होगा। देवी सीता एक ऐसा चरित्र हैं, जो कई कारणों से निरीह और कई कारणों से बहुत ही सबल प्रतीत होता है। सीता का संघर्ष और परिस्थितिजन्य संकटों से दृढ़तापूर्वक सामना करना उनके चरित्र को ऐतिहासिक ऊंचाई देता है। इसलिए सीता का चरित्र तमाम पौराणिक और ऐतिहासिक चरित्रों से अधिक ऊंचा स्थान बनाए हुए है। उनका यही संघर्षात्मक रूप भारतीय संस्कृति के भी अनुकूल है। भारतीय जन में देवी सीता की लोकप्रियता का भी यही कारण है।

# माइनिंग सेक्टर में आगे बढ़ता राजस्थान

ANALYSIS

✍ डॉ. राजेंद्र प्रसाद शर्मा

**माइनिंग सेक्टर की महती भूमिका को देखते हुए राजस्थान के मुख्यमंत्री भजन लाल शर्मा ने खान मंत्रालय की जिम्मेदारी अपने पास रखी और कुशल नेतृत्व और मार्गदर्शन में पिछले सवा साल में माइनिंग सेक्टर ने खनिज खोज से लेकर माइनर एवं मेजर मिनरल ब्लॉकों के ऑक्शन, एमनेस्टी योजना, ड्रोन सर्वे, एकबारीय समाधान योजना, नई और प्रगतिशील खनिज नीति, एम-सेंड नीति, माइनिंग सेक्टर में औद्योगिक निवेश और रोजगार के विपुल अवसर सृजित करने के अवसर विकसित कर दिए हैं। इसके साथ ही पारदर्शी व्यवस्था और प्रक्रिया के सरलीकरण की दिशा में तेजी से कदम बढ़ाए जा रहे है। समय की मांग को देखते हुए ही आरईई और सेरेमिक आधारित एक्सीलेंस सेंटर स्थापित करने की दिशा में आगे बढ़ रहे हैं तो खनिज एक्सप्लोरेशन को गति देने के लिए राजस्थान मिनरल एक्सप्लोरेशन कॉरपोरेशन के गठन की बजटीय घोषणा की गई है। राजस्थान माइनिंग के प्रमुख सचिव टी. रविकांत अथक प्रयासों से धरातल पर ठोस परिणाम प्राप्त करने में जुटे हैं। यही कारण है कि राजस्थान आज देश का माइनिंग सेक्टर में प्रमुख प्रदेश बन गया है।**

माइनिंग सेक्टर में राजस्थान देश-दुनिया का प्रमुख केंद्र बन कर उभर रहा है। राजस्थान में 82 प्रकार के मिनरल के संकेत मिलते हैं। 57 मिनरल की खोज और खनन का कार्य चल रहा है। रेयर अर्थ एलिमेंट आरईई के संकेत मिलने के साथ राजस्थान तेजी से दुनिया के नक्शे पर उभरा है। राज्य सरकार ने भी माइनिंग सेक्टर को अपनी प्राथमिकता में रखा है। यही कारण है कि पिछले सवा साल में राजस्थान माइनिंग सेक्टर में नित नए आयाम स्थापित करते हुए आगे बढ़ रहा है। माइनिंग सेक्टर की महती भूमिका को देखते हुए राजस्थान के मुख्यमंत्री भजन लाल शर्मा ने खान मंत्रालय की जिम्मेदारी अपने पास रखी और कुशल नेतृत्व और मार्गदर्शन में पिछले सवा साल में माइनिंग सेक्टर ने खनिज खोज से लेकर माइनर एवं मेजर मिनरल ब्लॉकों के ऑक्शन, एमनेस्टी योजना, ड्रोन सर्वे, एकबारीय समाधान योजना, नई और प्रगतिशील खनिज नीति, एम-सेंड नीति, माइनिंग सेक्टर में औद्योगिक निवेश और रोजगार के विपुल अवसर सृजित करने के अवसर विकसित कर दिए हैं। इसके साथ ही पारदर्शी व्यवस्था और प्रक्रिया के सरलीकरण की दिशा में तेजी से कदम बढ़ाए जा रहे है। समय की मांग को देखते हुए ही आरईई और सेरेमिक आधारित एक्सीलेंस सेंटर स्थापित करने की दिशा में आगे बढ़ रहे हैं तो खनिज एक्सप्लोरेशन को गति देने के लिए राजस्थान मिनरल एक्सप्लोरेशन कॉरपोरेशन के गठन की बजटीय घोषणा की गई है। राजस्थान माइनिंग के प्रमुख सचिव टी. रविकांत अथक प्रयासों से धरातल पर ठोस परिणाम प्राप्त करने में जुटे हैं। यही कारण है कि राजस्थान आज देश का माइनिंग सेक्टर में प्रमुख प्रदेश बन गया है।

मिनरल एक्सप्लोरेशन से लेकर माइन्स ऑक्शन के क्षेत्र में नित नए आयाम बन रहे हैं तो निवेश, रोजगार और राजस्व की दृष्टि से राजस्थान तेजी से आगे बढ़ रहा है। हाल ही समाप्त हुए वित्तीय वर्ष में रिकॉर्ड राजस्व अर्जन के साथ ही राजस्व अर्जन की विकास दर में भी नया कीर्तिमान बनाया गया है। 2017 में केंद्र सरकार ने तय किया कि देश में सभी जगह माइनिंग मिनरल्स की खुले ऑक्शन के माध्यम से ही दिए जाएंगे। इससे बहुत हद तक माइनिंग मिनरल्स की बंदर बांट पर रोक लग सकी। केंद्र सरकार ने मेजर मिनरल्स के ऑक्शन की स्वयं के स्तर पर भी मॉनिटरिंग आरंभ कर व्यवस्था को पारदर्शी और खनिज प्रधान प्रमुख राज्यों के बीच स्वस्थ्य प्रतिस्पर्धा की राह प्रशस्त की है। इसे देश के खनिज क्षेत्र का अग्रणी कदम माना जा सकता है। मेजर मिनरल के ऑक्शन में पिछले एक साल में राजस्थान ने तेजी से काम किया है और राष्ट्रीय स्तर पर विशिष्ट उपलब्धि हासिल की है। आज दुनिया के देशों की माइनिग सेक्टर पर अधिक नजर है। खासतौर से अमेरिका तो खनिज बहुल क्षेत्रों में आंखें गड़ाए ही बैठा है वह चाहे यूक्रेन हो, कनाड़ा हो या ग्रीन लैंड। तस्वीर का दूसरा पहलू यह भी है कि रूस यह चाहता है कि अमेरिका और यूक्रेन के बीच खनिज को लेकर कोई समझौता ना हो। मगर, यूक्रेन ने समझौता कर लिया है। दूसरी और चीन आज खनिज संपदा के चलते ही समूचे विश्व बाजार पर लगभग एकाधिकार की स्थिति में हैं। दरअसल जिस तरह से दुनिया में नए गजेट्स आने लगे हैं, इलेक्ट्रिक वाहन, कार्बन उत्सर्जन के स्तर को कम करने और पर्यावरण को प्रभावित करने वाले उत्पादों के कम उपयोग पर जोर दिया जाने लगा है, उसके कारण खनिज संपदा संपन्न देशों का महत्व और अधिक बढ़ता जा रहा है। चीन के लगभग एकाधिकार के कारण दुनिया के देश त्रस्त भी हैं। हमारे देश और राजस्थान में भी प्रचुर मात्रा में खनिज संपदा है। माइनिंग सेक्टर आज उभरता हुआ सेक्टर है। निवेश, रोजगार और राजस्व की दृष्टि से खनिज संपदा का महत्व बढ़ता जा रहा है। यही कारण है कि भारत सरकार ने क्रिटिकल मिनरल ब्लाकों की नीलामी अपने हाथ में ली है, तो मिनरल एक्सप्लोरेशन कार्य में निजी प्लेयर्स की भी भागीदारी तय की जा रही है। समूचे देश में पिछले एक दशक में मिनरल एक्सप्लोरेशन के कार्य में तेजी आई है। हमारे देश में सतत खनन विकास पर जोर दिया जाने लगा है और 2016-17 से मेजर हो या माइनर मिनरल सभी माइंस नीलाम करना अनिवार्य कर दिया गया है। बदली परिस्थितियों में यह भी साफ हो जाना चाहिए कि सरकारों की इच्छा शक्ति पर बहुत कुछ निर्भर करता है। इसका ताजातरीन उदाहरण राजस्थान सरकार और राजस्थान का खान एवं भूविज्ञान मंत्रालय है। देश-दुनिया में माइनिंग सेक्टर को नई पहचान देने के कारगर प्रयास राजस्थान में भजन लाल शर्मा सरकार ने कर के दिखाया है। केवल एक साल की समयावधि में ही माइनिंग सेक्टर में राजस्थान समूचे देश में लंबी छलांग लगाने लगा है। दिसंबर 24 में सरकार ने कार्यभार संभालते ही माइनिंग सेक्टर में सरकार ने साफ संदेश दे दिया कि खनिज बहुल क्षेत्रों की एक्सप्लोरेशन रिपोर्ट का अध्ययन करते हुए डेलिनियेशन और प्लॉट व ब्लॉक तैयार करने के कार्य को प्राथमिकता दी जाए और विभाग इन तैयार प्लॉटों व ब्लॉकों की नीलामी का रोडमेप बनाकर पारदर्शी ऑक्शन प्रक्रिया को अमली जामा पहुंचाएं। सरकार की मंशा के अनुसार, विभागीय अमला भी जुट गया और नई सरकार बनने के तीन माह में ही 15 मेजर मिनरल ब्लॉकों का भारत सरकार के पोर्टल पर ई-नीलामी की गई तो एक साल से कुछ ही अधिक समय में नई सरकार बनने के बाद के जनवरी, 25 तक 15 ब्लॉकों सहित 15 जोड़ 34 ब्लॉक कुल 49 मेजर मिनरल ब्लॉकों की सफल नीलामी कर नया इतिहास रचा गया। राज्य सरकार की उपलब्धि को केंद्र सरकार द्वारा भी सराहा गया और इसी 20 जनवरी को ओडिशा के कोणार्क में आयोजित नेशनल मांइस मिनिस्टर्स कॉन्फ्रेंस में वर्ष 2023-24 में देश में सर्वाधिक मेजर मिनरल ब्लॉक के ऑक्शन करने पर राजस्थान को प्रथम पुरस्कार देकर राजस्थान के प्रमुख सचिव माइंस टी. रविकांत को राष्ट्रीय स्तर पर सम्मानित किया गया है। राजस्थान खनिजों की दृष्टि से समृद्ध प्रदेश है। राज्य सरकार ने एक बात साफ समझी है कि बेशकीमती खनिजों के अवैध खनन पर अंकुश लगाने का सबसे कारगर तरीका खनिज क्षेत्रों के ब्लॉक या प्लॉट तैयार कर इन्हें पारदर्शी तरीके से ई पोर्टल के माध्यम से नीलाम किया जाए। इससे बहुत हद तक बेशकीमती खनिजों के अवैध खनन को रोका जा सकता है। वैध खननधारक पर भी अवैध खनन गतिविधियों के लिए अब राज्य सरकार ड्रोन से एसेसमेंट अनिवार्य करने जा रही है। इसी तरह के अन्य सुधारात्मक कदम उठाए जा रहे हैं। माइनर मिनरल और लाइसेंसधारी खानों के माइनिंग प्लान और माइनिंग योजनाओं का ऑनलाइन अनुमोदन इस दिशा में बढ़ता नया कदम है। ऐसे में राजस्थान ही नहीं देश के खनिज प्रधान अन्य राज्यों की सरकारों को भी एग्रेसिव कदम उठाने होंगे ताकि देश की खनिज संपदा के अवैध खनन से होने वाले नुकसान से बचाया जा सके।

# राष्ट्रीय विरासत की वैश्विक प्रतिष्ठा

इस वर्ष अपैल का महीना भारत के लिए खासा महत्वपूर्ण रहा। खुशी-गम, हर्ष-विषाद, मुस्कान और आंसू दोनों नजरिए से। अभी 18 अप्रैल को विश्व धरोहर दिवस के मौके पर यूनेस्को ने भारतीयता के दो प्रतीक ग्रंथों- श्रीमद्भागवत गीता और नाट्यशास्त्र- को वैश्विक विरासत घोषित करने का उल्लास पूरा भी न हो पाया था कि 22 अप्रैल को कश्मीर के पहलगाम में आतंकी हमले ने विषाद से भर दिया। इन दोनों महत्वपूर्ण घटनाओं के संदर्भ में भारत के बौद्धिक जगत का पूर्वाग्रही और दोहरी मानसिकता का स्याह पक्ष एक बार फिर उजागर हो गया है। यूनेस्को से मिली भारत की वैश्विक प्रतिष्ठा पर जिस रहस्यमय तरीके से यह वर्ग उदासीन, खामोश रहा, वहीं आतंकी हमले के बाद एक सुनिश्चित सी योजना के तहत परोक्ष रूप से आतंकवादियों, आतंकवाद के लिए जिम्मेदार देश के और आतंकवाद के मानसिक समर्थकों के पक्ष में चीख-चीख अपने दोहरे चरित्र का परिचय दिया, वो गौरतलब है। यहां बात भारत को मिले वैश्विक सम्मान और उनकी चुप्पी की है। संयुक्त राष्ट्र संघ के वैश्विक संघटक संयुक्त राष्ट्र शैक्षिक, वैज्ञानिक और सांस्कृतिक संगठन (यूनेस्को) ने विश्व धरोहर दिवस पर जो घोषणा की वो भारतवासियों के लिए सामान्य घोषणा नहीं थी। यूनेस्को ने इस वर्ष भारतीयता की अस्मिता और मानव समाज के लिए अद्भुत भेंट श्रीमद्भागवत गीता और ललित कलाओं के अतुल्य ग्रंथ नाट्यशास्त्र को मेमोरी ऑफ वर्ल्ड रजिस्टर (विश्व समृति दस्तावेज) में शामिल कर उन्हें वैश्विक सम्मान दिया। भारत भारतवासियों के लिए यह गौरवशाली क्षण था। उन एक ऐसी उपलब्धि रही कि न केवल भारतीय बल्कि विश्व जगत के समूचे बौद्धिक वर्ग ने इस पर प्रसन्नता व्यक्त व्यक्त कर यूनेस्को की इस पहल को सराहनीय बताया। इन सबके बीच भारतीय समाज का ही एक ऐसा वर्ग है, जिसने अपने ही देश के इस अंतरराष्ट्रीय सम्मान पर अपने होंठ कसकर सी लिए और हमेशा की तरह एक चुनी हुई चुप्पी धारण कर ली है। हमारे लिए ये आह्लादकारी गौरव के क्षण इसलिए नहीं हैं कि इन ग्रंथों को यूनेस्को के विश्व स्मृति दस्तावेज में अंकित किया गया है। वस्तुतः इसकी घोषणा एक ऐसे समय में की गई है जब भारतीय समाज का एक बौद्धिक वर्ग भारत के स्वर्णिम अतीत, भारतीय प्रज्ञा, उसकी विलक्षण मेधा, उसके ज्ञान-दर्शन-साहित्य सहित समस्त विषयों, अकादमिक अनुशासन, अद्भुत मानवीय कौशल, उसकी विस्मयकारी उपलब्धियों को, यहां तक कि एक राष्ट्र के रूप में भारत और भारतीयता के विचार को ही पूरी चेष्टा के साथ नकारने में जुटा रहता है। इतना ही नहीं, इसे लेकर वे पत्र-पत्रिकाओं, विभिन्न मंचों के साथ सोशल मीडिया पर पूरे जोर-शोर से नकारात्मक नरेशन (मिथ्या, असत्य, निराधार धारणाएं) गढ़ने और उसे फैलाने में भी सक्रिय हो जाते हैं। यह पहली बार नहीं है। इतिहास साक्षी है जब कभी, कहीं भारतीयता और भारतीय दृष्टि, आस्था, परम्पराओं, मूल्यों, मान्यताओं, स्थापनाओं, धर्म, दर्शन ग्रंथों की चर्चा चलती-निकलती है, उस समय भारतीय बौद्धिक जगत का यह समूह विस्मयकारी चुप्पी धारण कर लेता है या फिर अपनी पूरी मानसिक, शारीरिक ऊर्जा से उसे नकारने, उसका खंडन करने, उसकी प्रासंगिकता, उसकी सामयिकता, उसकी वैज्ञानिकता खोजने में लग जाता है। ऐसा विशेष कर उस समय, दौर विशेष में होता है जब अंतरराष्ट्रीय स्तर पर राष्ट्र के लिए गौरव के पल होते हैं। भारत और भारतीयता, भारतीय संस्कृति की चर्चा मात्र निकलने से उसकी प्रश्नाकुल मानसिकता कुलबुलाने लगती है, उसका तर्कपूर्ण मस्तिष्क एक सीमा तक आते-आते कुतर्कपूर्ण तरीके से उसके मूल्यों को कटघरे में खड़ा करने लगता है। निर्मल वर्मा ने चुनी हुई चुप्पी शब्द का प्रयोग भारतीय बौद्धिक जगत की उस खामोशी को उजागर करने के लिए किया था, जो राजनीतिक निहितार्थों, प्रलोभनों और वर्तमान के अलावा भविष्य की कई संभावनाओं के मद्देनजर व्यक्त नहीं की जाती है। इस वर्ग की चुनी हुई चुप्पी या मुखरता के अंतर्विरोध का आलम यह है कि यह समूह कभी किसी हिंसक तामसी परम्पराओं या अमानवीय स्त्री विरोधी रवायतों का खुलकर समर्थन ही नहीं करेगा बल्कि उसमें भागीदार बन कर जश्न मनाते हुए मुबारकबाद भी देगा। वहीं, किसी आस्था से जुड़े सात्विक पर्व की वैज्ञानिकता और प्रासंगिकता पर प्रश्न खड़े करेगा। भारतीय बौद्धिक जगत की यह खामोशी लोकतंत्र के लिए स्वस्थ नहीं है। यह सब वो एक राजनीतिक दृष्टि विशेष से करता है। वस्तुतः यह सब करना छद्म बौद्धिक समूह का फैशन बन चुका है। वर्तमान में भारत की यह उपलब्धि इस समूह के लिए एक गहरे सदमे से कम नहीं। राष्ट्रीय विरासत की वैश्विक प्रतिष्ठा के इस गौरवपूर्ण क्षणों में एक निःस्पृह चुप्पी, घोर उदासीनता, अजनबियत सी दृष्टि, रखने वाले कोई समान्य, अपरिचित या गुमनाम लोग नहीं हैं, ये लोग राष्ट्रीय स्तर पर पत्र-पत्रिकाओं में छपने वाले, लिट् फेस्ट, साहित्य उत्सवों, महोत्सवों में दंभपूर्वक शिरकत करने वाले, विभिन्न मंचों के अलावा सोशल मीडिया पर बड़ी संख्या में फॉलोअर्स रखने वाले अपने-आपको वे पढ़ने-लिखने की दुनिया वाला घोषित करते हैं। अपने वृत्त के किसी सदस्य की 25- 50 हजार रुपये का पुरस्कार मिलने की बात तो छोड़िए, किसी किताब पर सालभर की पांच-सात हजार रुपये की रॉयल्टी मिलने या किसी सामान्य-सी पत्र-पत्रिका में कोई कहानी, कविता लेख छपने पर बधाइयों का जो तांता लगता है वो हैरान करने वाला होता। भारतीय समाज का यह वो बौद्धिक वर्ग है, जो अपनी संस्कृति, अपने धर्म, अपने राष्ट्र को लेकर हीन भावना से ग्रस्त है। कल्चर से लेकर एग्रीकल्चर, पृथ्वी से लेकर मंगल तक की जानकारी रखने का भ्रम पाले हर सप्ताह-दस दिन पूंजीवाद को जड़ से उखाड़ फेंकने का दावा करने वाले रूसी क्रांति के इन महाविशेषज्ञों के इस समूह पर यूनेस्को की घोषणा वज्र गिरने जैसी है।

## Social Media Corner

### सच के हक में...

राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी दिवस पर शुभकामनाएँ! यह हमारे वैज्ञानिकों के प्रति गर्व और आभार व्यक्त करने तथा 1998 के पोखरण परीक्षणों को याद करने का दिन है। वे हमारे राष्ट्र के विकास पथ में एक ऐतिहासिक घटना थी, विशेष रूप से आत्मनिर्भरता की दिशा में हमारी खोज में। हमारे लोगों द्वारा संचालित, भारत प्रौद्योगिकी के विभिन्न पहलुओं में एक वैश्विक नेता के रूप में उभर रहा है, चाहे वह अंतरिक्ष हो, एआई हो, डिजिटल नवाचार हो, हरित प्रौद्योगिकी हो या और भी बहुत कुछ। हम विज्ञान और अनुसंधान के माध्यम से भावी पीढ़ियों को सशक्त बनाने के लिए अपनी प्रतिबद्धता की पुष्टि करते हैं। प्रौद्योगिकी मानवता का उत्थान करे, हमारे राष्ट्र को सुरक्षित करे और भविष्य की वृद्धि को गति दे।

**(प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का 'एक्स' पर पोस्ट)**

मां सिर्फ जन्म नहीं देती है, वो हर दिन हमें जीना सिखाती है। मदर्स डे के अवसर पर सभी को हार्दिक बधाई, शुभकामनाएं और जोहार। देश की अक्षुण्णता और अखंडता की रक्षा के लिए सीमा पर तैनात हमारे वीर योद्धाओं की वीर माताओं को भी मैं शत-शत नमन करता हूं।

**(सीएम हेमंत सोरेन का 'एक्स' पर पोस्ट)**

# इस्लामी जगत में भी उपेक्षित पाकिस्तान

भारतीय सेना की ओर से पहलगाम में भीषण आतंकी हमले के जवाब में गुलाम कश्मीर के साथ पाकिस्तान में आतंकियों के अड्डे तबाह करने के लिए किया गया ऑपरेशन सिंदूर भारत के सैन्य पराक्रम की एक मिसाल है। जहां भारत की इस कार्रवाई का इस्लामी देशों समेत विश्व के अनेक देशों ने समर्थन किया, वहीं तुर्की, अजरबैजान दो ही प्रमुख ऐसे मुस्लिम-इस्लामी देश रहे, जिन्होंने पाकिस्तान का साथ दिया। पाकिस्तानी आतंकी संगठनों के खिलाफ भारत की कार्रवाई पर तुर्किये के राष्ट्रपति रेसेप तैयप एर्दोगन ने पाकिस्तान का समर्थन यह कहते हुए किया था कि मैं हमलों में जान गंवाने वाले अपने भाइयों पर ईश्वर की दया की कामना करता हूं। तुर्किये का यह रवैया इसलिए आश्चर्यजनक था, क्योंकि भारत ने 2023 में वहां आए भूकंप के दौरान आपरेशन दोस्त के तहत त्वरित सहायता भेजी थी। हालांकि तुर्किये के रवैए को उसकी पाकिस्तान के साथ मजहबी एकता के रूप में देखना सही नहीं होगा। पाकिस्तान और तुर्की, दोनों ही राजनीति और सामरिकता को मजहब का लबादा पहनाने की कोशिश में लगे हैं। एर्दोगन के नेतृत्व में तुर्किये इस्लामिक दुनिया में अपनी अग्रणी भूमिका स्थापित करने की कोशिश कर रहा है, जबकि पाकिस्तान भी इस्लामी पहचान को अपनी वैचारिक नींव के रूप में पेश करता रहा है। इसका उदाहरण पाकिस्तानी सेना प्रमुख जनरल आसिम मुनीर का यह बयान है, मानवता के पूरे इतिहास में केवल दो मुल्क ऐसे हैं, जो कलमा-ए-तय्यबा की बुनियाद पर वजूद में आए। पहला था रियासत-ए-तय्यबा, जिसे आज दुनिया मदीना (सऊदी अरब) के नाम से जानती है और लगभग 1300 साल बाद, अल्लाह ने दूसरा मुल्क पाकिस्तान को इसी कलमे की बुनियाद पर बनाया। यह बयान अन्य इस्लामी देशों को रास नहीं आया। इस बयान से पाकिस्तान के सोच की झलक मिलती है, जो तुर्किये के 'नए ओटोमन' सोच से मेल खाता है, लेकिन यह इस्लामी भाईचारा नहीं है। इसके पीछे तुर्किये का रणनीतिक हित और सैन्य-औद्योगिक लेन-देन है। तुर्किये पाकिस्तान को ड्रोन, युद्धपोत और रक्षा प्रशिक्षण दान के तौर पर नहीं, बल्कि भुगतान के एवज में देता है। मध्य एशियाई देश अजरबैजान भी पाकिस्तान को समर्थन देने आगे आया। अजरबैजान ने आपरेशन सिंदूर पर कहा कि हम इस्लामिक गणराज्य पाकिस्तान के खिलाफ सैन्य हमलों की निंदा करते हैं। अजरबैजान का पाकिस्तान को समर्थन भी मजहबी भावनाओं का परिणाम नहीं, बल्कि कूटनीतिक साझेदारी का परिचायक है। पाकिस्तान वह पहला देश था, जिसने नागोर्नो-काराबाख संघर्ष में अजरबैजान का बिना शर्त समर्थन किया और आज तक आर्मेनिया को मान्यता नहीं दी। पाकिस्तान के समर्थन के बदले में अजरबैजान ने कश्मीर मुद्दे पर पाकिस्तान का अंतरराष्ट्रीय मंचों पर साथ देना तय किया। भारत अजरबैजान के पड़ोसी देश आर्मेनिया के साथ मित्रतापूर्ण संबंध रखता है, जो अजरबैजान को नागवार गुजरता है। यही वजह है कि अजरबैजान का पाकिस्तान को समर्थन अब सिर्फ दोस्ती नहीं, बल्कि एक जरूरत बन चुका है। तुर्किये और अजरबैजान की तरह एक समय मलेशिया के पूर्व प्रधानमंत्री महातिर मोहम्मद ने भी कश्मीर मुद्दे पर पाकिस्तान का खुलकर समर्थन किया था। हालांकि उनके बाद आई वहां की सरकार ने कश्मीर के मामले में संतुलित विदेश नीति अपनाई। भारत को नाराज करना उसके लिए आर्थिक घाटे का सबब बन सकता है। इसलिए वह पाकिस्तान के साथ उतना खुलकर नहीं खड़ा हुआ, जितना तुर्किये और अजरबैजान हुए। पाकिस्तान को तुर्की और अजरबैजान जैसे चुनिंदा देशों का समर्थन मिलने के बावजूद भारत ने आतंकवाद के खिलाफ निर्णायक रुख अपनाया। पहलगाम हमले की सबसे पहले निंदा करने वाले देशों में सऊदी अरब, संयुक्त अरब अमीरात जैसे प्रमुख इस्लामिक देश शामिल थे। इससे यह स्पष्ट है कि इस्लामिक दुनिया एकजुट होकर पाकिस्तान के पक्ष में खड़ी नहीं हुई। शायद इसीलिए वह पस्त पड़ा।

# निपाह वायरस

केरल में 8 मई को एक 42 साल की महिला के निपाह वायरस से संक्रमित पाए जाने का मामला सामने आया। पिछले दो सालों में राज्य के मलप्पुरम जिले में यह तीसरा ऐसा मामला है। इससे पहले पिछले साल 21 जुलाई को एक 14 साल के लड़के में तथा 15 सितम्बर को एक 24 साल के वयस्क में ऐसे मामले सामने आए थे। केरल में निपाह को पहचाने जाने के इस ताजा मामले के साथ, इस राज्य ने साल 2018 और 2023 में मानव-से-मानव में संचरण से संबंधित दो प्रकोप और साल 2019 एवं 2021 में चार फैलाव (स्पिलओवर) तथा 2024 में दो घटनाएं दर्ज की हैं। यूं तो 8 मई की घटना में सिर्फ एक ही व्यक्ति को निपाह के लिए पॉजिटिव पाया गया था और उसके सात करीबी संपर्कों के परीक्षण निगेटिव आए थे, फिर भी इसे स्पिलओवर कहना जल्दबाजी होगी। प्रकोप के उलट, निपाह का फैलाव एक ही मामले तक सीमित है तथा इसका मानव से मानव में संचरण नहीं हुआ है। मनुष्यों में संक्रमण के न फैलने की एक वजह मामले का समय पर पता लगना और रोगी को अलग किया जाना है। दूसरी वजह नैदानिक प्रस्तुति है। निपाह वायरस के फैलाव के मामले में, वायरस के लिए पॉजिटिव पाए जाने वाले मरीज तीव्र इंसेफेलाइटिस सिंड्रोम (एईएस) की समस्या के साथ सामने आए थे, जबकि 2018 और 2023 में निपाह के प्रकोप में, मूल रोगी (इंडेक्स केस) और कम से कम कुछ अन्य संक्रमित लोग तीव्र श्वसन संबंधी संकट के लक्षण [एक्यूट रेस्पिरेटरी डिस्ट्रेस सिंड्रोम (एआरडीएस)] के साथ सामने आए थे। एईएस के मुकाबले एआरडीएस के रोगियों में फेफड़े की समस्या अपेक्षाकृत ज्यादा गंभीर होती है। खांसी के अलावा एआरडीएस से पीड़ित मरीजों में वायरल लोड अपेक्षाकृत ज्यादा होता है, जो रोग की गंभीरता का सबब बनता है। इससे कोई फर्क नहीं पड़ता कि रक्त, मूत्र या मस्तिष्कमेरु द्रव के नमूने का परीक्षण पॉजिटिव आता है या नहीं, लेकिन अगर कोई व्यक्ति निपाह वायरस से संक्रमित है, तो गले के स्वाब के नमूने का परीक्षण आम तौर पर पॉजिटिव ही आता है, जो एआरडीएस के रोगियों के मामले में मानव प्रसार के सूचक के रूप में कार्य करता है।

Printed and Published by Fahim Akhtar on behalf of MAA MEDIA VENTURE and Printed at SHIVA SAI PUBLICATION PVT.LTD, Ratu, Kathitand, Near Tender Bagicha, H.P. Petrol Pump P.O.+P.S.- Ratu, Dist.-Ranchi, 835222, Jharkhand And Published at Roshpa Tower, 5th Floor, Main Road, Ranchi, Jharkhand-834001. R.N.I Number - JHABIL/2022/85899, Editor- Fahim Akhtar. Mob - 9431311669, E-mail : thephotonnewsjharkhand@gmail.com

# How to stay calm under a sky of threats

As borders blur and skies grow uncertain, the notion of war as something distant is vanishing. For civilians in India's border states — Punjab, Jammu and Kashmir, Rajasthan — the fear of drone or missile attacks is no longer abstract. It's becoming a part of daily life.But while the Indian military stays alert with radar systems and interceptors, civilians, too, must prepare — not with panic or paranoia — but with awareness, emotional readiness and community strength.Here's how to stay grounded when the air above feels unstable:Recognise the threat — but keep it in perspectiveIt's natural to feel afraid of airborne threats. Drones and missiles are fast, hard to track and terrifying. But fear must be informed by fact.

Take Israel's Iron Dome, which has intercepted over 10,000 rockets. Civilian casualties remain low, not just because of technology, but because people trust official alerts and follow simple, practised protocols.India, too, has strong air defence systems. The chance of civilian harm — especially outside immediate conflict zones — is low. Stay cautious, but not consumed.Prepare your space — not a bunker, just a planYou don't need a war room — just a safer room.In Ukraine, people instinctively move to stairwells or basements when sirens sound. It's not panic, it's habit.In India, take similar steps:Identify the safest part of your home — central, windowless if possible.Pack a "grab bag": flashlight, water, dry food, medicine, IDs, phone charger.Never run to the roof to record what's happening. Let curiosity wait. Safety comes first.Calm the mind — it's your strongest shelterDuring the Syrian conflict, researchers found that those who practiced daily breathing or prayer experienced less trauma, even in high-risk areas.India has deep traditions of innr calm. Use them:

Try box breathing: Inhale, hold, exhale, hold—for four seconds each. Repeat.Chant, meditate, pray — anything that recentres your mind.Check the news just twice a day. Constant scrolling feeds fear.Resilience isn't being fearless. It's acting wisely, even when you're scared.Learn from the world's war-tested civiliansConflict zones teach us: Preparedness is power.In South Korea, regular civil defence drills are common—even schoolchildren know where to go. Yet, life continues.In Japan, early-warning texts guide people during missile threats. Their calm isn't magic — it's muscle memory.India can adopt this spirit through:Verified WhatsApp groups run by officials — not rumour factoriesStay connected — community is your lifeline

War isolates. Don't let it.Talk to neighbors. Form check-in circles, especially for the elderly.

Make a family plan: who takes what, where to meet, who to call.Trust your local SHO, not social media gossip.In Gaza, mothers read stories in shelters. In Donetsk, teens play chess underground. Even in fear, people create life.Clean up your info-diet — don't spread panicDrones carry payloads. So does disinformation.Don't forward videos or rumours — especially those without clear sources. You could unknowingly spread enemy propaganda.Skip draining debates. Your energy is precious.Instead, share verified tips, hopeful messages, calming practices.Think of it as emotional self-defene.Acceptance, not surrender — a lesson from the EastBorrowing from Zen and Wabi-Sabi, we must accept imperfection and chaos — but not let it consume us."You cannot stop the storm, but you can find stillness in the eye of it."And when it feels too much…Call someone. Talk it out.Try grounding: name five things you see, four you touch, three you hear, two you smell, one you taste.Reserve an hour for something joyful: drawing, music, gardening, laughter.

That hour is resistance.The sky may tremble, but we don't have toIndia has faced invasions, insurgencies, even coordinated terror — but it has never broken.Today, threats may fly in, not march in. But we are not defenceless. Our weapon is not panic, but preparation. Not rage, but resilience.

Civilians are not trained for war, but you are certainly built for solidarity. For care. For survival.

# Free speech in crisis as questions are silenced

**Notably, all journalists arrested this year are associated with independent YouTube media channels.**

IN the charged atmosphere of today's India, many questions seem like invitations for punishment, for which the penalty can be severe. The killing of journalists and their arrests and detentions for posts on social media and attacks, threats and censorship of content are among the staggering range of free speech violations reported in the first four months of 2025.The spate of takedowns and the blocking of websites like The Wire and social media accounts on 'X', including that of Kashmir Times editor Anuradha Bhasin, website Maktoob Media and various Youtube channels, in the wake of the Indian government's air strikes against certain locations in Pakistan and PoK have only worsened the climate of censorship.On May 6, barely three days after World Press Freedom Day and hours before the launch of the air strikes, senior journalist and former editor of The Kashmir Reader, Hilal Mir, was detained in Srinagar. A press statement from the Counter-Intelligence Kashmir (CIK) described him as "one Radical Social Media user" who allegedly promoted "disaffection and secessionist ideology."Similar charges were used against satirists and social media influencers, including Bhojpuri singer Neha Singh Rathore and Madri Kakoti, aka Dr Medusa, and Shamita Yadav, aka The Ranting Gola. Rathore got some relief as a civil court in Ayodhya, Uttar Pradesh, dismissed a complaint against her.The charge of endangering national security was made against YouTube news channel 4PM News. Its owner and editor-in-chief Sanjay Sharma was just informed, via an email from YouTube, that the channel had been closed as per "government's directions."All of them had raised trenchant questions about security lapses in the wake of the Pahalgam attack.The lack of legal redress or even the fig leaf of self-regulatory processes in a time of conflict, when disinformation is given a free rein, add to the information black hole. The chilling effect of such actions cannot be understated.The 330 instances of free speech violations in the Free Speech Collective's (FSC) Tracker reveal the extreme intolerance — that permeates every level of society — towards voices of dissent.Vandalism indulged in and criminal complaints lodged by politically motivated sections of society show the targeting of academics, students, stand-up comics, satirists, actors and film-makers alike.Violence is the default mode for the outrage factory — whether it was in the case of the airing of 'Naya Bharat', a show by stand-up comic Kunal Kamra, or the screening of the film Chhaava or the attack on Dalit journalist Sanjay Ambedkar while he was seeking audience reviews of the film Phule in Praygraj for his YouTube channel Bheemraj Dastak.

Meanwhile, impunity continued, as the killings of journalists Mukesh Chandrakar and Raghvendra Bajpai reveal. In both cases, the police initially dismissed the killings as unrelated to their journalism.

Journalists first reported the disappearance of Chandrakar on January 1 at Bastar in Chhattisgarh. Three days later, his body was found in the septic tank of a road contractor, Suresh Chandrakar, who is also Mukesh's cousin. He was reportedly angry that Mukesh was part of a report on poor road conditions which was aired on a prominent news channel on December 25, 2024Bajpai was allegedly killed by hired shooters on March 8 at Sitapur in Uttar Pradesh to reportedly silence him from publishing a report on the alleged sexual assault of a minor by a temple priest.Notably, all journalists arrested this year are associated with independent YouTube media channels.Pogadadanda Revathi, managing director of online news channel Pulse News, and Thanvi Yadav, a reporter with the channel, were arrested at 5 am on March 12 in Hyderabad for broadcasting allegedly abusive content against Chief Minister Revanth Reddy.

Dilwar Hussain Mozumder, a reporter with independent news outlet The CrossCurrent, was arrested on March 25 in Guwahati for reporting on a protest about financial irregularities in the state-run Assam Cooperative Apex Bank.YouTube commentator and journalist Tushar Abaji Kharat was arrested on March 9 in Mumbai for airing allegedly defamatory content about the state's Rural Development Minister, Jaykumar Gore.

Interestingly, the chief ministers of the states in which the journalists were arrested — Assam CM Himanta Biswa Sarma, Maharashtra CM Devendra Fadnavis and Telangana CM Revanth Reddy — have denied any violation of press freedom. Rather, they have questioned the credentials of journalists working for independent and online news portals.While Sarma took to 'X' to "clarify that the Assam police has not arrested any journalist in recent times", Fadnavis said the journalist was indulging in "extortion." Reddy went a step further, threatening "so-called journalists" in a speech on the floor of the state Assembly and calling for them to be stripped and beaten in public.Meanwhile, government regulations detrimental to media freedom continue. The Maharashtra government is intent on pushing its draconian Maharashtra Public Security Bill. This is despite protests from journalists and civil society organisations that its broad definitions for unlawful activity were liable for misuse against legitimate journalistic work and criminalise journalists.

At the same time, film censorship, pushed through by both the authorities and vigilante groups, has continued. The enforced self-censorship of films like Empuraan and Phule, with crucial scenes and dialogues cut on the eve of, or after the film's release, make a mockery of the certification awarded by the Central Board of Film Certification (CBFC). The multiple cuts suggested for Punjab 95, cuts on foreign films screened for Indian audiences on OTT platforms and the denial of CBFC certification for award-winning films like Santosh are other signals of excessive regulation.In the face of this rampant censorship and clamping down on inconvenient truths that do not fit the official narrative, there is a pushback by civil rights organisations, journalists' unions and associations. The constitutionally guaranteed right to freedom of speech and expression must be preserved, failing which the information war will be won by falsehood and silence.

# Sticking to facts

**Don't fall for misinformation**

COUNTERING misinformation in the age of social media is vital. In times of conflict, the significance of debunking fabricated claims and false reports cannot be overstated. Fact-checking thus becomes a necessary tool to restore public trust. The heightened India-Pakistan tensions have brought to fore an incessant barrage of digital smear campaigns emanating from across the border. These social media accounts are meant to twist facts and weaponise public opinion on one side, and create panic on the other. In India, the Centre has been quick in putting out advisories and guidelines for both the mainstream and independent news-gathering platforms on what to desist from. The message is clear: stick to facts and verify before putting out any piece of information. Yet, in the eagerness to be the first to report, there have been instances of falling for and amplifying false claims and imagery.

The dissemination and consumption of information responsibly are no easy tasks. These demand application of mind and a patient reading of what's being offered. Both seem to be in short supply as videos generated through artificial intelligence and misleading messaging are being lapped up. Confusion and hysteria are the byproducts. The Indian government has asked microblogging website X (formerly Twitter) to block over 8,000 accounts. In the wide web world, there is still ample scope of playing truant and exploiting vulnerabilities. That's why it becomes incumbent upon every information provider and of course its consumer to exercise restraint and not be taken in by anything and everything that comes their way.

The joint press conference of the Foreign Secretary and two women military officers has set a benchmark of sorts — detailed, precise information on what the country, and indeed the world, needs to know. Let's stick to the facts.

# Will Asim Munir fall in line this weekend

**THE GREAT GAME: Pakistan army chief has no alternative but to pay heed to the Saudi message**

THIS weekend, as Russia celebrated the 80th anniversary of the culmination of the Great Patriotic War, which it basically helped the Allies win back in 1945 but allowed Churchill to take credit for, the world got a bit more curiouser.

Vladimir Putin and Xi Jinping pumped each other's hands over a red carpet in Moscow, but each represented unusual friendships — China's intimate tie with Pakistan is well-known, as is Russia's defence relationship with India, especially via the S-400 air defence system that has helped shield a number of India's towns from Pakistani missiles and drones in the current standoff with its western neighbour.In the US, meanwhile, US Vice-President JD Vance's comment that it is "fundamentally none of our business" to get involved in the India-Pakistan imbroglio raised several eyebrows. What did Vance mean by that, anyway?One view is that the US is washing its hands of a messy entanglement that natives occasionally indulge in — unfortunately, both have largish nuclear weapons arsenals. Another is that Trump is inclined to leave South Asia to the charms of Narendra Modi, primarily because he believes India's 1.4-billion population is a large market for American goods and a good, potential replacement for his current mortal enemy, China.But a third player has recently insinuated itself into this India-Pakistan bilateral and converted it into a trilateral — Saudi Arabia. If Pakistan's most powerful man, army chief Gen Asim Munir believes that India and Pakistan must forever be guided by the "two-nation theory" — and who is widely believed to have motivated, if not orchestrated, the heinous attack in Pahalgam — according to which Hindus and Muslims must forever be condemned to live in separate nations, then the rapidly growing friendship between Modi and Mohammed bin Salman could be the perfect riposte to Munir.As the Custodian of the Two Holy Mosques in Mecca and Medina, Saudi Arabia has played an oversized role in the development of Pakistan — from bankrolling it over the decades, to supporting it in the 1971 war

against India to being a frontline partner in supporting Taliban-ruled Afghanistan in giving Osama bin Laden shelter — and later turning a blind eye when Osama moved to Pakistan. In return for the largesse, Pakistani generals trained the Saudi military for decades.In fact, the very special and intimate Pakistan-Saudi relationship was so special that the Balochistan desert was for decades especially thrown open to Arab sheikhs who sought the thrill of hunting the endangered houbara bustard — such a delicate bird that no self-respecting Pakistani was allowed within shouting distance.It bears thinking that Pakistan's Hafiz-e-Quran army chief, a man who can recite the Holy Quran by heart, has no alternative but to pay heed to the message brought by Saudi junior foreign minister Adel al-Jubeir, who landed in Islamabad on Friday evening after a day-long trip to New Delhi.Certainly, Asim Munir must make some tough choices this weekend. Is Kashmir the jannat that he craves, once and forever eloquently described by Amir Khusrau, or is he in hock to the home of the Holy Ka'aba? Moreover, the Saudis are still rolling in oil wealth — they have rolled over a $3-billion loan to Pakistan from a year ago, plus $1.2 billion in oil imports. Pakistan, whose economy is deteriorating every day, is hoping to extract another $5 billion from the Saudis this year.

And then there's the IMF review meeting on Pakistan in DC that has been called to discuss its $7-billion bailout programme, plus a $1.3-billion dole under a climate resilience loan programme — if all goes well, Pakistan will immediately receive $2 billion.

The question is, will the US, the most powerful country with 16 per cent voting stakes in the IMF, listen to India, which has openly stated that the IMF shouldn't give any money to Pakistan because the money doesn't reach Pakistan's poor, which it is intended to do, but finds its way into the pockets of the Pakistan army? Or will it lightly reprimand Pakistan for its bad management of IMF money, but essentially let it have its way?India will invoke its own history, perhaps. How, back in 1991, it borrowed $5 billion from the IMF to fix its own broke economy, but returned the money much before it even needed to. And how Pakistan has frittered away billions over the years because the Pakistan army, not its civilian government, controls all decision-making.If the IMF lets Pakistan have its way, it would mean the US is largely disinterested in taking sides in the messy India-Pakistan affair, as both Trump and Vance have indicated. Perhaps the Americans need the IMF money as leverage over Pakistan? Perhaps, they don't want the Chinese to have full sway over Asim Munir?That, then, is where the India-Pakistan standoff stands this weekend. Will it escalate, as some fear, before it gets better, or will there be a Saudi-brokered compromise? Most importantly, will Asim Munir fall in line? Will he be persuaded by the hard facts on the ground — which is that India's GDP is 11 times larger than that of Pakistan, its purchasing power parity is 70 per cent larger at $10,200 compared to Pakistan's $6,000 and that the market cap of its richest private company, Reliance Industries, at $225 billion is more than four times larger than that of the Karachi Stock Exchange?

Will Asim Munir understand that it's all very well to keep Muslims and Hindus separate — and if the sullen resentment of the Kashmiris in the wake of the Pahalgam massacre is to be believed, they aren't really interested in joining Pakistan — he has to keep his country at least, more or less, solvent? That a war with India will only take the needle in exactly the opposite direction?As the sounds of sirens mix with birdsong this weekend morning in Chandigarh, or as the drones are repulsed in Ferozepur the night before, or as mortar shells pound Poonch, or as tracers colour the sky over Jammu and loud explosions are heard all over the city again, the questions seem far away.

In Moscow and in Washington, the big powers may be playing big games, but here on the India-Pakistan battlefront, for the moment, it only seems as if all bets are off.

## Kudos To Govt's Efforts Under PM Modi Leadership For Ensuring Peace, Stability: NSE CEO

**New Delhi.** The Managing Director (MD) and CEO of the National Stock Exchange (NSE), Ashish Kumar Chauhan, on Saturday expressed his appreciation for the Government's unwavering efforts to bring peace and stability to the country. Chauhan lauded the leadership of Prime Minister Narendra Modi, acknowledging his strong support for the Indian Armed Forces in ensuring the security and safety of the nation. "@nseindia heartily welcomes the decision by India and Pakistan to cease hostilities immediately," Chauhan wrote on the social media platform X.Kudos to the Indian Government's efforts under the leadership of Prime Minister Narendra Modi and his unwavering support to our brave Armed Forces for ensuring peace and stability for our country," he added. The commendation comes on the heels of the announcement of an immediate ceasefire between India and Pakistan, marking a significant moment in the ongoing efforts to de-escalate tensions in the region.This decision was made following a productive conversation between the Directors General of Military Operations (DGMO) of both countries, leading to an agreement to stop all firings and military actions across land, air, and sea, effective from 5 p.m. on May 10.The ceasefire, agreed upon by both India and Pakistan, marks a pivotal moment in diplomatic relations between the two nations. The international community has also welcomed this development, as it reflects a mutual commitment to reducing tensions and building a foundation for peace in the region.Meanwhile, last month, the NSE pledged Rs 1 crore to the next of kin of the victims of the deadly terror attack in Jammu and Kashmir's Pahalgam. Chauhan stated last month that the organisation stood in solidarity with the families of the victims during this difficult time.

## Govt to hold pre-emption right over oil, gas in national emergency: Draft rules

New Delhi: The government will hold pre-emption rights over all oil and natural gas produced in the country in any event of national emergency, according to draft rules being framed under a revamped oilfields legislation.

A pre-emption right (or preemptive right) is the legal right of a party – often a government or existing shareholder – to purchase or claim a product, asset, or resource before it is offered to others.

The inclusion of such rights over crude oil – extracted from underground or beneath the seabed and refined into fuels like petrol and diesel – as well as natural gas, which is used for power generation, fertilizer production, CNG for vehicles, and piped cooking gas, is intended to help the government prioritize national interests and ensure public welfare during emergencies.The producer of oil and natural gas will be paid a "fair market price prevailing at the time of pre-emption", the draft rules said.

Ministry of Petroleum and Natural Gas has invited comments on draft rules after Parliament earlier this year passed the Oilfields (Regulation and Development) Amendment Bill which replaced outdated provisions from the 1948 Act, to boost domestic production, attract investment, and support the country's energy transition goals."In the case of a national emergency in respect of petroleum products or mineral oil, Government of India shall, at all times, during such emergency, have the right of preemption of the mineral oils, refined petroleum or petroleum or mineral oil products produced from the crude oil or natural gas extracted from the leased area, or of the crude oil or natural gas where the lessee is permitted to sell, export or dispose of without it being refined within India," the rules stated.This right will be exercised by providing a "fair market price prevailing at the time of pre-emption to the lessee by Government of India, for the petroleum or petroleum or mineral oil products or the crude oil or natural gas taken in pre-emption." The rules however did not define what would constitute a national emergency.

## Mother's Day 2025: Here are a few financial gifts to consider for your mom

Kolkata: History has it that Mother's Day was first observed in the US in 1907 by Anna Jarvis, who was inspired by her mother's service as a community health advocate. This year Mother's Day will be observed on Sunday, May 11 and you can consider a financial gift to your mother, which will also increase her financial security.Every year, Mother's Day is celebrated on the second Sunday of the month of May. The financial instruments that you can consider for gifting can be a health insurance policy, Public Provident Fund (PPF), Fixed Deposit (FD) and even lumpsums and SIP in mutual fund schemes. Let us have a close look at each of these.

Possible Mother's Day gifts

Health insurance: The importance of a health insurance policy cannot be overestimated as the Covid 19 pandemic has spectacularly shown. Even if you mom has a health insurance policy, another one will only bolster her security. Even if the cover provided by the first insurance policy falls short, the second one can beef up her security.

Fixed deposit: There is hardly a senior citizen in this country who does not care about a Fixed Deposit (FD). You can gift your mom an FD with any amount that you are comfortable with. Most banks still offer a decent rate of interest (above 7%) on FDs for senior citizens. Though the interest income is taxable, the new TDS limits could allow her a relief.

Public Provident Fund: The PPF, or Public Provident Fund is a long-term tax-efficient instrument in the EEE category where one can invest any amount each year between Rs 500 and Rs 1.5 lakh. Currently, it offers 7.1% interest with maximum possible safety of capital.

# Geopolitical Tensions, Macroeconomic Data, And Earnings To Drive Indian Stock Markets Next Week: Experts

**Following a period of consolidation, Indian equity benchmarks experienced a sharp correction amid escalating geopolitical tensions between India and Pakistan, which fueled market volatility and triggered a shift toward risk-off sentiment.**

**New Delhi.** Indian stock markets, in the upcoming week starting from Monday, will be Geopolitical developments, particularly the ongoing tensions with Pakistan, macroeconomic data and the corporate earnings of the companies. The market experts say that the week of May 13 to 16, 2025, brings a slate of crucial economic data releases across India, the United States, and China, which will guide investor sentiment and central bank expectations."The upcoming week will be pivotal, marked by several key domestic triggers. Geopolitical developments, particularly the ongoing tensions with Pakistan, will continue to remain in focus," said Ajit Mishra - SVP, Research, Religare Broking Ltd. As per Mishra, on the macroeconomic front, investors will closely monitor the release of key data points including the Consumer Price Index (CPI), Wholesale Price Index (WPI), and trade figures for exports and imports.Additionally, he added that the corporate earnings season will gather pace, with several major companies--such as PVR INOX, Tata Steel, Bharti Airtel, Cipla, GAIL, Hero MotoCorp, Tata Motors, Lupin, Godrej Industries, and BHEL--scheduled to announce their quarterly results.In India, inflation will be in focus with the release of CPI YoY data on May 13, providing clarity on consumer price trends and their implications for the Reserve Bank of India's monetary policy. Additionally, Exports YoY data on May 15 will shed light on the health of India's external trade amid global uncertainties," the team of Bajaj Broking Research added in a note.Following a period of consolidation, Indian equity benchmarks

experienced a sharp correction amid escalating geopolitical tensions between India and Pakistan, which fueled market volatility and triggered a shift toward risk-off sentiment. The Nifty 50 closed the week at 24,008.00, marking a decline of 1.39 per cent, while the BSE Sensex ended at 79,454.47, down 1.30 per cent.

The key equity indices registered notable losses this week, primarily driven by escalating geopolitical tensions between India and Pakistan following reports of drone and missile attacks. The sell-off intensified on the final trading day of the week, after the Indian Army reported multiple overnight drone and munition attacks by Pakistani forces, heightening fears of further escalation.Meanwhile, U.S. markets also traded mostly in the red, as the Federal Reserve kept interest rates unchanged--which was widely expected move--but flagged growing uncertainty around the economic outlook, adding to global investor caution. Most sectors bore the brunt of the market decline, with Realty, Banking, Pharma, and Financial Services stocks recording the steepest losses, falling between 2 per cent and 6 per cent. However, select segments such as Auto and Media displayed relative resilience, partially cushioning the overall downside.

# India-UK FTA welcome move; not much bearing on car prices: Mercedes-Benz, BMW

**NEW DELHI**. Mercedes-Benz and BMW have termed the India-UK free trade agreement (FTA) a positive development while noting that it would not have much bearing on the prices of luxury cars in the country.Last week, India and the UK sealed a landmark FTA that will lower tariffs on 99 per cent of Indian exports and would make it easier for British firms to export whisky, cars and other products to India, besides boosting the overall trade basket.The aim is to double two-way commerce by 2030 from the present USD 60 billion India has included adequate safeguards in the agreement to protect its sensitive sectors and in the automobile segment, the import duty will be reduced over 10-15 years.

Mercedes-Benz, BMW logos

UK FTA a boost for most sectors, worry for a fewThe duty concession on imports of petrol and diesel engine vehicles from the UK is limited to a pre-defined quota."Fundamentally, we have always advocated free trade as a multinational company, because we feel that free trade helps in better growth...So I think for us, definitely it's a real welcome move, because it helps," Mercedes-Benz India MD and CEO Santosh Iyer told PTI.He noted that there is an expectation of price cuts for cars due to the India-UK pact and also because of the under-discussion India-EU FTA."Around 95 per cent of the cars we (industry) sell in India are all CKDs. Which means hardly 15-16 per cent duty even today. So to expect a huge price correction, I don't think it would happen even with an FTA," Iyer said.The second critical factor is the quota-based system for imported cars, he added.BMW Group India President and CEO Vikram Pawah said the automaker supports free market access and reduction of trade barriers as it's a win-win situation for overall economic growth and benefits the consumers.

"India-UK FTA seems to be a landmark deal covering various aspects of mutual trade in goods, services, and mobility and will contribute to the greater vision of Viksit Bharat," he added.

Pahwa, however, noted that the impact on the Indian luxury segment will become clearer once there is more information regarding the finer details.

"At the same time, BMW Group India has very strong local production and localisation in the India market and remains committed towards that," he stated.

# India's Top 10 Companies: Significant Losses Across Banking and IT Sectors

**Last week's 1.30% BSE Sensex decline resulted in a combined market valuation erosion of Rs 1,60,314.48 crore for eight of India's top ten most valued companies. Reliance Industries suffered the largest loss (Rs 59,799.34 crore), followed by ICICI Bank and HDFC Bank. However, Hindustan Unilever and Infosys saw market cap increases.**

**New Delhi.** With BSE Sensex declining 1.30 percent last week, the combined market valuation of eight of the top-10 most valued firms of India eroded by Rs 1,60,314.48 crore. As the stock market got adversely affected due to the tensions between India and Pakistan, Reliance Industries was hit the hardest, in line with a sluggish trend in equities.Of the top 10 companies, Reliance Industries, Bajaj Finance, Bharti Airtel, ICICI Bank, ITC, HDFC Bank, Tata Consultancy Services (TCS), and State Bank of India (SBI)

faced erosion from their market valuation. The market valuation of Hindustan Unilever and Infosys went up.Reliance Industries recorded its market valuation decreasing by Rs 59,799.34 crore to Rs 18,64,436.42 crore. Country's second largest private sector bank ICICI Bank witnessed its market valuation drop Rs 30,185.36 crore to Rs 9,90,015.33 crore.HDFC Bank, country's top private bank's market cap decreased Rs 27,062.52 crore to Rs 14,46,294.43 crore.

India's largest public sector bank, State Bank of India, recorded losses of Rs 18,429.34 crore to Rs 6,95,584.89 crore.The market capitalisation (mcap) of Bajaj Finance declined Rs 13,798.85 crore to Rs 5,36,927.95 crore.The valuation of ITC decreased Rs 8,321.89 crore to Rs 5,29,972.97 crore, while TCS went down by Rs 578.89 crore to Rs 12,45,418.09 crore.Telecom operator Bharti Airtel's market capitalisation declined Rs 2,138.29 crore to Rs 10,53,891.62 crore. The mcap of Hindustan Unilever Ltd gained Rs 2,537.56 core to Rs 5,48,382.85 crore.Infosys added Rs 415.33 crore, taking its market valuation to Rs 6,26,083.70 crore.The BSE benchmark dropped 1,047.52 points last week. Meanwhile, data showed that Foreign investors continued with sustained buying.

# 'Treasure hunt': Tourists boost sales at Don Quijote stores in Japan

**TOKYO.** Business is booming at Japanese discount chain Don Quijote, which sells everything from nostril-hair wax to compact gadgets and colourful party costumes, thanks to its cult status among tourists but also inflation at home.At a large Don Quijote store in Tokyo's bustling Shibuya district, hundreds of tourists rush to fill their baskets with snacks and souvenirs from its heaving narrow aisles."I was pretty overwhelmed at first, just because there's so many options, everything's in a different language," 27-year-old Garett Bryan from the United States told AFP.But "I feel like I bought a lot and it was only like $70" including "a coffee cup for my mom, a fan, some Godzilla chopsticks, just a couple toys".

The chaotic cut-price shops nicknamed "Donki" were founded in the 1980s by Takao Yasuda, who named them after his business inspiration: the idealistic protagonist of the classic Spanish novel, "Don Quixote".He wanted to shake up Japan's staid retail industry with new tactics including late-night opening hours as well as more varied prices and product lines.Now a record influx of visitors to Japan, fuelled by a weak yen, is boosting sales nationwide.Revenues at Don Quijote in Japan are "around 1.7 higher than before the pandemic", said Motoki Hara, a manager at the retailer.Last year its parent firm Pan Pacific International Holdings (PPIH) saw revenue rise around 12 percent year-on-year for its discount chains including Donki, while tax-free sales beat internal forecasts.Shopping at Don Quijote is like a "treasure hunt" -- a fun experience that foreign visitors love, Hara told AFP."Customers end up buying something different than what they came in for," he said beside rows of cherry-blossom flavour KitKats, a popular exclusive product.Jungle-likeDon Quijote and its sister brands have 501 stores in Japan, where 24 new ones opened during the past financial year.PPIH Group also runs 110 stores abroad, in the United States and across Asia from Taiwan to Thailand.California is one place being targeted by the company for expansion, according to analyst Paul Kraft, founder of Tokyo-based consultancy firm JapanIQ.But that plan could be complicated by US President Donald Trump's trade tariffs -- including levies of 24 percent on Japan, which have been paused until July.Even so, "I wouldn't bet against them, even in this entire high-tariff environment", Kraft said."Nobody adjusts as fast as Don Quijote in retail in Japan -- even faster than convenience stores, because they give so much autonomy to their stores."

# Government to hold pre-emption right over oil, gas in event of national emergency: Draft rules

**Ministry of Petroleum and Natural Gas has invited comments on draft rules after Parliament earlier this year passed the Oilfields (Regulation and Development) Amendment Bill .**

**NEW DELHI**. The government will hold pre-emption rights over all oil and natural gas produced in the country in any event of national emergency, according to draft rules being framed under a revamped oilfields legislationA pre-emption right (or preemptive right) is the legal right of a party - often a government or existing shareholder - to purchase or claim a product, asset, or resource before it is offered to others.he inclusion of such rights over crude oil - extracted from underground or beneath the seabed and refined into fuels like petrol and diesel - as well as natural gas, which is used for power generation, fertilizer production, CNG for vehicles, and piped cooking gas, is intended to help the government prioritize national interests and ensure public welfare during emergencies.The producer of oil and natural gas will be paid a "fair market price prevailing at the time of pre-emption", the draft rules said.

Ministry of Petroleum and Natural Gas has invited comments on draft rules after Parliament earlier this year passed the Oilfields (Regulation and Development) Amendment Bill which replaced outdated provisions from the 1948 Act, to boost domestic production, attract investment, and support the country's energy transition goals."In the case of a national emergency in respect of petroleum products or mineral oil, Government of India shall, at all times, during such emergency, have the right of preemption of the mineral oils, refined petroleum or petroleum or mineral oil products produced from the crude oil or natural gas extracted from the leased area, or of the crude oil or natural gas where the lessee is permitted to sell, export or dispose of without it being refined within India," the rules stated.

This right will be exercised by providing a "fair market price prevailing at the time of pre-emption to the lessee by Government of India, for the petroleum or petroleum or mineral oil products or the crude oil or natural gas taken in pre-emption."The rules however did not define what would constitute a national emergency.Industry sources said war or war-like situations -- like the one that the country faced in the military standoff with Pakistan -- or natural disasters could constitute a national emergency."Government of India shall be the sole judge as to what constitutes a national emergency in respect of mineral oils, and its decision in this respect shall be final," the rules said.The draft rules also provide for oil and gas operators being exempt from their obligations under the Act in force majeure conditions.Force majeure includes an act of God, war, insurrection, riot, civil commotion, tide, storm, tidal wave, flood, lightning, explosion, fire, earthquake, pandemic and any other happening which the lessee could not reasonably prevent or control, the rules added.

# "Successfully Executed Assigned Tasks In Operation Sindoor": Air Force

Operation Sindoor was launched on May 7 to strike terror infrastructure in Pakistan and Pakistan-Occupied-Kashmir following a deadly attack in Jammu and Kashmir's Pahalgam.

**New Delhi.** The Indian Air Force on Sunday said it has "successfully executed its assigned tasks" in Operation Sindoor, a day after India and Pakistan agreed to a ceasefire following days of intense military exchanges.Operation Sindoor was launched on May 7 to strike multiple terror sites in Pakistan and Pakistan-Occupied-Kashmir after a deadly attack in Jammu and Kashmir's Pahalgam last month.In a post on X, the Air Force said the operations were conducted "in a deliberate and discreet manner, aligned with National Objectives"."The Indian Air Force (IAF) has successfully executed its assigned tasks in Operation Sindoor, with precision and professionalism. Operations were conducted in a deliberate and discreet manner, aligned with National Objectives. Since the Operations are still ongoing, a detailed briefing will be conducted in due course. The IAF urges all to refrain from speculation and dissemination of unverified information," it wrote.

The Air Force's post came a day after India and Pakistan reached an understanding to stop all firings and military actions on land, air and sea, with immediate effect.

However, after drones were sighted and intercepted in various locations in Jammu and Kashmir, including Srinagar, and parts of Gujarat on Saturday evening, India said that Pakistan violated the ceasefire and its armed forces responded appropriately."Over the last few hours, there have been repeated violations of the understanding arrived at earlier this evening between the Directors General of Military Operations of India and Pakistan. This is a breach of the understanding arrived at earlier today. The armed forces are giving an adequate and appropriate response to these violations, and we take very, very serious notice of these violations," Foreign Secretary Vikram Misri told reporters around 11:20 pm.He called upon Pakistan to take "appropriate steps" to address the violations and deal with the situation with "seriousness and responsibility"."The armed forces are maintaining a strong vigil on the situation. They have been given instructions to deal strongly with any instances of repetition of the violations along the International Border as well as the Line of Control," Mr Misri added.Prime Minister Narendra Modi has on Sunday afternoon chaired yet another high-level meeting at his residence with Defence Minister Rajnath Singh, National Security Advisor (NSA) Ajit Doval, Chief of Defence Staff (CDS) General Anil Chauhan, and the tri-services chiefs.

## BrahMos Blitz Leaves Pakistan Reeling: Inside the Strikes That Forced a Ceasefire

**New Delhi.** India, in a historic first, deployed its BrahMos supersonic cruise missile in active combat as part of a coordinated but measured precision strike against key Pakistani military infrastructure early on May 10. Known for its speed, accuracy and versatility, the use of the BrahMos highlighted India's ability to project overwhelming firepower with technological superiority while maintaining strategic restraint. Conducted in response to a series of Pakistani provocations, the strikes targeted important air bases and radar sites deep within enemy territory, crippling Pakistan's forward-operating capabilities.

India's air offensive, according to sources, relied on an array of advanced weaponry, including HAMMER precision-guided munitions, SCALP cruise missiles and loitering munitions. But it was the combat debut of the Indo-Russian BrahMos missile that marked a turning point in the operational doctrine of the Indian military. With pinpoint accuracy and rapid execution, the strikes systematically dismantled Pakistan's ability to coordinate air operations or launch credible retaliatory strikes.

The chosen targets, airbases at Rafiqui (Shorkot), Murid (Chakwal), Nur Khan (Chaklala), Rahim Yar Khan, Sukkur, Chunian (Kasur), Skardu, Bholari, Jacobabad and Sargodha as well as radar stations at Pasrur and Sialkot, were not only vital military assets but symbols of Pakistan's strategic depth. The attack effectively blinded Pakistan's air defense grid and fractured its command-and-control network at a critical moment.

The Indian military's choice of targets reflected strategic precision. Nur Khan Airbase, located near Islamabad, was hit to sever Pakistan's air mobility command, crippling logistical coordination. Home to frontline PAF fighter squadrons, Rafiqui was struck at the height of its operational alertness. Murid, which houses Pakistan's unmanned aerial vehicles and combat drones, was also a primary objective. Meanwhile, Skardu and Bholari, vital for northern and southern air operations, were neutralised to limit Pakistan's geographic reach and rapid deployment capability.

Notably, officials made it clear that their objective was not escalation but deterrence. Speaking at a special joint press briefing by the Ministry of Defence and the Ministry of External Affairs, Colonel Sofiya Qureshi and Wing Commander Vyomika Singh, flanked by Foreign Secretary Vikram Misri, emphasised India's intent to contain the conflict.

"Actions have been effectively countered and responded to appropriately," said Colonel Qureshi, adding, "The Indian armed forces reiterate their commitment to non-escalation—provided it is reciprocated."The counteroffensive came after Pakistan launched over 26 air intrusion attempts across a wide front stretching from Srinagar to Nalia, employing drones, loitering munitions and long-range weapons. These attempts were successfully intercepted, but not before Pakistan's attacks caused limited damage at Indian Air Force stations in Udhampur, Pathankot, Adampur, and Bhuj.

Wing Commander Singh also condemned Pakistani missile attacks post 1:40 a.m., describing them as a "deplorable and cowardly act" targeting medical and educational facilities.Indian officials also rejected Pakistan's claims of having destroyed several Indian air installations as falsehoods meant to fuel a misinformation campaign. Time-stamped images of Adampur, Sirsa, and the BrahMos base at Nagrota were shared with the press to refute the allegations.

## Op Sindoor still ongoing, briefing soon: Air Force after India-Pak ceasefire

**NEW DELHI.**The Indian Air Force (IAF) on Sunday stated that Operation Sindoor -- launched as a counter-offensive against the dastardly attack by Pakistan-backed terrorists in Pahalgam -- is still in progress, a day after US President Donald Trump announced a ceasefire between New Delhi and Islamabad."Since the Operations are still ongoing, a detailed briefing will be conducted in due course. The IAF urges all to refrain from speculation and dissemination of unverified information," the IAF declared on its official handle in X."The Indian Air Force (IAF) has successfully executed its assigned tasks in Operation Sindoor, with precision and professionalism. Operations were conducted in a deliberate and discreet manner, aligned with National Objectives," the tweet further read.

The IAF's revelation comes barely a day after the US claimed to have brokered a peace deal between the two nuclear-armed nations.However, the fragile ceasefire seemed to last only for a few hours before Pakistan started heavy shelling along the International Border in the Rajouri sector and Srinagar.

## 60 domestic flights to and from IGI airport cancelled, security up

**NEW DELHI.** At least 60 domestic flights to and from the Delhi airport were cancelled on Saturday in view of the evolving military crisis between India and Pakistan, officials said.Security measures have been reinforced, and at least 32 airports in northern and western parts of the country have been temporarily shut amid the military conflict.

Meanwhile, the Central Industrial Security Force (CISF) on Saturday said it has extended an additional security cover to temporarily supervise cargo operations and in-line hold baggage screening system at 69 civil airports of the country under its counter-terrorist cover.Sources privy to the developments said 30 domestic departures and 30 arrivals were cancelled at the Indira Gandhi International (IGI) Airport in the capital between 5 am and 2.30 pm.

On Friday, 138 flights to and from the Delhi airport were cancelled by various airline operators. In the last few days, there have been multiple flight cancellations at the IGI Airport.

In a post on X on Saturday, the Delhi International Airport Limited (DIAL) which operates the IGI Airport, said airport operations continue as normal.

"However, due to evolving airspace conditions and enhanced security measures as directed by the Bureau of Civil Aviation Security, some flight schedules may be impacted and security processing times may take longer," it said.Passengers have also been advised to arrive early to accommodate potential delays at security checks.

Further, the aiport authority has requested passengers to cooperate with airline and security staff for smooth facilitation.According to officials, the cancelled flights include four international arrivals, five international departures, 63 domestic arrivals and 66 domestic departures.

## Summer break: Schools directed to discontinue guest teachers' services

**NEW DELHI.** The Directorate of Education (DoE) has directed all heads of schools (HOS) to discontinue the services of guest teachers during the upcoming summer vacation from May 11 to June 30.According to a circular, this step is part of the routine summer schedule and guest teachers in government and taken-over schools will not work during this period.

However, the HOS have been authorised to engage them for essential tasks such as admissions and examinations. Guest teachers may also be appointed for summer activities or remedial classes if required, and payment must be made as per existing norms. Prior approval from the deputy director of education of the concerned district is mandatory for such engagements. The directive is aimed at ensuring efficient deployment of guest teachers without affecting essential academic and administrative functions during the break.

Despite the directive, Delhi government schools continue to face a significant teacher shortage. Recently, school heads were asked to submit proposals for engaging guest teachers against short-term vacancies within seven days. Additionally, they must identify a vacant post for salary adjustment and disbursement while submitting these proposals.

As per sources, Delhi has around 13,000 guest teachers, with nearly half assigned to non-teaching duties. Guest teachers have repeatedly written to the Lieutenant Governor, seeking a salary revision, citing that the current pay structure is "regrettably insufficient."

Government School Teachers' Association secretary Ajay Veer Yadav said, "Guest teachers are integral to the effective functioning of schools, often filling the gaps due to the chronic shortage of regular teaching staff in the Directorate of Education. Their hard work ensures academic processes continue uninterrupted, thereby contributing significantly to the quality of education provided to our students."

## Special train from Jammu brings stranded to Delhi

**NEW DELHI.** In a dramatic overnight development, hundreds of civilians from Jammu and Kashmir – mostly stranded tourists and students – arrived at the New Delhi Railway Station on Friday night, fleeing intense missile strikes and drone attacks amid rising hostilities between India Pakistan.In a major evacuation effort, hundreds of students and tourists from J&K arrived safely in New Delhi late on Friday, following an announcement by Union Railway Minister Ashwini Vaishnaw of four special trains from Jammu.

The Jammu Tawi Special reached New Delhi Railway Station around 11:55 pm, carrying civilians escaping the escalating border tensions and cross-border attacks.

The railway station was abuzz with activity as stranded students, many studying in universities across J&K and Punjab, made their way back to safety. Most had been stranded amid the military escalations between the two neighbouring countries, and were forced to travel to Jammu before being evacuated via special trains.

For the students who arrived onboard the special train on Friday night, the Students Federation of India (SFI) made arrangements for the makeshift accommodations in office spaces and apartments in Delhi, with more than 200 students temporarily housed in coordination with the members of the student organisation.

Speaking to this newspaper, SFI Delhi president Sooraj Elamon said, "All the 200 students were accommodated. We have arranged food for them as well. The major concern was to arrange their travel back home. We got in touch with railway officials and Rajya Sabha MPs to get them reservations at the earliest. We worked round-the -clock to finalise their tickets, food, and ensure they reached home safely."

"We had got over 300 distress calls from students who wanted to reach home at the earliest. Meanwhile, the evacuation continues, with efforts underway to locate and assist others still stuck in the conflict zone. However the situation is better now and the students will hopefully face no problem in returning once the trains and flights resume," he addedSFI national president VP Sahu said, "SFI's helpline has aided hundreds of stranded students in border regions. We've arranged accommodations for them in Delhi."

**Student outfit arranges accommodation**

For the students who arrived onboard the special train on Friday night, the Students Federation of India made arrangements for the makeshift accommodations in office spaces and apartments in Delhi, with more than 200 students temporarily housed in coordination with the outfit.

# How India Forced Pakistan To Plead For Ceasefire After Islamabad's Nuclear Attack Rhetoric

**New Delhi.** India's stunningly effective and precisely coordinated military operation left Pakistan isolated, exposed and pleading for a ceasefire within hours. Codenamed 'Operation Sindoor', the Indian armed forces launched a 90-minute precision air offensive in the early hours of May 10, targetting 11 key bases of the Pakistan Air Force (PAF) deep inside the country's airspace. The strikes crippled Pakistan's combat readiness and forced its leadership scrambling for diplomatic intervention. What began as an attempt by Islamabad to brandish its nuclear posture as a deterrent against growing Indian assertiveness quickly spiraled into an operational and psychological disaster. Following weeks of heightened tensions and provocative statements from Pakistani officials suggesting readiness for nuclear escalation, India launched an audacious preemptive strike aimed not just at neutralising threats but dismantling Pakistan's ability to sustain or even contemplate a military response.

Between 3:00-4:30 a.m., Indian Air Force fighter jets armed with long-range precision weapons struck Pakistan's vital operational architecture. These included Nur Khan Airbase in Chaklala, Rafiqui in Shorkot, Murid, Sukkur, Sialkot, Pasrur, Chunian, Sargodha, Skardu, Bholari and Jacobabad – an array of strategically spread-out installations that formed the backbone of Pakistan's aerial warfare and logistics capabilities.The most audacious and symbolic of these strikes was the obliteration of Nur Khan Airbase, located right next to Islamabad. A key military logistics artery often used for high-level VIP and military transport, its neutralisation effectively severed top-tier coordination between Pakistan's political and defense leadership. The blow was not only operational but deeply psychological. It sent shockwaves through Rawalpindi's military command structure.

At Rafiqui PAF base, Indian missiles destroyed aircraft shelters and crippled runway systems. The strike made the base, which was once a hub for Pakistan's frontline combat squadrons, completely inoperable.Murid Airbase was another crucial node targeted by India. A known training and potential missile storage hub, its loss further degraded the PAF's long-term combat readiness.

The strikes on Sukkur and Jacobabad cut off southern and western mobility corridors, isolating troop movements and disrupting internal logistics.Sialkot, situated close to the Indian border, and Pasrur, used for dispersal and emergency operations, were among the first to be hit. Their destruction left the eastern front exposed and denied Pakistan any forward-operating flexibility.

Meanwhile, India's strikes on Chunian, a vital radar and communications site, and Skardu, a launch pad for high-altitude surveillance and operations in Gilgit-Baltistan, created critical surveillance gaps, particularly in the northern sector, further tilting strategic advantage in India's favor.However, the most consequential blow came with the decimation of Sargodha airbase (Mushaf Base) – which was long regarded as the nerve center of Pakistan's air operations and nuclear delivery platforms. As home to the elite Combat Commanders School and key command-and-control functions, Sargodha's destruction left the PAF disoriented, blind and incapable of mounting a coordinated response.

NEWS BOX

## Rubio dials Pakistan army chief, Indian External Affairs Minister, urges de-escalation

**Washington.**US President Donald Trump added a new art piece to the Oval Office- a statue depicting the aftermath of the July 2024 assassination attempt against him in Butler, Pennsylvania.

The sculpture was spotted sitting on a side table next to Trump's Resolute Desk on Friday as he signed several executive orders in front of reporters.

In a post on X, the White House said, "FIGHT! FIGHT! FIGHT! Spotted in the Oval Office."

The statue depicts Trump defiantly raising his fist in the air moments after being hit in the ear by one of would-be assassin Thomas Matthew Crooks' bullets on July 13."Fight Fight! Fight!" Trump shouted at rallygoers at the Butler Farm Show Grounds, in the iconic moment captured by the artist.Three Secret Service agents, including the current director of the agency Sean Curran, can also be seen in the art piece trying to usher Trump offstage.

The Oval Office statue isn't the only piece of art related to the Butler assassination attempt on display at the White House.The painting depicts Trump moments after a bullet grazed his ear during a campaign rally in Butler, Pennsylvania, last July. Trump is shown defiantly raising his fist in the air with blood splattered across his face and the American flag in the background.Special Assistant to the President and White House Principal Deputy Press Secretary Harrison Fields clarified in a post on X that "Obama remains in the Entrance Hall of the White House State Floor."The portrait is displayed in the Grand Foyer of the East Wing, while former President Barack Obama's portrait has been relocated to the Entrance Hall of the White House State Floor.

Fields' post shows that the Obama painting is still hanging in a prime spot, overlooking former President Franklin D Roosevelt's Steinway grand piano, as reported by the New York Post.

## Iran Will Not Back Down From Nuclear Rights, Foreign Minister Says

**Dubai.**Iranian Foreign Minister Abbas Araqchi said on Saturday that if the United States' goal is to deprive Iran of its "nuclear rights", Tehran will never back down over those rights.

Araqchi was speaking in Doha a day ahead of another round of planned nuclear talks between Iran and the US in Oman."If the goal of the negotiations is to deprive Iran of its nuclear rights, I state clearly that Iran will not back down from any of its rights," state media quoted Araqchi as saying.Iran has repeatedly said its right to enrich uranium is non-negotiable and has ruled out a "zero enrichment" demand by some US officials.But U.S. President Donald Trump's special envoy, Steve Witkoff, said in an interview on Friday that Iran's "enrichment facilities have to be dismantled" under any accord with the United States.

Trump, who withdrew Washington from a 2015 deal between Tehran and world powers meant to curb its nuclear activity, has threatened to bomb Iran if no new deal is reached to resolve the long unresolved dispute.Western countries say Iran's nuclear programme, which Tehran accelerated after the U.S. walkout from the now moribund 2015 accord, is geared toward producing weapons, whereas Iran insists it is purely for civilian purposes."In its indirect talks with the United States, Iran emphasizes its right to peaceful use of nuclear energy and clearly declares that it is not seeking nuclear weapons," Araqchi said."Iran continues negotiations in good faith, and if the goal of these talks is to ensure the non-acquisition of nuclear weapons, an agreement is possible. However, if the aim is to limit Iran's nuclear rights, Iran will never retreat from its rights."

## Chicago White Sox celebrate Pope Leo XIV as a longtime supporter

**UPDATED.**In an unexpected win for Chicago's South Side, the struggling White Sox have found a new and perhaps divine supporter: Pope Leo XIV. The newly elected pontiff, born Robert Prevost, made history this week as the first-ever Pope from the United States — and it didn't take long for his Chicago sports roots to come to light.Amid initial reports that he might be a Cubs fan, the White Sox quickly set the record straight after Pope Leo's brother, John Prevost, confirmed in an interview with WGN-TV that the pontiff has always been loyal to the Sox. "He was always a Sox fan," John said, clearing up the confusion caused by a viral Cubs post that congratulated the Pope with a doctored Wrigley Field marquee.The White Sox embraced the revelation with pride, posting a video of the interview and updating the scoreboard at Guaranteed Rate Field to read: "HEY CHICAGO, HE'S A SOX FAN!" That message was still on display during batting practice Friday, ahead of the team's game against Miami.White Sox manager Will Venable welcomed the news, calling it a "proud moment for Chicago." Smiling, he added: "We'll take it. It's great to have him on our side, for sure."

The team also sent a jersey and cap to the Vatican, commemorating their most high-profile fan at a time when reasons to celebrate have been few. The White Sox currently sit at the bottom of the AL Central, coming off a historically poor 41–121 season in 2024 — the worst in modern MLB history.But Pope Leo XIV's fandom appears to go deeper than most imagined. Social media users unearthed footage of him attending Game 1 of the 2005 World Series at the US Cellular Field, cheering on the Sox as they clinched a 5–3 win over the Houston Astros. The Sox would go on to sweep the series — their first championship since 1917.

His sports loyalty extends beyond baseball. Rev. Robert P. Hagan, a friend of Pope Leo and chaplain at Villanova University — the Pope's alma mater — told The Athletic that Leo also keeps a close eye on the New York Knicks due to their strong core of former Villanova stars.

# Pakistan admits to role in Pulwama terror attack amid Pahalgam heat

**world** In a moment of showmanship amid the heat of tensions, Pakistan's military brass admitted to its role in the killing of 40 paramilitary personnel in Pulwama in 2019. The rare admission that the Pulwama terror attack was "a tactical brilliance" of the Pakistani military came after years of denial and in front of dozens of media personnel, including foreign correspondents."We tried to tell them with our tactical brilliance in Pulwama...," said Air Vice Marshal Aurangzeb Ahmed during a press conference on Friday. He is the Director General Public Relations for the Pakistan Air Force (PAF).With this, Aurangzeb has not only destroyed the fig leaf that Pakistan was using over the Pulwama attack, but also the April 22 Pahalgam attack. The rare admission runs counter to Pakistan's claim of innocence in the Pahalgam terrorist attack, and the pretence of seeking evidence from India over its involvement.Lt Gen Chaudhry is the son of nuclear scientist Sultan Bashiruddin Mahmood, who met al-Qaida chief Osama bin Laden and tried to hand over nuclear weapons technology to terrorists. He features on the UN Security Council's al-Qaida Sanctions Committee list of terrorists.Pakistan has consistently denied involvement in the Pulwama attack, where a Jaish-e-Mohammed (JeM) suicide bomber killed 40 CRPF personnel. Pakistan's then-Prime Minister Imran Khan called the attack a "matter of grave concern" but rejected the involvement of its army establishment's role in the attack.Pakistan demanded evidence and denied India's charges, despite the JeM claiming responsibility. Pakistan's denial persisted despite India's dossier linking the attacker, Adil Ahmad Dar, to the JeM, whose headquarters in Bawahalpur, Subhan Allah camp, was turned to rubble by Indian strikes during Operation Sindoor.In relation to the Pulwama attack, India conducted airstrikes on a JeM terror camp in Balakot, POK. The operation on terror hideouts involved 12 Mirage 2000 jets targeting JeM's largest training camp.Pakistan's response led to an aerial dogfight and the capture of Indian fighter pilot Abhinandan Varthaman. However, the air force officer was released by Pakistan days later, amid heightened tensions between both countries.While Pakistan's government has never officially accepted its involvement in the Pulwama attack, Aurangzeb's moment of bravado, delivered in front of the glare of cameras, managed to do what years of pressure couldn't.

# Sheikh Hasina's Awami League Banned By Bangladesh's Yunus Government

**Dhaka**.Bangladesh's interim government on Saturday banned the Awami League, the political party of former prime minister Sheikh Hasina, pending the outcome of a trial over its crackdown on mass protests that prompted her ouster last year.According to the United Nations, up to 1,400 protesters died in July 2024 when Hasina's government launched a brutal campaign to silence the opposition.Hasina remains in self-imposed exile in India and has defied an arrest warrant from Dhaka over charges of crimes against humanity.

"It has been decided to ban the activities -- including in cyberspace -- of the Awami League under the Anti-Terrorism Act until the trial of the Awami League and its leaders ends," Asif Nazrul, a government advisor on law and justice, told reporters.Bangladesh's interim leader, Nobel Peace Prize winner Muhammad Yunus, has led an interim government since Hasina was overthrown. Nazrul said the decision was taken to ensure the country's "sovereignty and security" and "the security of the protesters" along with safeguarding "the plaintiffs and the witnesses of the tribunal."Yunus's administration also simultaneously approved an amendment to the country's International Crimes Tribunal Act, allowing authorities to prosecute political parties and their affiliated bodies. The Awami League rejected the administration's move, calling it "illegitimate."The ban comes a day after thousands of people rallied outside Yunus's residence, demanding a ban on Hasina's party. On Thursday, former Awami League leader Abdul Hamid -- also under investigation -- successfully left the country. At least three police officers responsible for overseeing airport arrivals and departures have been dismissed for negligence in the wake of Hamid's departure, officials said.

# Putin proposes direct talks with Ukraine on May 15 to end war after three years

**Moscow** Russian President Vladimir Putin on Sunday proposed direct talks with Ukraine on May 15 in Istanbul that he said should beaimed at achieving a durable peace and eliminating the root causes of the war.Putin sent thousands of troops into Ukraine in February 2022, triggering the gravest confrontation between Russia and the West since the 1962 Cuban Missile Crisis.

He said that Russia was proposing direct talks with Ukraine in Istanbul in an attempt to "eliminate the root causes of the conflict" and "to achieve the restoration of a long-term, lasting peace.""It was not Russia that broke off negotiations in 2022. It was Kyiv. Nevertheless, we are proposing that Kyiv resume direct

negotiations without any preconditions," Putin said, referring to failed talks shortly after the Russian invasion of 2022."We offer the Kyiv authorities to resume negotiations already on Thursday, in Istanbul," Putin said."Our proposal, as they say, is on the table, the decision is now up to the Ukrainian authorities and their curators, who are guided, it seems, by their personal political ambitions, and not by the interests of their peoples."Major European powers threw their weight behind an unconditional 30-day Ukraine ceasefire on Saturday, with the backing of U.S. President Donald Trump, and threatened Putin with "massive" new sanctions if he did not accept within days.

Trump, who says he wants to be remembered as a peacemaker, has repeatedly said he wants to end the "bloodbath" of the Ukraine than war which his administration casts as a proxy war between the United States and Russia.Former U.S. President Joe Biden, Western European leaders and Ukraine cast the invasion as an imperial-style land grab and repeatedly vowed to defeat Russian forces.Putin casts the war as a watershed moment in Moscow's relations with the West, which he says humiliated Russia after the Soviet Union fell in 1991 by enlarging NATO and encroaching on what he considers Moscow's sphere of influence, including Ukraine.

# Nebraska authorities investigate murder-suicide involving Koch family in Cozad

**world** The quiet city of Cozad is reeling after a devastating tragedy involving one of its most well-known families. Authorities say four members of the Koch family were found dead in their home near Johnson Lake on Saturday in what appears to be a triple murder-suicide. The incident has sent shockwaves through the community.

According to several media reports, Jeremy Koch, 42, is believed to have fatally stabbed his wife Bailey Koch, 41, and their sons, Hudson, 18, and Asher, 16, before taking his own life. Dawson County deputies responded to the scene around 9:45 a.m., where a weapon was recovered. The Nebraska State Patrol is currently leading the investigation, and autopsies have been ordered.The Nebraska State Patrol also assured that there is no danger to the public. The Kochs were known across central Nebraska for their advocacy on mental health. Jeremy had long battled severe depression, and the couple had openly documented their journey through social media and a program they co-founded, "Anchoring Hope for Mental Health."Created by Bailey, the GoFundMe campaign shared that Jeremy Koch had been diagnosed with severe depression in 2009. "For years, we lived in the shadows, keeping our struggles hidden. It wasn't until 2015 that we started opening up, after Jeremy survived at least four suicide attempts. The most severe was in 2012 when he crashed into a semi-truck on the highway. He suffered a broken leg, a punctured lung, a fractured pancreas, a complete colon reconstruction, and a brain bleed—and yet, the depression remained. When he regained consciousness, I felt both awe and relief, realizing that his attempt had failed," the fundraiser description explains. The campaign raised over USD 20,300 in support.

Just days before the incident, Bailey shared that Jeremy had recently been discharged from the hospital but was struggling with a new medication. "He's only been on it for three nights, and his reaction has been negative," she wrote.

# Donald Trump's "Total Reset" Remark After Marathon US-China Tariff Talks

**Chinese Vice Premier He Lifeng met for about eight hours with US Treasury Secretary Scott Bessent and US Trade Representative Jamieson Greer in their first face-to-face meeting.**

**Washington.**US President Donald Trump hailed talks with China in Switzerland on Saturday, saying the two sides had negotiated "a total reset ... in a friendly, but constructive, manner.""A very good meeting today with China, in Switzerland. Many things discussed, much agreed to," Trump posted on his Truth Social platform.Trump added: "We want to see, for the good of both China and the US, an opening up of China to American business. GREAT PROGRESS MADE!!!" He did not elaborate on the progress.Earlier, top US and Chinese officials wrapped up the first day of talks in Geneva aimed at defusing a trade war that threatens to hammer the global economy and planned to resume negotiations on Sunday, a source close to the discussions said.Chinese Vice Premier He Lifeng met for about eight hours with US Treasury Secretary Scott Bessent and US Trade Representative Jamieson Greer in their first face-to-face meeting since the world's two largest economies heaped tariffs well above 100% on each other's goods.Neither side made any statements afterwards about the substance of the discussions nor signaled any specific progress towards reducing crushing tariffs as meetings at the residence of Switzerland's ambassador to the UN concluded at about 8 pm local time (1800 GMT).Bessent, Greer and He were meeting in Geneva after weeks of growing tensions prompted by Trump's tariff blitz starting in February and retaliation from Beijing that has brought nearly $600 billion in annual bilateral trade to a virtual standstill.The trade dispute, combined with Trump's decision last month to impose duties on dozens of other countries, has disrupted supply chains, unsettled financial markets and stoked fears of a sharp global downturn.Undisclosed location

The location of the talks in the Swiss diplomatic hub was never made public. However, witnesses saw both delegations returning after a lunch break to the gated UN ambassador's villa, which has its own private park overlooking Lake Geneva in the leafy suburb of Cologny.Earlier, US officials including Bessent and Greer smiled as they left their hotel on the way to the talks, wearing red ties and American flags on their lapels. Bessent declined to speak to reporters.At the same time, Mercedes vans with tinted windows were seen leaving a hotel where the Chinese delegation was staying on the lakeside as runners preparing for a weekend marathon warmed up in the sunshine.

NEWS BOX

## Virat Kohli please don't retire: Cricketers urge India star to extend Test stay

**New Delhi.** The Indian cricket fraternity has been rocked by reports of Virat Kohli considering retirement from Test cricket ahead of the high-stakes England tour. As India prepares for the start of a new World Test Championship cycle, sources have confirmed that Kohli has communicated his intent to the BCCI. The development comes just days after Rohit Sharma announced his retirement from red-ball cricket, leaving India on the brink of losing two of its most experienced Test players at onceIn light of this, the BCCI has reportedly urged Kohli to reconsider his decision. Meanwhile, several former cricketers — both Indian and international — have come forward to stress how vital Kohli's presence still is in the longest format.Former teammate Ambati Rayudu has urged Kohli to stay on, stating that India needs his experience and passion now more than ever."Virat Kohli please don't retire.. The Indian team needs you more than ever. You have so much more in the tank. Test cricket will not be the same without you walking out to battle it out for

Team India.. Please reconsider," Rayudu wrote.Navjot Singh Sidhu believes the timing of Kohli's exit would be ill-suited, especially with a tough overseas challenge ahead and a relatively inexperienced batting core."Virat Kohli's decision — that he wants to retire — has created a stir across the cricketing world. His intention is right, his motive is noble — that "the old order must change, yielding place to the new." But the timing and occasion are not appropriate, because the pride and prestige of India are on the line," Sidhu said.West Indies legend Brian Lara has expressed that Test cricket still needs figures like Kohli, whose influence transcends national boundaries."Test cricket needs Virat!! He is going to be persuaded. He is NOT going to retire from Test cricket.

## After 104 days, Jannik Sinner makes strong comeback with thumping win in Italian Open

**New Delhi.** World No.1 Jannik Sinner made a stunning return to tennis after beating Argentina's Mariano Navone in straight sets in the Italian Open 2025. On Saturday, May 10, Sinner took an hour and 38 minutes to win the match 6-3, 6-4 on Centre Court. Returning after 104 days following his doping ban after winning the Australian Open, Sinner didn't take much time to find his feet.Sinner looked a tad out of sorts as he faced a break point very early in the opening set, but he managed to hold his serve after saving it. He upped his game to go 3-1 up and then extended the lead to 4-1. After the initial stutter, it took Sinner only 43 minutes to win the opening set.Yet again in the second set, Navone had a chance to break, but Sinner showed nerves of steel to make it 2-2 after holding his serve. Later in the set, Sinner

earned himself his second break point of the match to go 4-3 up. From there on, he didn't look back and went past the finish line comfortably."Amazing feeling. I've waited quite a long for this moment. I'm very happy to be back. I was saying in Italian it's very difficult to have the right feedback when you don't have any matches. But that's exactly what I need," Sinner said in the on-court interview after the match."The best practice is the match itself. Happy about that. Happy about the win today. It's been very difficult," Sinner added.Sinner outplayed his opponent on second serves, winning 68 per cent of points (17 out of 25) from them. He made 24 unforced errors, but made up for them with 21 winners, 11 more than Navone.In the Round of 32, Sinner will lock horns with Jesper de Jong of the Netherlands, who defeated Spain's Alejandro Davidovic Fokina 6-0, 6-2.

# All shine, no spine: Why Indian football is built for business, not growth

**The glitzy Indian Super League may shine on the surface, but beneath the fireworks and packed stadiums lies a deeper issue: a league built more for profit than for nurturing talent and creating a sustainable football ecosystem.**

**New Delhi.** On a humid April evening in Kolkata, Mohun Bagan Super Giant clinched the 2024-25 Indian Super League (ISL) trophy amid fireworks and a roaring home crowd. It was the perfect narrative-India's oldest footballing institution now crowned as modern champions. But beyond the stadium lights and polished camera angles lies a deeper, messier truth about Indian football: it's built not for sporting development, but for profit.

A decade since its inception, the ISL has created a league with top-class production, glitzy signings, and stable franchises. But at what cost? The domestic game has become a closed circuit-shiny on the outside but hollow within. The problem, say stakeholders, isn't a lack of money. It's the absence of a roadmap."There is no grassroots. It's just a league that's been made to make money," says Ranjit Bajaj, former owner of Minerva Punjab, told India Today in an exclusive interview.

No Climb, No CompetitionAt the heart of Indian football's stagnation lies its franchise-based model, a structure that effectively slams the door on promotion and relegation-the very lifeblood of competitive football across the globe. In most countries, performance dictates progress. In India, it's the size of the cheque that matters.lubs like Dempo FC, one of the most decorated football teams in Indian history, and even the current I-League champions, Churchill Brothers, who once rose to the top through merit, now find themselves locked out of the top tier, regardless of how well they perform. The Indian Super League, now the top tier of football in the country, offers no path upward for those outside its closed gates, only a pay-to-play option.Ranjit

Bajaj, whose Minerva Academy has long focused on grassroots and youth development, articulates the frustration shared by many: "You're telling me that I have to spend Rs 100 crore, and even if I win everything, I still can't go to the ISL? Why would I waste that money?" It's not just rhetorical-it's the reality faced by clubs operating outside the ISL bubble.With the promotion and demotion system gone, how does a team play top tier football (ISL), in India?The case of Mohammedan Sporting Club illustrates this broken model. After years of rebuilding and on-field success, the iconic Kolkata club finally entered the ISL in the 2024-25 season. But they didn't earn their place-they bought it, paying a franchise fee of Rs 12 crore. When you factor in the inflated player salaries, infrastructure investments, and staff costs, the financial burden becomes daunting for clubs that are not corporate-owned. And still, there's no guarantee of sustainability or return.

In Europe, the story unfolds very differently. Leeds United, upon promotion to the Premier League, reportedly earned over Rs 1,000 crore in broadcast revenue alone. Just qualifying for the UEFA Champions League guarantees clubs Rs 170 crore or more. This is not just prize money-it's fuel for reinvestment in talent, infrastructure, and long-term planning.

# Mohammed Afsal breaks 800m national record in UAE Athletics Grand Prix

**The Allianz Arena erupted in tribute as Müller lifted the Bundesliga trophy one last time at home, closing a legendary chapter with Bayern Munich while fans and teammates honoured his unmatched legacy.**

**New Delhi.** In what was an emotionally charged evening at the Allianz Arena, Thomas Muller received a hero's farewell in his final home game for Bayern Munich, as the Bundesliga giants capped off their season with a 2–0 win over Borussia Mnchengladbach. The result sealed the club's record-extending 34th Bundesliga title, but the spotlight was firmly on Muller — Bayern's longest-serving player — who was visibly moved throughout the celebrations.Having spent his entire professional career at Bayern, Muller was serenaded by the Bayern home crowd that

chanted his name and waved banners in tribute to his remarkable journey. From a teenage debutant under Louis van Gaal to becoming the club's heartbeat, Muller has defined an era with his intelligence, selflessness, and iconic 'Raumdeuter' role. With 248 goals in all competitions and over 650 appearances for the club, Muller is one of the most decorated and influential players in German football history.Describing himself as a "modern gladiator," Muller was deeply emotional post-match as he waved to the crowd and embraced teammates, including long-time ally Manuel Neuer. During the celebrations, Neuer handed Muller the Bundesliga shield to officially kick off the championship festivities. The ceremony that followed the final whistle saw Muller hold the Bundesliga trophy high, a fitting moment for a player whose legacy is intertwined with the club's modern success.Manager Vincent Kompany and captain Manuel Neuer lauded Muller's leadership and enduring spirit, praising his unwavering commitment to the team's cause. While his future beyond Bayern remains uncertain, the night was a celebration of Muller's incredible contributions to the club.As Bayern look ahead, Muller's influence — both on and off the pitch — will continue to be a defining part of the club's identity. The Allianz Arena, and indeed the Bundesliga, bade farewell to one of its greats.

## Bob Cowper, first to score triple century on Australian soil, passes away at 84

**MELBOURNE.** Bob Cowper, who scored test cricket's first triple century on Australian soil, has died at the age of 84 due to an undisclosed illness, Cricket Australia said Sunday.Cowper played 27 test matches for Australia between 1964 and 1968, with a record of 2,061 runs at an average of 46.84, including five centuries, while also taking 36 wickets with his part-time off-spin.

The left-hander was renowned for both his stroke-play and steadiness, particularly during his most famous innings, a 12-hour, 589-ball 307 against England at the Melbourne Cricket Ground in February 1966.The innings was the only test triple century made in Australia in the 20th century, and just the 10th ever scored at that time.

It came after he was recalled on his home ground, having been the 12th man in the previous test in Adelaide.Cowper was a force on home soil, and his batting average of 75. 78 runs in Australia remains the second-highest of all time behind only Donald Bradman.He retired in 1968 and became a stockbroker and later became an ICC match referee.In 2023, he was awarded the Medal

of the Order of Australia in recognition for his service to cricket."We are deeply saddened to hear of the passing of Bob Cowper, who was a hugely respected figure in Australian cricket. Bob was a wonderful batter who will always be remembered for his famous triple century at the MCG, as well as his strong influence in the Australian and Victorian (state) teams of the 1960s," Cricket Australia chairman Mike Baird said.Cricket Australia said Cowper was survived by his wife Dale and daughters Olivia and Sera.

# Nikhat may headline key meet in Hyderabad next month

**CHENNAI.** Though there have been a few noteworthy events — domestic and international — here and there, the sport of boxing in the country has largely been subdued so far this season. With some key competitions including the World Championships on the horizon, that could change. Even star boxer Nikhat Zareen could possibly return to competitive action soon. The World Boxing-led Interim Committee is looking to organise the Elite Women Boxing Tournament in Hyderabad next month. The committee has requested the Telangana Boxing Federation (TBF) to conduct the tournament. If things go as per committee's proposal, the event could witness some elite boxers fighting for a spot in the national camp."The tournament will feature participation from the Top 12 ranked State/Board teams of 8th Elite Women Nationals, 1 SAI NCOE Combined Team, and the Host team, making it a highly competitive and significant tournament in the national boxing calendar. This tournament serves as a separate pathway to provide opportunities for boxers to enter in

national coaching camp," the Interim Committee, in a letter addressed to TBF, said. A copy of this letter (dated May 8) is with The New Indian Express.However, the event comes with an asterisk. Given the ongoing cloud surrounding the sport due to delay in conduct of elections and subsequent recognition issue with the sports ministry, it remains to be seen if the event will go smoothly as per plan. The TBF has to respond within mid-June. As per the letter, the event is scheduled to be conducted from June 23 to June 27.

If things fall in place, this upcoming event is quite significant ahead of some key international events, including the World Championships that is scheduled to be held in England in September. Going by the selection policy in place, even Lovlina Borgohain could take part in the Telangana meet. However, that is far from certain due to the current climate in the BFI. Due to division within the governing body of the sport in the country, several top boxers including Lovlina had missed the women's national championship in Greater Noida earlier this year in March.

# England's 2027 World Cup qualification in danger after ODI rankings update

**The England cricket team are in danger of not earning direct qualification for the ODI World Cup 2027 as they slipped to the eighth position after the annual rankings update by the ICC.**

**New Delhi.** England's qualification to the 2027 ODI World Cup is in danger after the annual update to the ODI rankings by the ICC (International Cricket Council). The 2019 World Cup winners have slipped below Sri Lanka, Pakistan and Afghanistan to be at the eighth position with 84 ratings to their name.

England won just three out of 14 ODIs between May 4, 2024 – May 5, 2025, having a win/loss ratio of 0.272, only better than Nepal (0.200) and Bangladesh (0.142). Hence, their World Cup qualification chances have taken a massive hit.The 2027 ODI World Cup will be contested among 14 teams with Zimbabwe and South Africa having already qualified for the tournament, being the co-hosts. Namibia won't be able to earn an automatic qualification despite being the co-hosts of the event as it's only limited to ICC Full Members.Apart from them, the top eight teams of the ICC ODI rankings will further seal their spots in the tournament, which will be decided on the cut-off date of March 31, 2027. Hence, with England currently on eighth position in the rankings, they are just one point above West Indies (83 ratings), who're on ninth.The two teams are set to lock horns in a three-match ODI series beginning from May 29. If West Indies are able to spring a surprise and defeat the Three Lions, they will slip to the ninth spot, further adding hurdles in their road to the world cup. If England miss the direct qualification through rankings, they will have to participate in the World Cup Qualifiers for the first time in their history.

In 2023, West Indies played in the World Cup qualifiers but failed to qualify for the main event for the first time in their history. Hence, things can go wrong for the England if they're not able to make a massive turn around in the ODI performances under the leadership of their new captain Harry Brook.

# DYK Shanaya Kapoor

## Wasn't The First Choice For Aankhon Ki Gustakhiyan?

Shanaya Kapoor, daughter of actor Sanjay Kapoor, is all set to mark her Bollywood debut soon with the upcoming romantic drama, Aankhon Ki Gustakhiyan. Co-starring Vikrant Massey, the film is slated to hit the big screens in July this year. Recently, during an interview, Santosh Singh, the director, revealed that Shanaya Kapoor was not the first choice for the role, instead, the makers initially decided to cast Tara Sutaria and Pratibha Ranta."The film had its journey of finding the female lead. We initially considered Tara Sutaria and Pratibha Ranta for this role, but their schedules did not work out. Later on, we tested Shanaya and she passed with flying colours," he said, as quoted by Bollywood Hungama.

Shanaya secured her spot through a proper audition process and then engaged herself in months of intense training. "We did four months of workshops

with her; she also worked with an acting coach. By the time we started shooting, she knew the script by heart," he shared.Aankhon Ki Gustakhiyan is based on Ruskin Bond's short story The Eyes Have It and is touted to be a musical drama. According to reports, Shanaya will portray a theatre artist, and Vikrant will play a blind musician in the film. The plot is expected to explore the intricacies of human connection, such as compassion, resilience, independence, desire and self-belief.

Recently, the makers unveiled the motion poster of the film on Instagram and wrote, "This monsoon, don't just fall, but feel the love. #AankhonkiGustaakhiyan. In cinemas near you on 11th July 2025."

Scheduled to release on July 11 this year, the film will be facing a big Bollywood clash with Rajkummar Rao's upcoming gangster drama film, Maalik.Shanaya will also star in Bejoy Nambiar's upcoming survival thriller Tu Yaa Main, opposite Adarsh Gourav. Backed by Anand L Rai and Himanshu Sharma, and penned by Abhishek Bandekar, the film is set to release in theatres on Valentine's Day 2026.She will also reportedly be seen in a double role in Karan Johar's Student of the Year 3 web series. As per a previous MidDay report, the show will be helmed by debutant Reema Maya and will consist of six episodes.

# Raveena Tandon

## Reacts As India, Pakistan Reach Ceasefire Agreement: 'If This Is True...'

On Saturday, the External Affairs Ministry said that India and Pakistan have agreed to a ceasefire and that military action has been paused as of 5pm IST. Soon after the ceasefire was announced, Bollywood actress Raveena Tandon took to Instagram to share her views about it. She cautiously welcomed the India-Pakistan ceasefire, warning that any future 'state-sponsored terrorism' against India will be seen as an act of war. She also reacted to Pakistan's IMF loan approval, and strongly stated that India must never suffer such attacks again.

Reacting to the news of India-Pakistan ceasefire, Raveena Tandon wrote, "If this is true, then it's a welcome decision. #ceasefire. But make no mistake, the day India bleeds again #statesponsoredterrorism it will be an act of war and then there will be hell to pay.

The #IMF had better keep Track of where their money goes, the big powers may have sanctioned this loans to get thier earlier loans paid back or so that there is more ammunition bought or whatever. But now AND never should Bharat Bleed Again."

In her caption, Raveena wrote, "#ceasefire But few things are pretty clear. I will support my country in ways that as a citizen I can. #mycountrymylife #bharatforever This has shown us who are friends and not. My country's enemy is mine . The world must act against terrorism and fast ."

Meanwhile, Foreign Secretary Vikram Misri held a very brief press conference in New Delhi on Saturday where he made the announcement of India-Pakistan ceasefire.

"The Director General of Military Operations of Pakistan called the Director General of Military Operations of India at 1535 hours IST earlier today.It was agreed between them that both sides would stop all firing and military action on land and in the air and sea with effect from 1700 hours Indian Standard Time today. Instructions have been given on both sides to give effect to the understanding. The Director Generals of Military Operations will talk again on the 12th of May at 1200 hours," Misri said in a very brief statement to the media.

Meanwhile, 3 days ago, amid India-Pakistan tensions, Raveena Tandon had shared on Instagram, "Bharat has always stood for peace and righteousness.

Yet, for decades, we have endured a proxy war sponsored by hostile forces-costing countless innocent lives. Despite offering peace through many initiatives and talks. The world must now act against terror factories.

India's actions are well thought of, defensive, focused solely on eliminating terror threats-not civilians. Our soldiers and our people have shown immense patience and courage. I stand firmly with my nation, our armed forces, our leadership and our people. May Shri Ram guide us to destroy evil, never the innocent. Jai Bhawani, Parvati Pataye Har Har Mahadev! Jai Hind. India first."

## Anushka Sharma Was 11 When Her Dad Fought In The Kargil War: 'Was Scared Seeing My Mother'

Anushka Sharma recently took to her Instagram to thank the Indian Armed Forces and their families for their sacrifices to ensure the nation's security amid rising India-Pakistan tensions. Anushka Sharma is the daughter of Colonel (retired) Ajay Kumar Sharma, who has served in every war since 1982, including Operation Bluestar and the Kargil War.Anushka Sharma was only 11 years old when her father fought against Pakistan in the Kargil War in 1999. In a conversation with ETimes in 2012, Anushka recalled how she was too young the understand the gravity of the situation. When her father would call their home, she spoke to him about boyfriends and school, not realising that he was in a warzone.

The actress said, "Kargil was a tough one. I was too young at that time, but I was scared of seeing my mother. She would always have the news channel switched on throughout the day and would get upset when casualties were announced."Anushka said, "When my dad called, he could not say much, but I would go on talking about my school, boyfriends and everything else without realising that he was fighting a war." She added, "I take pride in saying that I am an army officer's daughter even more than being an actor." Anushka Sharma mentioned that she shares an extremely close bond with her father.

After India intercepted Pakistan's missiles on May 8, Anushka Sharma took to her Instagram Stories and wrote, "Eternally grateful to our Indian Armed Forces for protecting us through these times like the heroes that they are. Heartfelt gratitude to the sacrifices they and their families have made. Jai Hind."

Meanwhile, on the work front, Anushka Sharma is seemingly on a break from Bollywood. She was last seen in Zero in 2018 with Shah Rukh Khan and Katrina Kaif. Although she has shot for Chakda 'Xpress, the film's release has yet to be announced.

## Anupamaa: Manish Goel Quits Show After Fight With Rupali Ganguly? Know Here

Rupali Ganguly starrer Anupamaa is one of the top television shows. While it has been ruling the TRP charts, it often makes headlines for some controversial reasons too. Now, a report of Manish Goel allegedly planning to leave the show has grabbed everyone's attention.Recently, a report by India Forums claimed that Manish Goel, who plays Raghav in Anupamaa, is planning to quit the show due to differences with the co-star Rupali Ganguly. "Manish and Rupali had differences, which is why

he will be quitting the show and the show will take another leap then," a source cited by the news portal claimed.

However, Manish has denied rumours of his fallout with Rupali Ganguly. The actor laughed at the speculation and said, "It is completely false. Rupali aur meri pehchaan aaj ki nahi hai. I have known her since I have landed in Mumbai. This is the fourth time I am working with her. Usually, there is no fire without spark but in this case, there is neither spark nor fire, I do not know why do people spread such things. This is false."

Talking about his alleged exit from Anupamaa, Manish added, "As for quitting, I have 6 scenes today and I have already done 4 scenes."

However, Manish also revealed that his character Raghav had always been planned as a cameo in the show, which was planned for around four months. "Out of which, I have completed 3 months. When a cameo of an actor is extended, it works excellently for them and if it is not, then also fine, you were already informed about the same in advance. So yeah, that's about it. Not quitting as of now, no information on the leap too," he concluded.

Previously, there were rumours that Rupali Ganguly was also not on talking terms with her Anupamaa co-star Sudhanshu Pandey. The latter quit the show in 2024.